फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 72 प्रभात जयपुर, बुधवार 12 अक्टूबर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Tomb I observed a well maintained 'Mazar' and faint stirrings of the events of yesteryears made me halt at the spot.

And Everyone Smiled

The 4-7-8 Method

Are Sprouts The Ultimate Superfood? In Ayurveda, sprouts are known to increase vata

एक नए शोध के अनुसार भेड़िए भी इंसान के दोस्त हो सकते हैं। या फिर यूँ कह सकते हैं कि एक समय भेड़िए इंसान के बैस्ट फ्रैंड थे, बाद में हमने उन्हें कुत्तों में बदल दिया। स्वीडन के वैज्ञानिकों ने साबित किया है कि भेड़िए अजनबी और परिचित व्यक्तियों में अंतर कर सकते हैं और परिचितों के प्रति ज्यादा स्नेह प्रदर्शित करते हैं। यही नहीं, भेड़िए अगर तनाव ग्रस्त हों तो परिचित व्यक्ति उन्हें शांत कर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने 10 भेड़ियों व 12 कुत्तों पर प्रयोग किया, यह देखने के लिए कि तनाव में वे कैसा व्यवहार करते हैं। भेड़ियों ने उस व्यक्ति की तरफ ज्यादा प्रेम दर्शाया जिसे वे जानते थे। वो उस व्यक्ति के पास गए और काफी देर तक उसके प्रति अपना प्रेम जताते रहे। स्वीडन की स्टॉकहोम युनिवर्सिटी के डॉ. हैनसन वीट, जो शोध के मुख्य लेखक हैं, ने कहा, एकदम साफ है कि भेड़िए भी कुत्तों की तरह अजनबी व्यक्ति के मुकाबले परिचित को ज्यादा तवज्जो देते हैं, लेकिन जो बात ज्यादा रोचक थी, वो यह कि टैस्ट की स्थिति से कुत्तों पर खास प्रभाव नहीं पड़ा जबकि भेड़िए इससे प्रभावित हुए और वे टैस्ट रुम में यहां वहां घूमते नज़र आए। उल्लेखनीय बात यह थी कि, जब उस व्यक्ति ने कक्ष में प्रवेश किया जिसने जीवन भर भेड़ियों की देखरेख की थी, तो भेड़िए शांत हो गए। इसका अर्थ यह है कि जाने -पहचाने व्यक्ति भेड़ियों का सामाजिक तनाव शांत करते हैं। ये नतीजे इस सोच का खंडन करते है कि कुत्तों का इंसानों से लगाव तब ही बढ़ा जब इंसान ने उसे पालतू बनाया। इकॉलाजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में छपा यह शोध दर्शाता है कि इंसानों से लगाव का रिश्ता सिर्फ कुत्तों में ही नहीं पनपा है। डॉ. वीट ने कहा, ''इससे यह भी साबित होता है कि जानवरों का उन व्यक्तियों से मजबूत संबंध होता है जो उनके परिचित होते हैं। शोध टीम ने कुत्तों और भेड़ियों के बच्चों को तब से पाला जब वे 10 दिन के थे फिर जब वे 23 हफ्ते के हुए तब यह प्रयोग किया गया।''

गहलोत की विदाई क्यों अटकी हुई है?

हाई कमान चाहता है, नया अध्यक्ष इस निर्णय का क्रियान्वयन कराये

- प्रियंका गांधी ने अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया के बीच यू.पी. का प्रदेशाध्यक्ष बदला था, इस पर प्रतिक्रिया ठीक नहीं हुई। वरिष्ठ नेताओं का मत था कि, यह निर्णय नये अध्यक्ष पर छोड़ना ज्यादा उचित रहता।
- इसीलिये अब 17 अक्टूबर के बाद नये अध्यक्ष के चुनाव तक, गहलोत का ''फेयरवैल'' स्थगित हो गया है।
- जैसा कि लग रहा है, खड़गे का अध्यक्ष बनना लगभग तय है तथा खड़गे भी पर्यवेक्षक के रूप में जयपुर आये थे तथा उस समय जो ड्रामा हुआ था, उससे क्षुब्ध होकर खड़गे ने तीखी टिप्पणी की थी कि, गत चालीस साल में उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष की इतनी बेइज़्ज़ती पहले कभी नहीं देखी।
- गहलोत ने भी अपनी खिलाफत को मजबूती देते हुए अडानी का काफी सम्मान किया, इन्वैस्ट समिट में तथा अमित शाह के बेटे का नाम लेकर राजस्थान में पूंजी निवेश के लिये आमंत्रण देना, हाई कमान को सीधा मैसेज देना था कि, अब उनको अमित शाह का प्रोटेक्शन प्राप्त है, अतः अगर उन्हें हटाकर पायलट को मु.मंत्री बनाया गया तो, सरकार गिरा देंगे भाजपा की मदद लेकर।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। यह सोनिया गांधी की ओर से एक और तिरस्कार है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अनदेखी कर पार्टी के शीर्ष नतृत्व ने उन्हें पार्टी के प्रतिनिधि के रुप में मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए सैफ़ई नहीं भेजा। कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए वहां जो दो व्यक्ति भेजे गए हैं, वे हैं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ। यदि विद्रोह से पहले जैसी सामान्य स्थिति होती तो पार्टी के देश में दो मुख्यमंत्रियों में से एक अशोक गहलोत को उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए भेजा जाता।

लेकिन अशोक गहलोत पीछे नहीं रहना चाहते। ''मैं परवाह नहीं करता'' वाला रवैया दर्शाते हुए गहलोत भी सैफ़ई के लिए रवाना हो गए, अपने विधायकों को यह संदेश देने के लिए कि वे अब भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर जमे हुए हैं और उन्हें सोनिया गांधी का विश्वास प्राप्त है।

वास्तव में गहलोत का विद्रोह एक ऐसी स्थिति में पहुंच चुका है कि यहां तक गांधी परिवार का संबंध है, वह अपनी ढपली अलग ही बजा रहे हैं। गौतम अडानी की मेजबानी करने का उनका निर्णय कांग्रेस नेतृत्व को यह बताने का एक सुनियोजित कदम था कि वह उन्हें हटाने की किसी भी स्तर पर कोशिश करके देख ले। यहां तक कि उन्होंने अमित शाह के पुत्र जय. शाह को भी राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुलायम के जाने के बाद सपा का विभाजन रूक सकेगा?

शिवपाल, आजम खान व मायावती मिलकर मुलायम सिंह की विरासत पर कब्जा कर लेंगे?

- मुलायम सिंह ने अपने जीवन काल में अपने पुत्र अखिलेश को उत्तराधिकारी घोषित तो कर दिया था। पर अब ऐसा प्रचार हो रहा है कि, अखिलेश के कामकाज से स्वयं मुलायम भी थोड़ा खिन्न थे, अपने अंतिम दिनों में। शिवपाल व उनका समूह, जिसमें आज़म खान व अमर सिंह भी थे, एक समय प्रचारित करने लगे थे कि, जिस जल्दबाजी से मुलायम सिंह को सपा के अध्यक्ष पद से हटाया गया व मुलायम सिंह के पुराने साथियों को घर भेजा गया, उससे अखिलेश औरंगज़ेब हो गये हैं।
- बहरहाल, अखिलेश के समक्ष इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती होगी मैनपुरी संसदीय सीट पर सपा का कब्जा बरकरार रख सकें।
- इसके अलावा सपा के पुराने गढ़ आज़मगढ़, कन्नौज, संभल, रामपुर आदि संसदीय सीटों पर सपा हार चुकी है, पर एक बार फिर सपा का परचम लहराये।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। मुलायम सिंह यादव के युग के अवसान के साथ ही, समाजवादी पार्टी एक बार फिर विरासत के युद्ध की तरफ बढ़ती प्रतीत हो रही है। ऐसी अपेक्षा की जा रही है कि समाजवादी पार्टी के इस स्वर्गीय संस्थापक एवं दिग्गज नेता के भाई शिवपाल यादव पार्टी को तोड़ने का पूरा-पूरा प्रयास कर सकते हैं। उनकी तमाम स्वास्थ्य संबंधी तकलीफों तथा पिछली तीन साल में सक्रिय राजनीति को अलविदा कह देने के बावजूद, मुलायम की मौजूदगी मात्र से ही यह तो सुनिश्चित था ही कि पार्टी के प्रथम परिवार के प्रतिद्वंदी गुटों के बीच एक हद तक सामान्य शिष्टाचार बना रहेगा। जहाँ उत्तराधिकार का मुद्दा मुलायम के जीवन-काल में ही अखिलेश यादव के पक्ष तय हो गया था, वहीं जो स्थिति उभर कर सामने आई थी, उसमें सपा-संस्थापक स्वयं को सहज महसूस नहीं कर रहे थे। वस्तुतः, अखिलेश ने अपने पिता को सपा के अध्यक्ष पद से हट जाने के लिये बाध्य कर दिया था तथा बहुत से पुराने दिग्गजों, जिनमें आज़म खान, शिवपाल तथा स्व. अमर सिंह भी शामिल थे, को दरकिनार कर दिया था। अखिलेश के कार्यों ने उन्हें औरंगज़ेब का प्रतिरूप बना दिया था, जिसने सम्राट बनने के लिये अपने पिता को कैद कर दिया था। ऐसी संभावना दिखाई दे रही है कि शिवपाल गुट आगामी सप्ताहों तथा महीनों में इस पूरे घटनाक्रम का लाभ लेना चाहेगा। ऐसी चर्चा है कि शिवपाल, आज़म तथा मायावती की तिकड़ी अखिलेश के नेतृत्व वाले अधिकृत सपा गुट को चुनौती देने के लिए एकजुट होने की कोशिश में हैं।

ऐसे समय पर, जब नरेन्द्र मोदी द्वारा संचालित भाजपा, सपा के पुराने गढ़ों में उसे खत्म करने में जुटी हुई है, अखिलेश के सामने पहली और बहुत बड़ी चुनौती यह होगी कि वे मैनपुरी लोकसभा को बरकरार रखें, जो उनके पिता के पास रही थी। मुलायम 10 बार विधायक तथा 7 बार सांसद रहे थे। इस सात अवसरों में वे पाँच बार मैनपुरी लोकसभा सीट से ही जीते थे। जिस बार वे चुनाव नहीं लड़े थे, सपा प्रत्याशी इस सीट से जीता था। यही स्थिति उन अन्य चुनाव क्षेत्रों में भी रही, जो सपा का गढ़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंकज मित्तल राजस्थान के नए सी.जे.

- केन्द्र सरकार ने पंकज मित्तल को राजस्थान हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया, इसी के साथ जम्मू-कश्मीर के लिए जस्टिस ए.एम. माग्रे और कर्नाटक के लिए जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को चीफ जस्टिस के पद पर नियुक्ति दी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। केन्द्र सरकार ने मंगलवार को राजस्थान हाई कोर्ट, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट तथा कर्नाटक के नए चीफ जस्टिस नामित किए। जस्टिस पंकज मिथल राजस्थान हाई कोर्ट, जस्टिस ए.एम. माग्रे जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले कर्नाटक हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बनाए गए हैं।

जस्टिस मिथल को शुरु में 4 जनवरी 2021 को जम्मू एवं कश्मीर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने नेताओं की घर वापसी पर दिया बड़ा बयान

अरूण सिंह ने कहा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पूनिया से बात करके ही कमेटी करेगी घर वापसी का फैसला

- 21 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा कोटा में लेंगे, कोर कमेटी की बैठक, उसमें नेताओं की घर वापसी पर फैसला होगा।
- ये नेता हैं, सुरेन्द्र गोयल, देवी सिंह भाटी, मानवेन्द्र सिंह, सुभाष महरिया और राजकुमार रिणवा।
- रोचक बात यह है कि, पार्टी का एक धड़ा इनकी घर वापसी का विरोध कर रहा है।

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। भाजपा में पिछले लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं की घर वापसी को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने बड़ा बयान दिया। इस दौरान सिंह ने कहा कि भाजपा छोड़ कर जा चुके नेताओं की घर वापसी पर फैसले के लिए एक कमेटी का गठन होगा। कमेटी नेताओं के प्रोफाइल और तमाम पहलुओं पर चर्चा करके रिपोर्ट तैयार करेगी।

उन्होंने कहा कि जो नेता पार्टी की नीतियों में विश्वास करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किए जा रहे कामकाज से प्रभावित होकर पार्टी में आना चाहेगा उसे ही पार्टी में शामिल करवाया जाएगा। कमेटी अपनी रिपोर्ट प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सतीश पूनिया को सौंप देगी और पूनिया उसके बाद अपनी सहमति देकर अपनी रिपोर्ट पार्टी आलाकमान को देंगे।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा छोड़कर जाने वाले नेताओं की घर वापसी को लेकर इन दिनों प्रदेश भाजपा में चर्चाएं जोरों पर हैं। हालांकि जिन आधा दर्जन नेताओं की घर वापसी की बात कही जा रही है। उनका फैसला पार्टी की कोर कमेटी करेगी

पार्टी की कोर कमेटी की बैठक 21 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में कोटा में आयोजित होगी जिसमें नेताओं की घर वापसी का फैसला होगा। पार्टी छोड़ चुके सुरेंद्र गोयल, देवी सिंह भाटी, मानवेंद्र सिंह, सुभाष महरिया और राजकुमार रिणवा का फैसला पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में होगा।

वही दिलचस्प बात तो यह है कि एक तरफ तो नेताओं की घर वापसी का फैसला पार्टी कोर कमेटी करेगी लेकिन पार्टी कोर कमेटी में ही कई नेता ऐसे हैं जो इन नेताओं की घर वापसी का विरोध कर रहे हैं। कोर कमेटी के सदस्य और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और देवी सिंह भाटी के बीच अदावत जगजाहिर है इसके अलावा केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी और मानवेंद्र सिंह के बीच भी लंबी अदावत चली आ रही है ऐसे में पार्टी का एक धड़ा ही इनकी घर वापसी का विरोध कर रहा है।

प्रदेश पदाधिकारी बैठक में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारीअरुण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बार चुनाव का रास्ता साफ

- हाई कोर्ट ने बार काउन्सिल ऑफ इण्डिया के आदेश पर लगाई रोक।

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने देश के अधिवक्ताओं की नियामक संस्था बार काउन्सिल ऑफ इंडिया (बी.सी.आई.) के गत तीन अक्टूबर के राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव पर रोक लगाने के आदेश पर रोक लगा दी है। ये चुनाव 18 नवम्बर को होने है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में बी.सी.आई., बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन और बी.सी.आई. में याचिका दर्ज करने वाले सुमेर सिंह ओला को नोटिस जारी कर पांच सप्ताह में जवाब तलब किया है।

जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव और अध्यक्ष पद के प्रत्याशी प्रहलाद शर्मा व रोहन जैन सहित अन्य की याचिका पर दिए तथा स्पष्ट किया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिन्दी की खिलाफत दक्षिण भारत की राजनीति का आधार बनेगी आगामी चुनावों में?

तमिलनाडू के मुख्यमंत्री स्टालिन ने गृह मंत्रालय के आधीन भाषा के मसले पर गठित संसदीय समिति की रिपोर्ट को आधार बनाकर केन्द्रीय सरकार व भाजपा को काफी खरी-खोटी सुनायी और धमकी भी दे डाली कि, भाजपा का भी वही हश्र होगा जो कांग्रेस का 1960 के दशक में हुआ था, दक्षिण के हिन्दी विरोधी आंदोलन के कारण

- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि, हिन्दी को उच्च शिक्षा में पढ़ने-पढ़ाने का माध्यम होना चाहिये। उच्च शिक्षा का मतलब, आई.आई.टी., आई.आई.एम., केन्द्रीय विश्वविद्यालयों व एम्स से है।
- स्टालिन के अनुसार इससे दक्षिण भारत के लोग देश में सैकण्ड क्लास नागरिक हो जायेंगे।
- केन्द्रीय सरकार का यह कदम संविधान के भी खिलाफ होगा, क्योंकि संविधान में सभी क्षेत्रीय भाषाओं से बराबर का बर्ताव करने की व्यवस्था प्रदत्त की गई है।
- ''हिन्दी को अंग्रेजी की जगह बिठाने से हिन्दी भाषी लोगों को नाजायज लाभ मिलेगा।''

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केन्द्र सरकार पर भाषा के मुद्दे पर फूट डालने वाला एजेंडा अपनाने का आरोप लगाते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है कि इस कोशिश को बंद करें, जो देश की एकता को नुकसान पहुँचा सकती है।

हाँ, अगर आई.आई.टी., आई.आई.एम. एम्स तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालयों जैसी ऊँचे पढ़ाई की भाषा के रूप में अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी को लाने की केन्द्र की कथित कोशिश के संबंध में मीडिया रिपोर्ट की बात करें तो भाषा का मुद्दा सचमुच तथा सोच-समझकर 2024 के लोकसभा चुनावों की खातिर शुरू किया गया है।

सरकार के खुले इरादों, जो गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक संसदीय समिति की रिपोर्ट में निहित हैं, का हवाला देने वाली इस मीडिया रिपोर्ट के चंद घंटे बाद ही तमिलनाडू के मुख्यमंत्री ने सरकार की इस कथित कोशिश पर बड़ा सख्त प्रहार किया।

हाँ, तो यह भाषाई युद्ध सचमुच शुरू हो गया है तथा इसकी चिनगारियाँ आम चुनाव की तैयारियों के दौरे तक पहुँचेगी। हिन्दी को देश की साझा भाषा के रूप में ''थोपने'' तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा हिन्दी को एक सामान्य भाषा के रूप में अपनाने के खिलाफ तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन मजबूती से खड़े हो गये हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र की इस चेष्टा से दक्षिण भारतीय लोग दोयम दर्जे के नागरिक बन कर रह जायेंगे।

मीडिया के एक वर्ग में प्रकाशित इस रिपोर्ट पर, चेन्नई में जारी किये गये एक कठोर बयान के अंतर्गत तमिलनाडू के मुख्यमंत्री ने केन्द्र को राज्य में हुये हिन्दी-विरोधी आंदोलन की याद दिलाई तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि वे देश में एक और भाषाई युद्ध न भड़काएं।

मीडिया के विभिन्न वर्गों के जरिये सामने आई ''पार्लियामैन्ट्री कमेटी ऑन ऑफिशियल लैंग्वेज'' की विषय वस्तु की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए , स्टालिन ने कहा कि अगर यह क्रियान्वित हुई, तो गैर हिन्दी भाषी अपार जनसमूह उसके ही देश में दोयम दर्जे के नागरिकों के रूप में आयेगा।

उन्होंने कहा, ''हिन्दी को थोपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नया चुनाव चिन्ह

- शिव सेना का शिंदे गुट अब तक पृथक क्षेत्रीय पार्टी बन गया है, इसे ना केवल अलग नाम मिला है, बल्कि ''दो तलवार और ढाल'' का चुनाव चिन्ह भी मिला है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट को मंगलवार को अन्ततः ''दो तलवार और एक ढाल'' का चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया और उनकी पार्टी का नाम होगा ''बाला साहेबांची शिवसेना''।

ढाल-तलवार पूर्ववर्ती पीपुल्स डैमोक्रेटिक मूवमैंट के लिए आरक्षित था। उसकी वर्ष 2004 में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता रद्द कर दी गई और आगे जाकर उसे 26.12.2016

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

स्वयं को भेड़ बना लोगे तो भेड़िये आकर तुम्हे खा जायेंगे। –जर्मन कहावत

राज्य के माली हालात अच्छे नहीं हैं पर चिंता कौन करे

ऐसा लगता है अपने को जनता की सबसे बड़ी हितैषी साबित करने के लिए राजस्थान सरकार अपने राजकोष को दोनों हाथों से लुटाने में लगी है। जिसकी झोली में जितना समाए वह ले, ले। सारे आधिकारिक संकेत यह इंगित करते हैं कि राज्य की माली हालत अच्छी नहीं है जिसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ सकता है। राज्य की वित्तीय स्थिति को तीन चीजों से आंका जाता है। पहला तो यह कि उसके राजस्व खाते की हालत कैसी है। वह घाटे में चल रहा है या आधिक्य में है। दूसरा, उसके राजकोष की स्थिति और तीसरा उसके द्वारा लिया गया कर्ज उसके सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में कितना है? इसका आकलन भारत की संवैधानिक संस्था नियंत्रक–महालेखा परीक्षक (सीएजी) नियमित रूप से करती है और प्रति वर्ष अपनी रिपोर्ट देती है जिसे राज्य सरकार को विधानसभा के पटल पर रखना पड़ता है। राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजटीय प्रबंधन अधिनियम, बजट दस्तावेज़, आर्थिक समीक्षा 2020–21, पंद्रहवें वित्त आयोग की रिपोर्ट और विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों से प्राप्त वित्तीय डेटा के आधार पर सीएजी द्वारा राज्य के वित्तीय प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। उसकी ताजा रिपोर्ट राज्य की वित्तीय हालत के भयावह संकेत देती है। उसकी सबसे बुरी सूचना तो यह है कि राजस्थान का राजकोषीय घाटा जो 2019–20 में सकल घरेलू उत्पाद का 3.77 प्रतिशत था वह एक ही साल 2020–21 में बढ़ कर 6.20 प्रतिशत हो गया। यह वह समय है जब से राज्य के शीर्ष राजनैतिक नेतृत्व ने लोकलुभावन वाली राह पकड़ी। इसका कारण किसी से छुपा नहीं है।

सत्ताधारियों द्वारा राजकोष से किये जाने वाले लोकलुभावन खर्चों से अर्थव्यवस्था को चौपट होने से बचाने के लिए 2005 में राजकोषीय उत्तरदायिव एवं बजट प्रबंधन कानून (एफआरबीएम अधिनियम) बनाया गया था। मगर राज्य सरकार को उसे भी नज़रन्दाज़ करने से उठा नहीं है। सीएजी की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2020–21 के दौरान राज्य सरकार का राजस्व घाटा 44,001 करोड़ रुपयों का था। इस घाटे की हालत में राज्य पर राजकोषीय देनदारियां अर्थात कुल बकाया ऋण सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में बढ़ कर 42.37 प्रतिशत हो गया जबकि कानून की मंशा के अनुसार वह 38.20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उसके पिछले वर्ष की तुलना में राजस्व प्राप्तियों में 5,805.93 करोड़ रुपए (4.14 प्रतिशत) की कमी आई, जबकि राजस्व व्यय में पिछले वर्ष की तुलना में 71,824.31 करोड़ (1.03 प्रतिशत) की वृद्धि हुई जिसने राजस्व घाटे को बढ़ाया। एफआरबीएम अधिनियम के अनुसार तो राज्य सरकार को वित्तीय वर्ष 2011–12 से अपना राजस्व घाटा पूरी तरह समाप्त कर शून्य कर देना था और उसके बाद उसे शून्य पर बनाए रखना था। अर्थात सरकार को प्रशासन पर उतना ही खर्च करना लाकिमी है जितनी उसकी आमद है। साधारण भाषा में कहें तो उतने ही पैर पसारने हैं जितनी चादर है। किन्तु जब निर्वाचित शासन अपने राजनीतिक फायदे के लिए मतदाता के तुष्टीकरण पर उतर आए तब चादर छोटी पड़ ही जाती है। ऐसे में खर्चों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार जनता पर भविष्य में भारी पड़ने वाले कदम को उठाने में भी नहीं हिचकती है। वह उधार ले कर काम चलाने लगती है। बजट में दो खाते होते हैं – राजस्व खाता तथा पूंजीगत खाता। राजस्व खाते में करों से तथा अन्य क्रियाकलापों जैसे आबकारी तथा भू राजस्व आदि से आय होती है जबकि पूंजीगत खाते में उधार ली हुई रकम आती है। यह व्यवस्था इसलिए है कि सरकार पैसा उधार लेकर विकास के उन कामों पर खर्च करे जिनसे न केवल जनता के लिए सुविधाएं बनें बल्कि उनसे आय भी हो जिसके लिए ली गई उधारी चुक सके। वैसे ही जैसे किसी व्यवसाय में होता है कि कर्जा लेकर कोई उपक्रम शुरू किया जाता है और उससे होने वाली आमद कर्जा भी चुकाया जाता है और अपना काम भी चलाया जाता है। लेकिन धंधे के लिए कर्जा ले कर उसे अनुत्पादक कामों जैसे भोज करने या उत्सव करने में लगा दिया जाय तो धंधा तो नहीं चलेगा और दिवालिया होने की सूरत बन सकती है। ऐसा ही कुछ राज्य सरकार का हाल हो रहा है। उसका पूंजीगत खर्चा एक साल में 552.44 करोड़ रुपये (3.75 प्रतिशत) बढ़ गया। राजनेताओं की रुचि ऐसे पूंजीगत खर्च में अधिक होती है जिसमें खूब ठेके दिये जा सकें।

राजकोष का पैसा किसी की निजी संपत्ति नहीं होता। वह लोगों के खून पसीने की कमाई से आया पैसा होता है। शासन में बैठे लोग उसके केवल ट्रस्टी होते हैं। इसलिए उनकी जिम्मेवारी बनती है कि राजकोष के एक-एक पैसे का सदुपयोग हो और दक्षता से हो।

महानियंत्रक लेखाकार की रिपोर्ट में यह गंभीर टिप्पणी भी है कि राज्य सरकार की बजटीय धारणाएं यथार्थवादी नहीं है। शासन में भले ही बजट बनाने की दक्ष और पारदर्शी व्यवस्था बनी हुई है उसके बावजूद बजट के गलत अनुमान लगाए जाते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य में बजट के बनाने और उसके निष्पादन में बड़ी खामियां हैं और उस पर पर्याप्त नियंत्रण की कमी है। स्वाभाविक ही है कि यह सवाल पूछा जाय कि ऐसा क्यों होता है? हम जानते हैं कि ऐसा राजनैतिक दखलंदाजी के कारण होता है। वह तब होता है जब शासन प्रशासन लापरवाह हो जाता है। सरकारी मशीनरी सत्ता में बैठे निर्वाचित राजनेताओं की निजी जागीर बन जाती है और नौकरशाह उनकी कठपुतलियां। ऐसे में नौकरशाओं की महत्वाकांक्षाएं भी बढ़ जाती हैं। अब तो उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं भी होने लगी है और वे पूरी भी होती दिखती है। जब ऐसा होता है तब नियम और कायदे कानून कागजों में रह जाते हैं और राज्य की आमदनी और खर्च का हिसाब गड़बड़ा जाता है। यह गड़बड़ राज्य के सालाना बजट में झलकती है जिस पर निगाह रखने की अपनी जिम्मेवारी लगता है विधायिका कब का त्याग चुकी है।

बजटीय लापरवाही का दृष्टांत इस रिपोर्ट में मिलता है। वह बताती है कि सरकार ने इस साल सदन से 36,253.96 करोड़ रुपयों की अनुपूरक अनुदान राशि मंजूर कारवाई। मगर वित्तीय वर्ष पूरा होने के बाद पता चला कि वास्तव में 27,052 करोड़ रुपयों की राशि तो खर्च ही नहीं हुई। यह कुल बजट की 10.08 प्रतिशत राशि थी। इसका सीधा अर्थ है कि सरकार को बजट के प्रति कोई चिंता ही नहीं है और उससे कोई जवाब भी नहीं मांग रहा है। ऐसा शासन तंत्र में इसी साल हुआ हो ऐसा नहीं है। यह रिपोर्ट बताती है कि 2016–17 से 2019–20 की अवधि के दौरान बजट के अनुपूरक प्रावधान लगातार अनावश्यक साबित हुए हैं। महालेखाकार और नियंत्रक द्वारा हर साल इन मुद्दों को उठाने के बावजूद पिछले कई वर्षों में राज्य सरकार अपनी व्यवस्था को सुधारने में विफल रही है। सरकार ने इस बारे में कोई स्पष्टीकरण भी नहीं दिया है। इस संबंध में विधानसभा की जन लेखा समिति (पीएसी) की सिफारिशों को भी राज्य सरकार ने नजरंदाज किया है। प्रशासनिक नियंत्रण की असफलता इससे झलकती है। निर्धारित वित्तीय नियमों और निर्देशों के बावजूद सरकारी विभागों द्वारा विशिष्ट विकास कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिए आहरित धन के उपयोग के प्रमाण पत्र और विस्तृत आकस्मिक बिल प्रस्तुत नहीं किया जाना और सार्वजनिक प्रतिष्ठानों द्वारा अपने खाते नहीं प्रस्तुत किया जाना विधिक व्यवस्था का उल्लंघन तो दर्शाता ही है साथ ही यह भी इंगित करता है कि सरकार में आंतरिक नियंत्रण की कमी है तथा राज्य सरकार का निगरानी तंत्र कमजोर है। यह कमजोरी प्रशासनिक तंत्र में राजनैतिक हस्तक्षेप के कारण आती है।

महालेखाकार राज्य सरकार के खातों का ऑडिट संविधान की धारा 149 और 151 के तहत करता है। कोई खामी सामने आने पर उसकी जांच रिपोर्ट पहले संबंधित इकाई के प्रभारी को दी जाती है। उनके जवाब आने के बाद उन पर विचार किया जाता है। बहुत सी ऑडिट आपत्तियां वहीं खत्म हो जाती है या उन पर कार्यवाही की सलाह दी जाती है। मगर सरकार में क्या हो रहा है इसका खुलासा महालेखाकार की यह रिपोर्ट खुद देती है जो विधानसभा के पटल पर रखी जाती है तथा वह सार्वजनिक दस्तावेज होती हैं। मगर विधानसभा के हमारे निर्वाचित सदस्यों को उन्हें पढ़ने की काम ही फुरसत होती है। संवैधानिक दायित्वों से चलने वाला लोकतान्त्रिक शासन की सबसे पहली शर्त राजकोष का ठीक से हिसाब–किताब रखा जाना होता है क्योंकि इसका पैसा किसी की निजी संपत्ति नहीं होता। वह लोगों के खून पसीने की कमाई से आया पैसा होता है। शासन में बैठे लोग उसके केवल ट्रस्टी होते हैं। इसलिए उनकी जिम्मेवारी बनती है कि राजकोष के एक–एक पैसे का सदुपयोग हो और दक्षता से हो। दक्षता पर तब पानी फिरा हुआ नज़र आता है जब हम महालेखाकार की रिपोर्ट में यह पढ़ते हैं कि मार्च 2020 तक सरकारी विभागों को जारी 3,644 जांच रिपोर्टों में 17,119 ऑडिट पैरे दिए गये जिनमें 24,383 करोड़ 73 लाख रुपयों की अनियमितताएं इंगित की गई थी मगर उनका जवाब नहीं मिला। जवाब आने में सबसे बड़ी कोताही सार्वजनिक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी बरतता है। मगर विभागों के प्रमुखों से कौन पूछे कि वे क्यों इतनी अकुशलता से काम करते हैं? यह जानकारी भी यही रिपोर्ट देती है कि प्रत्येक विभाग में एक ऑडिट कमेटी बनी हुई है। कम से काम चार ऐसे विभाग भी हैं जहां 2019–20 में उनकी ऑडिट कमेटियों की एक भी बैठक नहीं हुई जो नियमानुसार होनी चाहिए थी। आर्थिक हालात का एक और संकेतक सकल घरेलू उत्पाद होता है जो बताता है कि देश का यह सबसे बड़ा राज्य सातवें नंबर पर है। इसे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में बदलें तो हालत और भी बुरी नज़र आती है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में राजस्थान देश के राज्यों में 23वें नंबर पर है। दुर्भाग्य से आमजन इन गुत्थियों को नहीं समझता और उनके निर्वाचित प्रतिनिधि उन्हें समझना नहीं चाहते।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

सचिन पायलट को बगावत करने के लिये मजबूर कर रहा है आलाकमान?

रामगोपाल जाट

राजस्थान कांग्रेस की सरकार में 25 सितंबर को उठे सियासी तूफान के बाद जिन दो मंत्रियों और एक चैयरमेन को नोटिस दिया गया था, उनके खिलाफ कार्यवाही होने की संभावना नजर नहीं आ रही है। तीनों ही लोग अशोक गहलोत के खास हैं, और कहा जाता है कि आलाकमान के खिलाफ बगावत करने का काम भी इन्होंने गहलोत के आर्शीवाद से ही किया था। अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी से मुलाकात कर उस घटना पर माफी मांग चुके हैं और उनके खिलाफ कार्यवाही नहीं करना उसी दिन तय हो गया था, तब गहलोत ने सोनिया गांधी से मिलकर पूरे घटनाक्रम पर माफी मांग ली थी।

उस घटना के बाद एक बार लगा था कि गहलोत के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही हो सकती है, लेकिन उन्होंने सोनिया गांधी से मिलकर पूरे मामले को ना केवल समझाया, बल्कि मंत्रियों की बगावत को भी अपने ऊपर लेते हुये मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। पिछले दिनों सचिन पायलट ने जयपुर में मंत्री प्रताप सिंह खाचरिवास से मुलाकात की थी, तब भी यह दिखाने का प्रयास किया गया कि शायद कांग्रेस आलाकमान अब राज्य में नेतृत्व परिवर्तन करने जा रहा है, लेकिन मौजूदा हालात में ऐसा कुछ भी होता हुआ नजर नहीं आ रहा है, बल्कि अब यह चर्चा जोर पकड़ने लगी है कि सचिन पायलट का मुख्मयंत्री बनने का सपना शायद इस बार भी पूरा नहीं होगा, क्योंकि अशोक गहलोत जिस आत्मविश्वास से आलाकमान के आदेश के बाद भी खुलकर बयानबाजी कर रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि उनको कुर्सी जाने का अब कोई खतरा नहीं लग रहा है।

कांग्रेस आलाकमान द्वारा विधायकों और मंत्रियों को अपना मुंह बंद रखने की सलाह के बाद भी ओसियां से कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा काफी आक्रामक हैं, वह ट्वीटर के जरिये लगातार शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ पर कार्यवाही करने की मांग कर रही हैं। इससे पहले वह मीडिया के सामने आकर भी खुलेआम इन लोगों के खिलाफ बयानबाजी चुकी हैं। विधायक मदेरणा के अलावा कोई भी विधायक या मंत्री बोलने को तैयार नहीं हैं। सचिन पायलट कैंप की चुप्पी ने यह साबित कर दिया है कि अब कांग्रेस आलाकमान के निर्णय के बाद कोई बड़ा तूफान आने की संभावना है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी की ओर कोई आदेश नहीं दिया गया है, जिसके कारण इंतजार किया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही कोई रास्ता निकाला जा सकता है। जबकि हकीकत यह है कि अध्यक्ष के सबसे तगड़े दावेदार मल्लिकार्जुन खड़गे किसी भी सूरत में गांधी परिवार के निर्देशों की अवहेलना नहीं कर सकते हैं। जिससे यह भी चर्चा शुरू हो गई है कि अध्यक्ष का चुनाव और गांधी परिवार से अध्यक्ष नहीं बनाना केवल कागजी कार्यवाही से अधिक कुछ भी नहीं है। यदि खड़गे अपनी मर्जी से कोई काम नहीं कर सकते, तो फिर साफ है कि वह केवल डमी अध्यक्ष हैं और पार्टी में कुछ भी बड़ा परिवर्तन नहीं होने वाला है।

वैसे भी सोनिया गांधी तो अशोक गहलोत के ही पक्ष में मानी जाती हैं, यदि खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद भी उनकी ही चलती रही तो तय है कि अशोक गहलोत अपना पांच साल का कार्यकाल आराम से पूरा करेंगे। हालांकि, सवाल यह उठता है कि क्या सचिन पायलट ऐसा होने देंगे? यदि सचिन पायलट इस कार्यकाल में मुख्यमंत्री नहीं बने तो कम से कम 6 साल इंतजार करना होगा। उसके बाद भी इस बात की कोई गांरटी नहीं है कि कांग्रेस की सत्ता लौट आयेगी और वही मुख्यमंत्री बनाये जायेंगे। सवाल यह भी है कि क्या सचिन पायलट जो इसी कार्यकाल में मुख्यमंत्री बनने की मेहनत कर रहे हैं, वह कितना धैर्य रख पायेंगे?

संख्या के समीकरण की बात की जाये तो अशोक गहलोत जहां खुद के साथ 102 विधायकों का दावा कर रहे हैं, वहीं सचिन पायलट कैंप में भी 20 से अधिक विधायक हैं, जबकि 3 आरएलपी, 2 बीटीपी, 2 सीपीएम के विधायक हैं, इसी तरह से 13 निर्दलीय विधायक हैं, जिनको अशोक गहलोत खुद अपने खेमे में ही गिनाते रहते हैं। असल बात यह है कि दिव्या मदेरणा, राजेंद्र गुढ़ा, खिलाडीलाल बैरवा, गिर्राज मल्लिंगा, गंगादेवी, इंदिरा मीणा जैसे कई विधायक खुद को आलाकमान के साथ होने का दावा कर चुके हैं, तो फिर अशोक गहलोत कैंप में 102 का दावा कैसे किया जा सकता है? खाचरिवास का कहना है कि 82 विधायकों ने इस्तीफा दिया था, जबकि असल संख्या अभी तक भी सामने नहीं आई है।

सवाल यह भी उठता है कि जब इतने विधायक इस्तीफा दे चुके हैं, तो फिर विधानसभाध्यक्ष सीपी जोशी ने इनके इस्तीफे स्वीकार क्यों नहीं किये? क्या इस्तीफा देना केवल नाटक मंडली के खेल से अधिक कुछ नहीं था? क्या विधायकों के इस्तीफे जबरन लिये गये थे ? क्या संविधान के अनुसार किसी विधायक से कोई नेता, मुख्यमंत्री या विधानसभाध्यक्ष जबरन इस्तीफा ले सकते हैं? संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, फिर दबाव बनाकर इस्तीफा साइन करवाना और उनको स्वीकार नहीं करना क्या कहलाता है ? बात यह है कि यह पूरा राजनीतिक दबाव बनाने का ड्रामा था, जिसके रचियता खुद अशोक गहलोत ही माने जाते हैं।

राजस्थान में अगले कुछ दिनों में नया सियासी ड्रामा होने की संभावना नहीं है, लेकिन 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के बाद फिर से कुछ घटनाक्रम होने उम्मीद लगाई जा रही है। उससे पहले सवाल यह खड़ा होता है कि क्या सचिन पायलट इस बार भी अशोक गहलोत के सामने मात खा गये हैं? क्योंकि यदि सीएम का चेहरा नहीं बदला तो सचिन पायलट का कांग्रेस में दम घुटने लगेगा, जो ना तो उनको और ना ही उनके समर्थक विधायकों को पसंद है। हालांकि, कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी के फैसले का इंतजार करते करते सचिन पायलट करीब 27 महीनों का समय निकाल चुके हैं और यदि अब भी उन्होंने अपनी ताकत नहीं दिखाई तो बचे हुये 15 महीनें भी यूं ही निकल जायेंगे, जिसके बाद राज्य में सत्ता रिपीट होना तो दूर की बात है, कांग्रेस की हालात 2013 के चुनाव से भी अधिक बुरी होती हुई दिखाई दे रही है।

इसका अर्थ यह लगाया जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान पहली बात तो अशोक गहलोत के खिलाफ एक्शन लेने की हालात में नहीं है, दूसरी बात इस तरह से सचिन पायलट को सत्ता से दूर रखकर उनको बगावत करने को मजबूर कर रहा है। वैसे भी कांग्रेस के पास देश में सचिन पायलट जैसा दूसरा नेता नहीं बचा है, जो अपने दम पर देश के सभी राज्यों में भीड़ जुटाने पाने का कद रखता हो। खुद राहुल गांधी और अशोक गहलोत को भी राजस्थान में भीड़ के लिये सचिन पायलट का सहारा लेना पड़ता है। सचिन पायलट की इस ताकत को कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी जितना जल्दी समझ जायेंगे, उतना ही कांग्रेस का भला होगा, अन्यथा अशोक गहलोत के दम पर सत्ता रिपीट करने का सपना हमेशा के लिये सपना ही रह जायेगा।

रामगोपाल जाट,
वरिष्ठ पत्रकार

'ईआरसीपी को मूर्त रूप देने का काम केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय का'

रामपाल जाट

रूपारेल नदी, अलवर एवं भरतपुर जिलों में क्रमश: 40 एवं 60 प्रतिशत का बहाव क्षेत्र रखती है। वर्ष 1910 में अलवर एवं भरतपुर राज्यों के मध्य समझौते के अनुसार जयसमंद बांध तैयार हुआ। गंगानगर में गंग नहर आई, जयपुर में रामगढ़ एवं कालक जैसे बांध बने, इसी प्रकार राजस्थान में अनेक बांधों का निर्माण राजाओं के राज में हुआ, जिससे जनसामान्य लाभान्वित हुए। अमृत काल में इंदिरा गांधी नहर परियोजना के बाद राज्य की सबसे बड़ी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में सामंती सोच बाधा बनेगी यह कल्पनातीत होते हुए भी सच है।

राजस्थान राज्य में 2.02485 लाख हेक्टर नवीन सिंचित क्षेत्र बनने, 80,878 हेक्टर की पुरानी सिंचित भूमि को जीवन प्रदान करने, दिल्ली–मुंबई गलियारा सहित अन्य उद्योगों को पानी उपलब्ध कराने तथा 13 जिलों की 40 प्रतिशत जनसंख्या के कंठों की प्यास बुझाने के लिए पीने का मीठा पानी उपलब्ध कराने की परियोजना को केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय पलीता लगाने में जुटेगा विश्वास नहीं होता किंतु यह एक तथ्य है। यह भी तब, जब देश के प्रधानमंत्री इस परियोजना के संबंध में संवेदनशीलता के साथ सकारात्मकता से विचार करने का जयपुर, अजमेर एवं हिंडौन की जनसभाओ में राजस्थान की जनता को आश्वस्त किया था।

कैसे प्रकट हुई सामंती सोच :-

इस परियोजना को राज्य के 13 जिलो के लिए महत्वपूर्ण मानते हुए ही वर्ष 2018 में प्रसन्न मन से यह घोषणा की थी, उसे पूरा करने का काम संबंधित जल शक्ति मंत्रालय का है, जिसके द्वारा प्रभावी रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने से यह परियोजना आगे बढ़ती है, इस मंत्रालय को ही प्रधानमंत्री जी की इच्छा के अनुसार धरातल पर उतारकर मूर्त रूप देने के लिए काम करने दायित्व है, किंतु जल शक्ति मंत्रालय इसके विपरीत दिशा में काम कर रहा है। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के बीच नदियों के जल को लेकर कोई विवाद नहीं रहा न है, दोनों राज्यों में सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं। अन्तर्राजीय जल के संबंध में नियंत्रण मंडल नीति नियामक की सर्वोच्चता प्राप्त संस्था है। इन बैठकों की अध्यक्षता मुख्यमत्री के द्वारा ही की जाती है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ सम्बंधित विभागों के मंत्रियों सहित प्रमुख शासन सचिव स्तर के अधिकारियों की भागीदारी रहती है। इस बैठक के उपरांत 27 जून 2018 को भोपाल में चार अधिकारियों की बैठक में इस परियोजना को 50 के स्थान पर 75 प्रतिशत पानी की निर्भरता पर पुनरीक्षित करने का उल्लेख कर दिया गया। केंद्र का जल शक्ति मंत्रालय निरंतर राजस्थान राज्य को कोसने का काम कर रहा है। 4 जनवरी 2019 को समाचार पत्रों में प्रधानमन्त्री का वक्तव्य प्रकाशित हुआ था ...... केंद्र में यूपीए की सरकार थी तो राज्यों को आपस में पानी के बटवारे के लेकर झगडा कराती थी..... अब राज्यों में पानी को लेकर कोई झगडा नहीं है। इसी प्रकार मध्यप्रदेश के सिंचाई मंत्री तुलसी सिलावट ने भी अपने साक्षात्कार में पूर्वी राजस्थान नहर योजना में किसी भी प्रकार का विवाद होने से मना किया है। जिसका प्रकाशन भी समाचार पत्रों में 04 मई को हुआ था। इन्हें दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय का कदम किसी भी प्रकार उचित नहीं है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के स्थान पर अन्य विकल्प खोजने में लगा हुआ है। राजस्थान राज्य को डराने का भी प्रयास कर रहे हैं इसीलिए मध्यप्रदेश न्यायालय में चला जाएगा जिससे यह योजना अटक जाएगी, यदि मध्यप्रदेश ने राजस्थान की तरह 75 प्रतिशत के स्थान पर 50 प्रतिशत पानी की निर्भरता पर अपस्ट्रीम में परियोजना बना ली तो राजस्थान की परियोजनाओं को पानी प्राप्त नहीं होगा, केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने राजस्थान राज्य के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर इस परियोजना के सभी घटकों पर काम रोकने का आदेश भी प्रसारित किया है।

एक पत्र में जल शक्ति मंत्रालय की और से अंकित किया गया है कि 2005 की 13वी बैठक में मध्यप्रदेश की अनापत्ति के संबंध में उल्लेख है किन्तु पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में 50 प्रतिशत पानी की निर्भरता की सहमती के संबंध में कोई उल्लेख नही है। यह आश्चर्यमिश्रित रोचक तथ्य है, क्योकि इस परियोजना की चर्चा वर्ष 2014 के उपरांत आरम्भ हुई और केंदीय जल आयोग के निर्देशानुसार वर्ष हाईड्रोलोजी, फिजीबिलिटी एवं डी.पी.आर. वर्ष 2016–17 में तैयार की गई थी। इसके पूर्व इस नाम की परियोजना अस्तित्व में ही नही थी, फिर भी केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय वर्ष 2005 की बैठक में इस परियोजना में 50 प्रतिशत पानी की निर्भरता सम्बन्धी सहमती नही होने को आधार बना रहा है। यह एक मात्र आधार ही जल शक्ति मंत्रालय की छोटी एवं सामंती मानसिकता को प्रकट कर देता है।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा इस परियोजना को सिंचाई प्रधान परियोजना बनाने के लिए सार्थक पहल की जाती, जिससे 13 जिलों की भूमि को सिंचाई की सुविधा अधिक प्राप्त होती उन जिलो में सूखे पड़े बांध पानी से लबालब होते, भूमिगत जल स्तर में सुधार होता। इस परियोजना में अभी तक तो 49 प्रतिशत पानी, पीने के लिए, 8 प्रतिशत पानी दिल्ली–मुंबई गलियांरा सहित अन्य उद्योगों के लिए तथा शेष 43 प्रतिशत पानी सिंचाई के लिए रखा गया है। इस योजना के सिंचाई प्रधान होने पर 86 प्रतिशत पानी सिंचाई के लिए उपलब्ध हो जायेगा। इसे सिंचाई प्रधान बनाना इस लिए भी अधिक युक्तिसंगत है कि 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर को नल से जल की योजना ग्रामीण भारत के लिए तैयार की गई है। जिसमें 3.60 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित परिव्यय में से 2.06 लाख करोड़ रुपये केंद्र का अंशदान घोषित है। राजस्थान के लिए 18 जुलाई 2022 तक 27,332.84 करोड रुपये की राशि का आवंटन किया जा चुका है। इसलिए पीने के पानी के लिए अन्य किसी परियोजना की आवश्यकता नहीं रह जाती है।जल शक्ति मंत्रालय द्वारा इस परियोजना के संबंध में उदार मन से विचार किया जाता तो इस परियोजना के पंख लग जाते। इसका एक पक्ष यह भी है कि जल के संबंध में सभी प्रकार की परियोजनाएं बनाने की शक्ति संविधान ने राज्यों को दी हुई है। केंद्र सरकार राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर दे तो इस परियोजना की लागत में से 90 प्रतिशत तक की राशि केंद्र द्वारा दिए जाने का प्रावधान है, इससे यह परियोजना निर्धारित 7 वर्ष की अवधि के पहले ही पूर्ण होने की संभावना बन जाती है। इस परियोजना से राज्य में समृद्धि एवं खुशहाली आयेगी वही सरकारों के राजस्व में कई गुना बढोतरी हो जाएगी।

रामपाल जाट, राष्ट्रीय अध्यक्ष
किसान महापंचायत

मोरेल बांध में दिखाई दिया आर्कटिक क्षेत्र का प्रवासी पक्षी सेडरलिंग

पांच हजार किमी से भी ज्यादा यात्रा कर पहुंचा प्रवासी पक्षी सेडरलिंग।

समुद्री पक्षी है सेंडरलिंग

लालसोट, (निसं)। क्षेत्र के मोरेल बांध पर राजस्थान प्रदेश में पहली बार आर्केटिक क्षेत्र के प्रवासी पक्षी सेडरलिंग की मौजूदगी देखी गई है। प्रमुख पक्षिविद एसोसिएट प्रोफेसर एवं बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के स्टेट कोऑर्डिनेटर सुभाष पहाडिया ने बताया कि यह पक्षी सेडरलिंग आर्कटिक क्षेत्र से करीब पांच हजार किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा तय कर मोरेल बांध पहुंचा है। पहाड़ियां ने बताया कि यह आमतौर पर समुद्री पक्षियों की श्रेणी में गिना जाता है एवं अधिकतर समुद्री क्षेत्र में ही प्रवास करता है लेकिन एक छोटे से मोरेल बांध में इसका प्रवास करना पक्षी प्रेमियों के लिए कौतूहल का विषय एवं पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मोरेल बांध पर अब तक ग्रेटर फ्लैमिंगो राजहंस, समुद्री बाज सहित कई संकटग्रस्त श्रेणी के प्रवासी पक्षी भी प्रवास कर चुके हैं। मोरेल बांध पर वातावरण सुरक्षित होने के कारण कई लंबी दूरी तय कर आने वाले विभिन्न श्रेणी के प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी से मोरेल बांध प्रावासी पक्षियों का स्वर्ग बनता जा रहा है। पक्षी बांध के निचले भाग जहां पानी भरा हुआ है वहां करीब आधा दर्जन की संख्या में दिखाई दिए है। यह सैंडपाइपर प्रजाति का ही एक छोटा पक्षी है जो लगभग बीस से पच्चीस सेमी लंबा विंगस्पान पेतीस से चालीस सेमी और वजन पचास से साठ ग्राम होता है। यह पक्षी उत्तरी अमेरिका और आर्कटिक में प्रजनन करता है। सर्दियों में यह विश्व के कोस्टल भाग में प्रवास करता है।

उपेक्षित है स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों से जुड़ा वैर का शिलालेख

वैर, (निसं)। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के नाम का शिलालेख उपेक्षित पड़ा है। कस्वा वैर में स्थित ऐतिहासिक इमारत सफेद महल के सामने स्थित छोटे कुंड के बीचो बीच 11 अप्रैल 1976 को स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखकर इसकी स्थापना की गई थी। इस शिलालेख पर भावी पीढ़ी की जानकारी के लिए पंचायत समिति वैर के स्वतंत्रता संग्राम के शहीद व स्वतंत्रता सेनानी के नाम विधि विधान के साथ अंकित कराए गए थे। कुछ समय तक इस शिलालेख की देखभाल होती रही परंतु लंबे समय तक इसके रखरखाव के लिए किसी ने ध्यान नहीं दिया और यह शिलालेख आज तक उपेक्षित है।

इस शिलालेख पर 17 स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के नाम क्रमशः स्वर्गीय रमेश स्वामी , स्वर्गीय भगवत प्रसाद आर्य, स्वर्गीय रामजी लाल महासय, विद्या व्रत शास्त्री बल्लभगढ़, श्री द्वारका प्रसाद गुप्ता, रामस्वरूप बजाज, रघुवीर सिंह पांडे आदि अंकित हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 12 अक्टूबर, 2022

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, भरणी नक्षत्र सांय 5:10 तक, वज्र योग दिन 2:19 तक, वणिज करण दिन 1:45 तक, चन्द्रमा रात्रि 11:29 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–मेष, मंगल–वृष, बुध–कन्या, गुरू–मीन, शुक्र–कन्या, शनि–मकर, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज राजयोग सांय 5:10 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सांय 5:10 से सूर्यास्त तक है। भद्रा दिन 1:45 से रात्रि 2:00 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 10:45 से 12:13 तक, चर 3:06 से सांय 1:30 तक, लाभ 4:32 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 5:58

मेष
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी और संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु
व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
घर–परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

गलता गेट इलाके में वृद्धा के पैर काटकर चांदी के कड़े लूटने वाला बदमाश गिरफ्तार

आरोपी 3-4 साल पहले वृद्धा के घर में किराये पर रहता था, खुद का 4 लाख रु. कर्जा न चुका पाया तो हत्या और लूट की वारदात कर डाली

जयपुर के गलता गेट इलाके में 108 वर्षीय वृद्धा जमुना देवी के पैर के पंजे काटकर चांदी के कड़े लूटने वाले बदमाश प्रकाश प्रजापत (बायें से चौथे) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (क्राइम) अजय पाल लांबा ने मंगलवार को पत्रकारों से रूबरू होकर मामले का खुलासा किया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के गलता गेट इलाके में रविवार अलसुबह 108 वर्षीय वृद्धा जमुना देवी के पैर के पंजे काटकर चांदी के कड़े लूटने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित प्रकाश प्रजापत 3-4 साल पहले वृद्धा के मकान में ही किराए पर रहता था और तब से ही उसकी नजर इन चांदी के कड़ों पर थी। आरोपी खुद का कर्जा न उतार पाया तो उसने वृद्धा जमुना देवी की हत्या और लूट की साजिश रची। उधर सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती वृद्धा की मंगलवार दोपहर इलाज के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मौत हो गई।

- उधर अधिक खून बहने के कारण सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती वृद्धा जमुना देवी की मंगलवार को मौत हो गई
- आरोपी प्रकाश प्रजापत गलता गेट इलाके में वृद्धा के मकान के नजदीक ही रहता था, उसे घर और बाहर के सभी रास्ते मालूम थे, लेकिन वारदात के बाद भागते वक्त वह सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (क्राइम) अजय पाल लांबा ने बताया कि गलता इलाके में रविवार अलसुबह 108 वर्षीय वृद्ध महिला जमुना देवी के पैर काट कर चांदी के कड़े लूटने वाले प्रकाश प्रजापत (27) निवासी टोडा मीणा रायसर जिला जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से लूटे गए चांदी के कडे भी बरामद किए गए हैं। जो लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित जयपुर छोड़कर फरार हो गया था। जिसे ट्रेडिशनल पुलिसिंग और टेक्निकल इनपुट के आधार पर गिरफ्तार किया है।

डीसीपी उत्तर परिस देशमुख ने बताया कि कुछ साल पहले आरोपित प्रकाश प्रजापत बुजुर्ग महिला के मकान में किराए से रहता था और उसके बाद दूसरे मकान में किराए से रहने लगा। आरोपित अय्याशी और घूमने-फिरने का शौक़ीन है। इस कारण उस पर काफी कर्जा हो गया। कर्ज चुकाने के लिये उसे धन की अत्यंत आवश्यकता थी। चूंकि आरोपित पीड़िता के मकान में पहले किराए से रहा था तथा अब भी वह पास में किराए से रह रहा था, इसलिये वह जमुना देवी की शारीरिक-पारिवारिक स्थिति से पूरी तरह वाकिफ था। उसे यह भी मालूम था कि बुजुर्ग होने की वजह से पीड़िता खुद चल-फिर पाने में असमर्थ है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित प्रकाश प्रजापत का कुछ साल पहले उसका सड़क दुर्घटना में पैर टूट गया था और इलाज में चार लाख का खर्चा हुआ। इसके बाद वह इस कर्ज को चुका नहीं पा रहा था। आए दिन पैसे मांगने वाले उसके घर आते थे। इस पर उसने महिला को मारने का प्लान बनाया।

पुलिस को वारदात में सबसे पहला शक आस-पास के लोगों और परिजन पर गया था। महिला के मकान में 11 किरायेदार रहते हैं। पुलिस की जांच इन पर ही लगी हुई थी। वृद्धा के मकान में सब्जी बेचने वाले किरायेदार सुबह 4 बजे उठ जाते हैं, लेकिन रविवार के कारण उठे नहीं या फिर क्या कारण रहा। घर के चौक में सब्जी भी रखी थी। इसी आधार पर पुलिस ने वारदात के खुलासे के लिए के लिए वृद्धा के मकान में रहने वाले किरायेदारों से पूछताछ की। साथ ही ऐसे किरायेदार जो पूर्व में मकान में रह कर गए हैं, उनकी भी जानकारी जुटाई गई। इसके साथ ही वारदात स्थल से लेकर हाईवे पर लगे हुए हजारों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को पुलिस ने खंगाला। सैकड़ों संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। जब पुलिस पड़ताल करते हुए आरोपित प्रकाश प्रजापत के किराए के मकान पर पहुंची तो वह वहां नहीं मिला। ऐसे में पुलिस का शक उस पर गहरा हो गया और पुलिस की एक टीम उसके पीछे लगा दी गई।

आरोपित प्रकाश प्रजापत इसी कॉलोनी में कई सालों तक वृद्धा के यहां किराए रहा था। उसे घर में घुसने और घर से बाहर निकलने के वह तमाम रास्ते पता थे। जहां पर किसी की भी नजर नहीं जाती। यही कारण रहा कि उसने वारदात की और मौके से निकल गया। एक जगह कंस्ट्रक्शन होने के कारण वह दूसरे रास्ते से निकला। इससे वह सीसीटीवी की कैद में आ गया। पुलिस को वहीं से लीड मिली और उसके बाद पुलिस आरोपी प्रकाश प्रजापत तक पहुंची।

लूट का खुलासा करने वाले कांस्टेबल को प्रमोशन

जयपुर (कासं)। गंगापोल गेट स्थित मीणा कॉलोनी में 108 वर्षीय जमुना देवी के पैर काटकर चांदी के कड़े लूटने वाले बदमाश को ढूंढने वाले कांस्टेबल प्रधान को प्रमोशन मिला है। हजारों लोगों की भीड़ में अपराधी को पहचान करके वारदात का खुलासा करने पर उसे यह पदोन्नति मिली है।

पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने बताया कि बुजुर्ग महिला भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में रहती थी और यहां पर इस तरह की वारदात होना गंभीर मामला है। लेकिन लोगों की आवाजाही में सबसे पहले आरोपी की पहचान कांस्टेबल प्रधान ने की। इस पर पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर ने कांस्टेबल प्रधान को गैलेंट्री प्रमोशन देने की घोषणा की है।

कांस्टेबल प्रधान

राजस्थान में 32 नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार को कोरोना संक्रमण के 32 नए मामले सामने आए हैं। वहीं 31 रोगी ठीक हुए हैं। राज्य में फिलहाल 274 एक्टिव केस मौजूद है।

प्रदेश में मंगलवार को 12 जिलों में 32 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को इनकी संख्या 21 रही थी। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 8 नए संक्रमित कोटा में मिले हैं। इसके अलावा जयपुर में 5, अलवर में 4, चित्तौड़गढ़ में 3, बारां, राजसमंद, सीकर व उदयपुर में 2-2 तथा पाली, जोधपुर, बीकानेर और भरतपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 8713 जांचें की गई।

- मंगलवार को कोटा में 8 और जयपुर में 5 नए मरीज सामने आए हैं।

प्रदेश में मंगलवार को एक बार फिर रिकवरी में कमी आई है। इस दौरान 31 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 274 हो गए हैं। हालांकि जयपुर में 13 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 54 रह गए हैं। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में कोरोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9644 लोगों की मौत हो चुकी है। जयपुर में मंगलवार को 5 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें बापू नगर, बरकत नगर, जगतपुरा, जौहरी बाजार और शाहपुरा में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

तेजी से कृषि कनेक्शन जारी करने के निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक अजीत कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में मंगलवार 11 अक्टूबर को विद्युत भवन के कान्फ्रेंस हॉल में निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न कार्यों तथा योजनाओं की चालू वित्त वर्ष में सितम्बर माह तक हुई प्रगति की सर्किलवार विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में निदेशक वित्त, मुख्य लेखा नियंत्रक, अतिरिक्त मुख्य अधीक्षक सतर्कता, संभागीय मुख्य अभियन्ता सहित निगम क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले सभी 12 जिलों के अधीक्षण अभियन्ता व लेखाधिकारी उपस्थित रहे।

सक्सेना ने मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसार कृषि कनेक्शन देने के कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी सर्किल अधीक्षण अभियन्ता को कनेक्शन जारी करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि निर्धारित समयावधि में लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इसके लिए आवश्यक सामान की पर्याप्त उपलब्धता है। इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि रबी सीजन में कृषि कार्य हेतु किसानों को निर्धारित ब्लॉक के अनुसार बिना व्यवधान के बिजली आपूर्ति किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

जेएलएफ में 250 से ज्यादा वक्ता भाग लेंगे

जयपुर, (का.सं.)। दुनिया का सबसे बड़ा साहित्यिक उत्सव, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल एक बार फिर से गुलाबी नगरी में दस्तक देने वाला है। जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में, 19-23 जनवरी 2023 को आयोजित होने वाले उस फेस्टिवल में साहित्य, किताबों और विचारों की धूम रहेगी।

अपने 16वें संस्करण में यह आइकोनिक फेस्टिवल दुनिया भर के श्रेष्ठ वक्ताओं के साथ विभिन्न विचारों, मतों, संगीत, कला, व्यंजन और कारीगरी की अनुपम छटा प्रस्तुत करेगा। फेस्टिवल में 5 वेन्यू और 250 से ज्यादा वक्ताओं के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओँ और अनेकों विदेशी भाषाओँ का प्रतिनिधित्व किया जायेगा। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी ये फेस्टिवल अपने अनोखे प्रोग्राम से सुसज्जित है, जिसमें कथा, कथेतर, व्यंजन, इतिहास, करंट अफेयर्स तक के विशेषज्ञ शामिल रहेंगे।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम तानिया मक्कड़ (Tanya Makkar) से बदलकर नवनीत कौर (Navneet Kaur) पुत्री श्री सतपाल सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। पता-म.नं.56 बर्मीज कालोनी, नियर सेठी कालोनी, जवाहर नगर, जयपुर (राज.)

मैंने अपना नाम कमल कुमार से बदलकर कमल लालवानी रख लिया है। भविष्य में मुझे कमल लालवानी पुत्र प्रेम प्रकाश लालवानी के नाम से जाना जावे। पता-मकान नं.60, हीरा नगर, डीसीएम, अजमेर रोड, जयपुर (राज.)

मैं महेश कुमार पुत्र श्री भुगडा मल पता-172, सिन्धी कॉलोनी, राजापार्क आदर्श नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम महेश पंजवानी से बदलकर महेश कुमार रख लिया है। भविष्य में मुझे महेश कुमार के नाम से जाना जाये।

I JC No 384138W Rank Sub Patil Vishwanath Shivaji S/o Shivaji hanumant Patil R/o Bache Gali, Near Maruti Mandir, Tasgoan Sangli, Maharastra 416312 Declare that I have changed my Son's Name (in my service record) from Ishan (DOB-02-03-2011) to Ishan vishwanath patil vide affidavit dated 20-09-2022.

I JC No 384138W Rank Sub Patil Vishwanath Shivaji S/o Shivaji hanumant Patil R/o Bache Gali, Near Maruti Mandir, Tasgoan Sangli, Maharastra 416312 Declare that I have changed my Daughter's Name (in my service record) from Gargi (DOB-30-04-2014) to Gargi vishwanath patil vide affidavit dated 20.09.2022.

कांग्रेस को सरकार में रहने का नैतिक अधिकार नहीं : अरूण सिंह

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर चले थे सियासी घटनाक्रम पर प्रदेश भाजपा के प्रभारी अरुण सिंह ने भी हमला बोला है। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा विधायक और मंत्रियों के सामूहिक इस्तीफे के बाद गहलोत सरकार को नैतिकता के आधार पर सरकार में रहने का हक नहीं है। अरुण सिंह ने आज भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जब मंत्रियों-विधायकों का सामूहिक इस्तीफा हो जाता है तो फिर सरकार का अस्तित्व नहीं रहता है। विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी को भी मंत्री और विधायकों के इस्तीफे स्वीकार करने चाहिए, अरुण सिंह ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि इस्तीफा देने के बाद आखिर किस अधिकार से मंत्री और विधायक सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं। यह राजस्थान की जनता के साथ बहुत बड़ा धोखा है और आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता इन्हें सबक सिखाएगी।

- ‘विधानसभा स्पीकर सी.पी.जोशी को इस्तीफे करने चाहिए स्वीकार’

अरुण सिंह ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हर काम में केवल दोषारोपण की राजनीति करते हैं और विपक्ष के नेताओं पर दोष मंढते हैं। उन्होंने 4 साल में दोषारोपण के अलावा और कोई काम नहीं किया। राजस्थान की जनता इनसे बहुत नाराज है और आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाएगी।

इधर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के 20 और 21 अक्टूबर को कोटा संभाग के दौरे को लेकर अरुण सिंह ने कहा कि उनका दौरा ऐतिहासिक होगा उनके दौरे को लेकर तैयारियां चल रही हैं। जेपी नड्डा के दौरे से पार्टी के कार्यकर्ताओं में भी नए जोश का संचार होगा और आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी का परचम लहराएगा।

श्रेया गुहा नैफ्सकॉब की निदेशक निर्वाचित

जयपुर, (का.सं.)। प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता श्रेया गुहा नेशनल फैडरेशन ऑफ स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (नैफ्सकॉब) का निदेशक निर्वाचित किया गया है। आईजोल, मिजोरम में सम्पन्न आमसभा में संचालक मण्डल के रिक्त पदों के लिए चुनाव में श्रेया गुहा, सहकारिता एवं प्रशासक, दि राजस्थान स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को सर्वसम्मति से संचालक (निदेशक) निर्वाचित की गई है। नैफ्सकॉब देश के सभी राज्यों के शीर्ष सहकारी बैंकों के प्रबंधन का राष्ट्रीय फोरम है।

नैफ्सकॉब देश के ग्रामीण सहकारी बैंकों से संबंधित विषयों में नाबार्ड, भारतीय रिजर्व बैंक एवं भारत सरकार के ध्यान में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आरसीए के चुनाव पर 18 अक्टूबर तक रोक जारी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरसीए चुनाव पर लगी अंतरिम रोक को 18 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में आरसीए को जवाब के लिए समय देते एक सप्ताह का समय दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश दौसा जिला क्रिकेट संघ व अन्य जिला संघों की याचिका पर दिए। वहीं मामले में हाईकोर्ट की ओर से पूर्व में मुख्य चुनाव अधिकारी रामलुभाया, प्रमुख खेल सचिव और सहकारिता रजिस्ट्रार सहित अन्य को नोटिस की तामील नहीं हुई है।

सुनवाई के दौरान आरसीए की ओर से कहा गया कि उन्हें याचिका पर विस्तृत जवाब पेश करना है। इसलिए उन्हें समय दिया जाए। इस पर अदालत ने आरसीए को जवाब के लिए 18 अक्टूबर तक का समय दिया है। वहीं अदालत के सामने आया कि अन्य पक्षकार को जारी नोटिस की तामील नहीं हुई है। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई टाल दी।

‘कार्यकर्ताओं का उत्साह देखकर मन भावुक हुआ’

जयपुर/झुंझुनूं। जयपुर से झुंझुनूं जाते समय केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कई स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। शेखावत ने कहा कि यात्रा के दौरान झुंझनूं में पार्टी के सिपाहियों का उत्साह देखकर मन में भावुकता उमड़ आई। सोशल मीडिया पर फोटो साझा करते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि इस स्वागत में औपचारिकता का निशान नहीं, पूर्णतया अपनापन मिला। शेखावत ने कहा कि सीकर सीमा के सरगोठ बॉर्डर पर, रींगस में तथा सीकर प्रवेश के पश्चात भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ता बंधुओं से मिला स्वागत दिल छू गया।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अब कांग्रेस आलाकमान की कार्यवाही का इंतजार, माफी मिलेगी या होंगे बाहर

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में 25 सितंबर को कांग्रेस आलाकमान की ओर से एक लाइन का प्रस्ताव पास करवाने के लिए बुलाई गई विधायक दल की बैठक का गहलोत गुट के विधायकों की ओर से बहिष्कार किया गया था। इसके साथ ही संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी, जिसके बाद कारण बताओ नोटिस का सामना कर रहे मुख्य सचेतक महेश जोशी ने कांग्रेस की अनुशासन समिति को नोटिस का जवाब भेज दिया है।

- समानांतर बैठक बुलाए जाने के मामले में महेश जोशी ने भी भेजा कारण बताओ नोटिस का जवाब, शांति धारीवाल और धर्मेंद्र राठौड़ पहले ही भेज चुके हैं अपने जवाब
- 25 सितंबर को आलाकमान की ओर से बुलाई गई विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर धारीवाल के निवास पर समानांतर बैठक बुलाने और विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफे देने का मामला

दरअसल राजस्थान में 25 सितंबर को मुख्यमंत्री निवास पर कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। विधायक दल का नेता चुने जाने को लेकर प्रभारी अजय माकन और पार्टी पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे सभी विधायकों से बात करने आए थे,लेकिन इस बैठक का बहिष्कार कर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी और इस बैठक में आलाकमान के खिलाफ बयानबाजी की गई थी, जिसके वीडियो भी वायरल हुए थे। इस बैठक के बाद समानांतर बैठक में मौजूद मंत्री, विधायक विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी को अपना इस्तीफा सौंपने गए थे।

इस मामले में कांग्रेस आलाकमान की ओर से 27 अक्टूबर को मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचेतक महेश जोशी और आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। यह नोटिस पर्यवेक्षक बन कर आए अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे की रिपोर्ट के आधार पर अनुशासन समिति के सदस्य तारिक अनवर की ओर से जारी किए गए थे। मंत्री शांति धारीवाल और धर्मेंद्र राठौड़ को तो नोटिस तय समय पर मिल गए थे, इसके चलते उन्होंने 6 सितंबर से पहले ही अपना जवाब भेज दिया था। मुख्य सचेतक और मंत्री महेश जोशी को कारण बताओ नोटिस 6 अक्टूबर को मिला था। ऐसे में उनके पास जवाब देने के लिए 15 अक्टूबर तक का समय था, लेकिन महेश जोशी ने अपना जवाब नोटिस मिलने के 5 दिनों में ही 10 अक्टूबर को कांग्रेस अनुशासन समिति को भिजवा दिया है।

जोशी ने नोटिस में क्या जवाब दिया है,यह तो साफ नहीं है, लेकिन कहा जा रहा है कि महेश जोशी ने अपने नोटिस के जवाब में विधायक दल की बैठक से पहले मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर हुई बैठक के लिए विधायकों को फोन करने से इनकार किया है। महेश जोशी को जो कारण बताओ नोटिस दिया गया था, उसका सबसे बड़ा कारण यही था कि महेश जोशी पर यह आरोप था कि उन्होंने मुख्य सचेतक होते हुए मुख्यमंत्री आवास पर होने वाली विधायक दल की बैठक के लिए तो फोन विधायकों को किए ही थे, उसके साथ ही मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर समानांतर बैठक में शाम 5 बजे शामिल होने के लिए फोन किए थे। दूसरी ओर महेश जोशी लगातार इन आरोपों से साफ इनकार करते रहे है और कहा है कि विधायक स्वेच्छा से मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर पहुंचे थे। इसके लिए विधायकों को किसी ने फोन नहीं किया था।

अब कांग्रेस आलाकमान को तीनों नेताओं के जवाब मिल चुके हैं। ऐसे में अब देखने वाली बात यह होगी कि पार्टी आलाकमान शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ की ओर से दिए गए जवाबों से संतुष्ट होता है या फिर आगे की कार्यवाही होती है। कहा यह भी जा रहा है कि 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव संपन्न होने के बाद में अब जो भी कार्यवाही होगी, वह नए अध्यक्ष के निर्देशन में ही होगी। ऐसे में सभी को 19 अक्टूबर का इंतजार है।

खोया पाया

भैरव गृ.नि.सह.समिति जयपुर की योजना जयकरणी नगर के भूखण्ड संख्या-132 का सोसायटी का पट्टा, साईट प्लान व रसीद गुम हो गया है सम्पर्क करें- रविकान्त गौड़, मो. 9783352036

आवश्यकता

कार्यालय माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर मंडावरी में

पद सफाई कर्मचारी 1 मानदेय-समिति द्वारा देय, चयन समय 13 अक्टूबर 2022, प्रातः 10 बजे, प्रधानाध्यापक, आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय परिसर मंडावरी तहसील लालसोट जिला दौसा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक फ्लेट नम्बर 403, 4th फ्लोर, प्लाट नम्बर 4 साउथ एण्ड 5, IN RAINBOW, सुरज नगर एक्सटेंशन, पांच्यावाला जयपुर में स्थित है, जिस पर मेरे पति स्व. रमेश यादव नें एचडीएफसी लिमिटेड से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त सम्पत्ति के समस्त असल दस्तावेज एचडीएफसी लिमिटेड में रहन (MORTGAGE) कर रखे है। यह कि मेरे पति स्व. रमेश यादव का दिनांक 7-8-2022 को स्वर्गवास हो चुका है तथा उकत फ्लेट के पेटे लिये ऋण की पूर्ण अदायगी एचडीएफसी लिमिटेड को की जा चुकी है, इसलिये अब मैं उक्त फ्लेट के असल दस्तावेजो को प्राप्त करना चाहती हूँ, इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो मय दस्तावेज प्रकाशन तिथि से सात दिवस की अवधि में एचडीएफसी लिमिटेड, जयपुर पिन. 302001 फोन नं. 0141-4140888 में सम्पर्क करें। सुचित रहे।
हंसा देवी यादव निवासी मेहता की ढाणी, बलेखण, चौमू (जयपुर) मो. नं. 9887273262

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत -तृतीय,
जे. एल. एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर 0141-4901853

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या 4 -स-19 जवाहर नगर, जयपुर क्षेत्रफल 217.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री जी0एन0 सिंह को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 9980 दिनांक 02/01/1984 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 11040 दिनांक 08/02/1984 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्तआवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 31/03/1990 को करवाया गया। श्री महेन्द्र सिंह की मृत्यु दिं. 07/02/2021 को हो जाने के कारण श्रीमती इन्दुबाला श्रीवास्तव पत्नी स्व. श्री महेन्द्र सिंह के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, वसीयतनामा एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अत: उक्त आवास/फ्लैट् के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्तअवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती इन्दुबाला श्रीवास्तव पत्नी स्व. श्री महेन्द्र सिंह के पक्ष में उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेंगी।
संपदा प्रबंधक
वृत तृतीय, राज. आ. मंडल
जयपुर

आम सूचना एतद् द्वारा सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स श्री सालासर ओवरसीज प्रा.लि. पता 15-बी, गोपालपुरा बाई पास रोड़, हीरा नगर, मानसरोवर, जयपुर द्वारा नारायण सिटी ब्लॉक सी योजना का भूखण्ड संख्या -171-बी क्षेत्रफल 216.88 वर्गगज, का अलॉटमेंट लेटर राम सिंह राठौड़/ ईचरज कँवर पुत्र/पुत्री/पत्नी स्व. श्री पृथ्वी सिंह राठौड़/राम सिंह राठौड़ निवासी-07, हरीदास नगर, गणेश कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर के नाम से जारी किया गया है। उक्त आबंटियों में से राम सिंह राठौड़ का स्वर्गवास दिनांक 31.3.2020 को हो गया है तथा उक्त स्व. श्री राम सिंह राठौड़ के स्थान पर उनकी पत्नी ईचरज कँवर ने स्वयं का नाम प्रतिस्थापन हेतु कम्पनी कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजात् के साथ आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः इस संबध में यदि किसी व्यक्ति, फर्म, संस्था,कम्पनी, वित्तीय संस्था,बैंक आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस की समयावधि में कम्पनी कार्यालय में सम्पर्क करे अन्यथा 15 दिवस के पश्चात उक्त आवेदनकर्ता ईचरज कँवर पत्नी स्व. श्री राम सिंह राठौड़ के नाम प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी। निदेशक-श्री सालासर ओवरसीज प्रा.लि.

रामनगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. (जयपुर)
क्रमांक-रा.गृ.नि.66/2022 दिनांक-11.10.2022
आम सूचना श्री अशोक कुमार माधोक पुत्र श्री अदिनाथ माधोक ने भुखण्ड सं.97-ए एरीया-37.00 वर्गगज समिति की योजना-श्याम सरोवर-ग्राम-वाटिका-तहसील सांगानेर जिला, जयपुर के मुल कागजात गुम हो जाने पर डुप्लीकेट कागजात प्राप्त करने हेतू समिति में आवेदन किया है। जिसकी गुम शुदगी की सूचना दिनांक 01.10.2022 के शिकायत संख्या 78780422201162 पुलिस थाना सांगानेर सदर जयपुर (दक्षिण) में दर्ज करा दिया गया है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो 7 दिवस में समिति कार्यालय में सम्पर्क करे अन्यथा बाद मियाद गुजर जाने पश्चात प्रार्थी को डुप्लीकेट कागजात जारी कर दिये जायेंगे। सुचित रहे।
मंत्री-रामनगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि.जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर महानगर द्वितीय
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 287/22
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम प्रार्थी-नाम 1. सोहन सिंह पुत्र स्व. श्री रघुवीर सिंह जाति जाट, 2. दिलीप सिंह पुत्र स्व. श्री रघुवीर सिंह, 3. मोहन सिंह पुत्र स्व. श्री रघुवीर सिंह जाट, 4. श्रीमती कोशल्या देवी पत्नी स्व. श्री रघुवीर सिंह विवाद स्थान निवासी गण म.न. 369, गली नम्बर 6, ऋषि गालव नगर, गलता गेट जयपुर
मृतक श्री रघुवीर सिंह की सम्पत्ति के विषय में
पेशी दिनांक- 31.10.2022
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम श्री रघुवीर सिंह पुत्र श्री चरण सिंह जाति जाट निवासी म.न. 369, गली नं. 6 ऋषि गालव नगर, गलता गेट जयपुर 302003 राजस्थान का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 31 माह 10 सन् 2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 07 माह 10 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर-द्वितीय

Form No.3 [See Regulation-15(1)(a)]/16(3)
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JAIPUR
First Floor, Sudharma-II, Lal Kothis Shopping Center, Tonk Road, Jaipur- 302015
Case No.:OA/188/2022
Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of tahe Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.
Exh. No.: 6552
YES BANK
VS
SURESH CHAND KHANDELWAL
To, (1) Smt. Asha Khandelwal W/o Shri Suresh Chand Khandelwal G-13/Glat No, 404, Signature Residency, Hathi Babu Marg, Bani Park, Jaipur Rajasthan, Also at Flat No. 404, Signature Residency, Hathi Babu Marg, Bani Park, Jaipur, Rajasthan
(2) Smt Harsha Khandelwal W/O Shri Ankit Khandelwal R/O G-13/Flat No. 404, Hathi Babu Marg, Bani Park, Jaipur, Rajasthan, Also at Flat No. 404, Signature Residency, Hathi Babu Marg, Bani park, Jaipur, Rajasthan
(3) M/s Percept Interiors A proprietorship Firm, having office at flat No. 404, Signature Residency, Hathi Babu Marg, Bani Park Through its proprietor Smt Asha Khandelwal, Jaipur Rajasthan
(4) FS Housing Pvt. Ltd., A Compnay Registered under provision of company Act 1956, having office at Plot No. A-4, Airport Enclave Scheme, Durgapura, Tonk Road, Jaipur, Rajasthan, also at A-4, Jawahar Circle, Sudarshan Enclave, Govind Vihar, Durgapura, Tonk Road, Jaipur, Rajasthan
SUMMONS
WHEREAS, OA/188/2022 was listed before Hon'ble Presiding Officer/Registrar on 27.09.2022. WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons/ notice on the said Application under section 19(4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of debts of Rs. 2,64,20,062/- (application along with copies of documents etc. annexed). In accordance with sub-section (4) of section 19 of the Act, you, the defendants are directed as under: (i) to show cause within thirty days of the service of summons as to wly relief prayed for should not be granted; (ii) to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application; (iii) you are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties; (iv) you shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and/ or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the Tribunal; (v) you shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before Registrar on 26.12.2022 at 10:30A.M. failing which the application shall be heard and decided in your absence. Given under my hand and seal of this Tribunal on this date:28.09.2022
Signature of the Officer Authorised to issue summons.
SEAL
REGISTRAR
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JAIPUR

सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के तीन आईसीयू पर ताले

150 करोड़ रुपये की लागत से बने एसएसबी में ऑपरेशन के लिए तीन महीने की वेटिंग

बीकानेर, (कासं)। डेढ़ सौ करोड़ की लागत से तैयार सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) में भर्ती मरीजों की तकलीफ कम होने की बजाय बढ़ रही है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने एसएसबी में ओपीडी के बाद आईपीडी की सेवाएं तो शुरू कर दी, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति नहीं की। एसएसबी में कुल पांच आईसीयू बने हैं, लेकिन संचालन केवल दो का ही हो रहा है। स्टाफ नहीं होने से तीन पर ताले लगे हैं। मरीजों को ऑपरेशन के लिए तीन महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है।

एसएसबी में पीडियाट्रिक सर्जरी और न्यूरो सर्जरी के आईसीयू ही संचालित हो रहे हैं। करीब एक महीने पहले यहां गैस्ट्रो सर्जरी शुरू की गई, लेकिन डॉक्टर की कमी के कारण मरीजों के ऑपरेशन टालने पड़ रहे हैं। जीआई सर्जरी के एक डॉक्टर और एक नर्सिंग स्टाफ के भरोसे ऑपरेशन थियेटर चल रहा है। जीआई सर्जरी के लिए सप्ताह में केवल एक दिन निर्धारित है।

लंबे अर्से बाद एसएसबी में जीआई सर्जन की नियुक्ति के बावजूद मरीजों को ऑपरेशन के लिए तीन-तीन महीने का इंतजार करना पड़ रहा है। ऑपरेशन की बढ़ती वेटिंग लिस्ट के कारण पिछले एक महीने में मरीजों को मजबूरन इलाज के लिए दूसरे जिलों का रुख करना पड़ा। असल में एसएसबी में आनन-फानन में गैस्ट्रो सर्जरी डिपार्टमेंट तो शुरू कर दिया,

- **बढ़ती वेटिंग लिस्ट के कारण मरीज दूसरे जिलों की ओर रुख कर रहे हैं**

लेकिन सीनियर डॉक्टर की मदद के लिए एक भी पीजी, जूनियर या सीनियर रेजिडेंट को नहीं लगाया। ऑपरेशन थियेटर और वार्ड में आठ नर्सिंग कर्मियों की जरूरत है, लेकिन वहां भी मात्र तीन नर्सिंग कर्मी लगे हैं।

डॉ.सुनील डांगी, गैस्ट्रोलॉजिस्ट का कहना है कि ऑपरेशन की वेटिंग लगातार बढ़ रही है। सप्ताह में एक दिन ऑपरेशन-डे है। ऐसे में एक माह में 4 ऑपरेशन ही कर सकूंगा। प्रिंसिपल और सुपरिटेंडेंट को बार-बार सहयोगी डॉक्टर और ऑपरेशन-डे बढ़ाने को कहा, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम निकल कर नहीं आ रहे।

डॉ. गिरीश प्रभाकर, सुपरिटेंडेंट एसएसबी का कहना है कि यह सही है कि एसएसबी में स्टाफ की कमी के कारण डॉक्टर्स को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसका असर मरीजों पर भी पड़ रहा है। स्टाफ की पूर्ति के लिए राज्य सरकार और मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को अवगत करवा दिया है। स्टाफ मिलने पर बंद पड़े आईसीयू और ऑपरेशन थियेटर की संख्या को बढ़ाया जाएगा।

अवैध कॉम्प्लैक्सों के निर्माण से हो रहा राजस्व घाटा

चूरू, (कासं)। नगरपरिषद क्षेत्र चूरू में बहुमंजिला अवैध कॉम्पलेक्सों के निर्माण से राजस्थान सरकार को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

- **नगर परिषद क्षेत्र चूरू में अवैध निर्माण करने का मामला**

उल्लेखनीय है कि चूरू जिला मुख्यालय पर करोड़ों की लागत से व्यवसायिक कॉम्पलेक्सों का अवैध निर्माण धडल्ले से चल रहा है। सार्वजनिक धर्मशाला चैरिटेबल ट्रस्टों की जमीनों पर नगर परिषद प्रशासन मिलीभगत कर एवं सुविधा शुल्क लेकर अवैध निर्माण की आवासीय भवन की स्वीकृति देकर बहुमंजिला व्यवसायिक कॉम्पलेक्सों का निर्माण करवा रहा है। इस संबंध में जन जागरूकता संस्था के पदाधिकारियों ने चूरू में फैल रहे अवैध निर्माणों के जाल को रोकने के लिए आयुक्त व कलैक्टर को समय-समय पर कई बार ज्ञापन दे दिए हैं। शहर में चर्चा है कि चूरू नगर परिषद में कई वर्षों से एक ही स्थान पर बैठे कर्मचारियों की लग्जरी गाडियां संकेत देती हैं कि किस कदर नगर परिषद चूरू के कर्मचारी व नेता भ्रष्टाचार में शामिल हैं।

पांच लाख रुपये की रिश्वत लेते नगर पालिका खेडली ईओ ट्रैप

अलवर, (निसं)। ईओ किंगपाल सिंह को एसीबी ने अलवर में 5 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। धौलपुर में उनकी नगर परिषद के पास शानदार कोठी है, जहां भी छापे की कार्रवाई की गई। ईओ ने पालिका क्षेत्र में अवैध रूप से बनाई गई दुकानों को नहीं तोड़ने के एवज में रिश्वत मांगी थी। एसीबी की टीम ने ट्रैप की कार्रवाई की। खास बात यह है कि परिवादी की पुत्रवधु भी नगर पालिका में पार्षद हैं। वैध पट्टाशुदा जमीन पर बने निर्माण को तोडने की धमकी देकर रिश्वत मांगी थी।

- **अवैध दुकानों को नहीं तोड़ने की एवज में रिश्वत मांगी थी**

इस ट्रैप की कार्रवाई के दौरान नगर पालिका के पार्षद व नेता प्रतिपक्ष राजकुमार जैन ने कहा कि पालिका ईओ का भ्रष्टाचार चरम पर था। दुकानों को नहीं तोड़ने के एवज में रिश्वत मांगी थी। पालिका के सबसे बडे अफसर को एसीबी ने पकड़ा है जो पालिका में रावण की तरह बैठे हैं। अब इस रावण का अंत हुआ है। जिससे जनता का भला होगा।

ईओ किंगपाल सिंह जाट ने खेरली में जगदीश ठेकेदार की पट्टाशुदा व वैध जमीन पर बने निर्माण मय दुकानों को तोड़ने की धमकी देकर रिश्वत मांगी थी। धमकी दी थी कि 11 अक्टूबर की सुबह दुकानों पर बुलडोजर चला देंगे। इसकी शिकायत एसीबी को देने के बाद ईओ किंगपाल सिंह जाट को एसीबी ने ट्रैप कर लिया। ईओ धौलपुर का रहने वाले हैं। धौलपुर में ईओ किंगपाल सिंह की आलीशान कोठी है। एसीबी ने अलवर में उन्हें 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। अधिशासी अधिकारी के धौलपुर गौरव पथ पर बने मकान पर एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धौलपुर सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में सुबह से छापामार कार्रवाई चल रही है। कार्रवाई के दौरान मेन गेट को बंद कर दिया गया। जहां घर में मौजूद लोगों से एसीबी की टीम पूछताछ कर रही है।

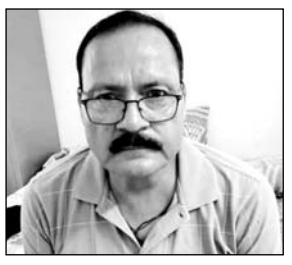

आरोपी ईओ किंगपाल सिंह

In The High Court of Judicature for Rajasthan at Jaipur

S.B. Civil Writ Petition No. _____/2022

Any one Vs. State Bank of India

Application under Rule 159 of Rajasthan High Court Rules for entering into CAVEAT

May it please Your Lordships

Your Lordship's humble applicant wants to enter into caveat under Rule 159 of the Rajasthan High Court Rules and let nothing be done till the applicants are heard in the matter. The particulars of the writ which is likely to be filed are given below:

The writ may be filed by the following persons:-

1) Anyone

That the writ is likely to be filed against- State Bank of India, through its Assistant General Manager, HR Department, Local Head Office, Jaipur

That the S.B./D.B. writ petition is to be filed challenging recruitment of Armed Guards in SBI.

That Vakalatnama on behalf of AGM, HR Department, SBI, LHO, Jaipur is submitted herewith. It is therefore, humbly prayed that nothing be done in the case till the applicants are heard.

Humble Applicant
Through Counsel
(Anita Aggarwal / Laxmikant), Advocates

राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने हाड़ौती दौरे पर कोटा में पूर्व मंत्री और वर्तमान में कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक भरत सिंह से उनके निवास पर जाकर मुलाकात की। इन दिनों सचिन पायलट कांग्रेस के विधायकों से मुलाकात का क्रम जारी रखे हुए हैं।

बालिका का अपहरण

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के भितरी क्षेत्र के एक हिस्से से सोमवार दोपहर 3 बजे बाद एक काली वेन में सवार होकर आये चार अज्ञात बदमाशों ने एक छोटी बालिका को अगवा कर लिया, लेकिन अपहरणकर्ता शहर के दूसरे क्षेत्र में जैसे ही रूके और गाडी से नीचे उतर गये। बालिका ने सुझबूझ व हिम्मत दिखाते हुए पीछे की डिक्की को खोलकर उनके चंगुल से आजाद होकर भाग गई। बालिका कुछ लोगों की मदद से देर शाम तक अपने घर पहुंच गई। घटनाक्रम के अनुसार सहेली को पुस्तक देने जा रही बालिका को वेन में सवार होकर आये युवको ने पहले उसे सीट पर पकड कर बैठा लिया। और उसके बाद पीछे के हिस्से में डाल दिया। वह उसे घुमाते हुए कही ले जाने की बात कर रहे थे। इस दौरान बालिका ने हिम्मत जुटा कर पीछे की डिक्की का दरवाजा खोलकर वहां से भाग छूटी। बालिका के जाने का मार्ग भी एक सीसीटीवी कैमरे में फुटेज मिला। हालांकि अपहरकर्ताओ की गाडी का पता नहीं चला पाया है।

अग्निवीर भर्ती रैली 29 सितंबर से 14 अक्टूबर तक

जयपुर, (कासं)। जयपुर और सीकर जिलों के लिए अग्निवीर भर्ती रैली भर्ती कार्यालय (मुख्यालय) जयपुर द्वारा 29 सितंबर से 14 अक्टूबर 2022 तक आयोजित की जा रही है। मीडिया के कुछ वर्गों में यह बताया गया है कि कोटपुतली तहसील को कोटपुतली और पावटा तहसीलों में चित्रित करने के कारण, नई पावटा तहसील के अभ्यर्थियों ने कोटपुतली तहसील के तहत पंजीकरण कराया था, लेकिन उन्होंने पावटा तहसील का अधिवास प्राप्त किया और कोटपुतली तहसील के लिए निर्धारित दिन रैली में भाग नहीं ले सके।

नागरिक प्रशासन ने अधिसूचित किया है कि परिसीमन 2019 से प्रभावी हो गया है। तदनुसार, इस तरह के परिसीमन के प्रभावी होने के तीन साल बाद उम्मीदवारों से सही तहसील के तहत पंजीकरण करने की उम्मीद की जाती है। तथापि, पावटा तहसील के एकमुश्त उपाय के रूप में, जिन्होंने कोटपुतली तहसील के दिन रिपोर्ट किया था और रैली में भाग नहीं लिया था, उन्हें 13 अक्टूबर 2022 को रैली में उपस्थित होने का अवसर दिया जाएगा। ऐसे उम्मीदवार एडमिट कार्ड ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट से डाउनलोड करें।

- **जयपुर और सीकर जिले के लिए की तिथियों की घोषण**
- **पावटा तहसील के आवेदनकर्ताओं के लिए सेना भर्ती रैली 13 अक्टूबर को**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वा. विभाग वृत-करौली

PH.No.-07464-250327 Emial-secircle.kar.hped@Rajasthan.gov.in

बोली आमंत्रित करने की सूचना (एनआईटी संख्या 19-21-2022-23)

ब्लॉक करौली, ब्लॉक मण्डरॉयल एवं ब्लॉक सपोटरा में 125 एमएम.व्यास हैण्डपम्प के निर्माण के लिए इच्छुक बोलीदाताओं के लिए दिनांक 17-10-2022 शाम 06.00 बजे तक बोली आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण ऑनलाइन वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा का अनुमानित मूल्य रूपये 147.00 लाख।

NIB:-PHE2223A3748

UBN:-PHE2223WSOB07590, PHE2223WSOB07594, PHE2223WSOB07596

अधीक्षण अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी
विभाग वृत कारौली

DIPR/C/12963/2022

कायार्यलय प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं सदस्य सचिव राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर

क्रमांकःलेखा/निविदा/2022/4278 दिनांकः-30.09.2022

ई-निविदा सूचना संख्या 60/2022-23

राजकीय सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर में विभिन्न सामग्री/मानव संससाधन की आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो/गैर सरकारी कम्पनी/पंजीकृत ठेकेदार/पंजीकृत वाणिज्यक संस्थायें आदि से (द्विपक्रमी) ई-निविदा दिनांक 18.10.2022 को दोपहर 12ः00बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्ते कार्यालय के नोटिस बोर्ड राजकीय पोर्टल http://sppp.raj.nic.in अथवा www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त/स्थगित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को होगा।

UBN No. MHS2223SLOB03771, MHS2223GLRC03772

(डॉ. बी.एल.मीना)
प्रमुख चिकित्सा अधिकारी
सामान्य चिकित्सालय सवाईमाधोपुर

DIPR/C/12966/2022

Office of The Superintending Engineer, Water Resources Circle, Kota

No.:SE/WR/KOTA/e-N IB-05/2022-23/3183-216 DATE: 30.09.2022

e-NIT No.- 07 /2022-23

Bids for following work is invited from interested bidders from 06.10,2022 (9:30 Hr) to 17.10.2022 till 18:00 Hr. Other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.nic.in, www.dipr.rajasthan.gov.in & www.water.rajasthan.gov.in.

1. Repair and Renovation of seljer anicut Borabas
2. Repair and Renovation of Ramsagar Talav Rawatha
3. Repair and Renovation of Foot Talav

UBN No. 1. WRD2223WSOB01438, 2. WRD2223WSOB01439
3. WRD2223WSOB01440

NIB CODE : WRD2223A0389

Superintending Engineer
Water Resources Circle, Kota

DIPR/C/12905/2022

Rajasthan Foundation

Jaipur : Yojana Bhawan, Yudhishther Marg, C-Scheme, Jaipur-302005, Rajasthan (India), New Delhi : Room No. 210, 1st Floor, Bikaner House, Pandara Road, New Delhi-110011 (INDIA)

No. : RF.7 (120)/Social Media/2022/1684 Date :- 10/10/2022

CORRIGENDUM

EXTENSION IN DUE DATE OF NOTICE INVITING BIDS

The due date & time for various Bid Processing events of Bid for Social Media Operations Management (UBN No. RFO2223SLOB00007) for Rajasthan Foundation is hereby extended as following :-

Event	Previous Date	Extended Date
Submission of Original DDs/ Banker Cheque or Proof of Submission of Bid Fee, RISL Processing Fee and Bid Security Fee	End Date : 10.10.2022 till 2.00 PM	End Date : 17.10.2022 till 2.00 PM
Last Date and Time of submission of e-bid on eProcurement portal	End Date : 10.10.2022 till 2.00 PM	End Date : 17.10.2022 till 2.00 PM
Date of opening of technical bids	10.10.2022 at 3.00 PM	17.10.2022 at 3.00 PM

Originals DDs/Bankers Cheques of all these fees will be deposited physically in Rajasthan Foundation Jaipur Office before schedule last date & time.

Raj.Samwad/C/22/8887 Commissioner

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता एवं स्वाथ्य

राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर, मोरी चार बाग-भरतपुर 231001- (राज.)
eembbhnaratopur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in
Mob. 9602097030

क्रमांक/M&H/2022-23/2116 दिनांक 30/09/2022

निविदा सूचना संख्या-14/2022-23

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर/धौलपुर/करौली में रू. 383.50 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यो हेतु पंजीकृत संवदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http:rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB code MHS2223A2131 and UBN NO. is MHS2223WSOB0383; UNB is :MHS2223WSOB0384, UNB is :MHS2223WSOB0385 UNB is : MHS2223WSOB03786; UBN is MHS2223WSOB03787 UBN is: MHS2223WSOB03788 and UBN is :MHS2223WSOB03789.

(एल.के.अग्रवाल)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर

DIPR/C/12965/2022

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत करौली

क्रमांक 2304-2315 दिनांकः-30.07.2022

निविदा सूचना संख्या 04/2022-23

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से वृत करौली के अन्तर्गत खण्ड हिण्डौनसिटी एवं टोडाभीम में शेष कार्य रिन्यूवल ऑफ नॉन पेचेबल रोड अण्डार एसआरएफ के तहत 15 सड़क निर्माण कार्य (दोष निवारण अवधि 5 वर्ष सहित) के लिए उपर्युक्त/श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता हैं। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट www.epro.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक हैं।

NIB NO. UBN NO. पैकेज संख्या RJ-22-04/SRF/NP 5054/2017-18
UBN NO. पैकेज संख्या RJ-22-09/SRF/NP 5054/2017-18
UBN NO. PWD2223WSRC08766, PWD2223WSOB08729

(राजवीर सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत करौली

DIPR/C/12904/2022

रेजिडेंट चिकित्सकों का दो घंटे कार्य बहिष्कार जारी

अजमेर, (कास)। ऑल राजस्थान रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के आव्हान पर अजमेर संभाग के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के रेजिडेंट चिकित्सकों ने मंगलवार को चौथे दिन भी 2 घंटे कार्य बहिष्कार कर राज्य सरकार और अस्पताल प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की। राजस्थान रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डॉक्टर अभिषेक ने बताया कि अपनी 8 सूत्री मांगों को लेकर पिछले चार दिनों से 2 घंटे कार्य बहिष्कार कर रहे रेजिडेंट चिकित्सकों ने मंगलवार को चौथे दिन भी 2 घंटे कार्य बहिष्कार कर हड़ताल पर रहे।

डॉ. अभिषेक ने बताया कि राज्य सरकार से कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की जयपुर में वार्ता हुई जिसमें पांच मांगों पर सर्वसम्मति से सहमति बन गई है, लेकिन अभी भी तीन मांगों पर सहमति होना बाकी है, यदि उनकी बाकी तीन मांगों पर सरकार ने कोई सकारात्मक रुख नहीं अपनाया तो रेजीडेंट चिकित्सक आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन की योजना तैयार करके संपूर्ण हड़ताल पर शुरू कर देंगे। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2021 में रेजिडेंट व सरकार के बीच हुए समझौते का कोई निस्तारण नहीं हुआ है।

सेवारत और गैर सेवारत रेजिडेंट डॉक्टर्स के सर्विस ब्रांड को वैकल्पिक रखनेए कॉलेज के सभी विभागों में एमआर के पद सृजित करने, सर्जित पदों में 50 प्रतिशत गैर सेवारत व 50 प्रतिशत सेवारत डॉक्टर्स के लिए आरक्षित रखने की मांग है। इसके अलावा 2020 बैच के थीसिस पेपर, पोस्टर व प्लगरिसम में शिथिलता प्रदान करने, सहायक आचार्य की नियुक्ति की उम्र 46 साल करने सहित 8 सूत्री मांगे हैं। उन्होंने बताया कि बाकी पांच मांगों पर सहमति बनी है, लेकिन जो तीन मांगें हैं उनमें रेजिडेंट चिकित्सकों से जो पीजी कर रहे हैं, उनसे सर्विस बॉन्ड भरवाने की बाध्यता को समाप्त करने की मांग प्रमुख है। उन्होंने कहा कि रेजिडेंट चिकित्सक सुबह 9 से 11 बजे तक 2 घंटे का कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्राध्यापक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित

अजमेर, (कासं)। प्राध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2022 के तहत ग्रुप-ए की परीक्षा मंगलवार से शुरू हुई। जनरल अवेयरनेस एंड जनरल स्टडीज में 61.45, एग्रीकल्चर विषय में 54.31 तथा गणित विषय की परीक्षा में 62.81 प्रतिशत अभ्यर्थी हुए उपस्थित हुए।

आयोग सचिव ने बताया कि प्रथम दिवस सुबह 9 से 10.30 बजे जनरल अवेयरनेस एंड जनरल स्टडीज की परीक्षा में 110991 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। द्वितीय पारी में दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित एग्रीकल्चर विषय की परीक्षा के लिए 3180 अभ्यर्थियों को पंजीकृत किया गया था। इनमें से 1727 अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा में भाग लिया गया। इसी प्रकार गणित विषय की परीक्षा के लिए पंजीकृत 25337 अभ्यर्थियों में से 15914 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को 9 जिला मुख्यालयों पर सुबह 9 से 12 बजे तक 87 केंद्रों पर बायोलॉजी, 10 केंद्रो पर म्यूजिक तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक 88 केंद्रों पर कॉमर्स एवं 44 केंद्रों पर फिजिक्स विषय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

हनुमानगढ़ आगार के मुख्य प्रबंधक को सस्पेंड करने की मांग

हनुमानगढ़, (निसं)। पूर्व विधायक पवन दुग्गल ने रोडवेज के हनुमानगढ़ आगार के मुख्य प्रबंधक दीपक भोबिया पर फर्जीवाड़े से प्रमोशन हासिल करने सहित भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने हनुमानगढ़ आगार के मुख्य प्रबंधक दीपक भोबिया को सस्पेंड करने की मांग की। किसान नेता और पूर्व विधायक पवन दुग्गल ने आरोप लगाया कि उनका भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से विश्वास पूरी तरह उठ गया है। जितनी भी शिकायत की, किसी पर कार्रवाई नहीं हुई। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिलों के कई लोग ऐसे उदाहरण हैं जिन्होंने एसीबी की मदद की, लेकिन वे आज रोते घूम रहे हैं।

घड़साना में एडवोकेट विजय झोरड़ को पुलिस ने प्रताड़ित किया तो उन्होंने आत्महत्या कर ली। हनुमानगढ़ रोडवेज आगार के कई कर्मचारी मुख्य प्रबंधक दीपक भोबिया से प्रताड़ित हैं। मुख्य प्रबंधक भोबिया ने विकलागों और बुजुर्गों के पास में घोटाला किया। दीपक भोबिया ने खुद फर्जीवाड़ा कर प्रमोशन ले लिया। दुग्गल ने कहा कि रोडवेज कार्यालय में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए जिसकी अनुमति मुख्यालय से नहीं ली गई और कहां-कहां लगाए जाने हैं उसका नक्शा भी पास नहीं करवाया गया। मुख्य प्रबंधक ने खुद के कक्ष में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगवाए, क्योंकि वहां सबसे ज्यादा गलत काम किए जाते हैं। राजस्व कक्ष में भी सीसीटीवी कैमरे नहीं लगवाए गए जबकि वहां की सुरक्षा की सबसे ज्यादा जरूरत है। पूर्व विधायक का आरोप है कि दीपक भोबिया ने अपनी खास महिला कंडक्टर को तीसरे बच्चे पर मातृत्व अवकाश दिया और भुगतान भी दिया।

मुख्य प्रबंधक की ओर से कार्यालय की तीन महिला कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। इनमें बुजुर्ग महिला भी शामिल है। महिला कर्मचारी के परिवार पर खुलेआम हमला किया गया। इस मामले में एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है। दीपक भोबिया के लिए विजय छाबड़ा रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार हो चुका है। दीपक भोबिया ने अपने ससुर प्यारेलाल को बुकिंग दे रखी है। दोनों मिलकर रोडवेज को लूट रहे हैं। आगार में सीनियर कर्मचारी होने के बाद भी जूनियर तृतीय को प्रबंधक प्रशासन के पद पर लगाया है।

पात्रता जांच 1 से 4 नवंबर तक

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2021 के तहत पात्रता की जांच 1 नवंबर से 4 नवंबर 2022 तक की जाएगी। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि आयोग द्वारा इस परीक्षा के तहत 449 अभ्यर्थियों की विचारित सूची 30 सितंबर 2022 को जारी की गई थी। विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच के लिए काउंसलिंग आयोग कार्यालय में निर्धारित कार्यक्रमानुसार प्रातः एवं सायं सत्र में संपादित की जाएगी। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के बाद जारी की जाएगी। विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध दिशा-निर्देशानुसार विस्तृत आवेदन-पत्र तथा निर्धारित प्रपत्रों को भरना होगा। आवेदन-पत्र दो प्रतियों में समस्त प्रविष्टियां सहित भरकर संबंधित शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, जाति, मूल निवास एवं अन्य दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियों की एक-एक प्रति संलग्न कर मूल दस्तावेजों सहित काउंसलिंग लेटर में उल्लेखित तिथि एवं समय पर उपस्थित होना होगा।

कानोता में हुई लूट का खुलासा, तीन गिरफ्तार

वारदात में प्रयुक्त एक देशी कट्टा, दो कारतूस एवं कार बरामद

जयपुर, (निसं)। कानोता थाना इलाके में आठ अक्टूबर को थाना इलाके में स्थित राजकीय महाविद्यालय स्तरीय छात्रावास सामाजिक न्याय संकुल परिसर जामडोली जयपुर में पढ ने वाली छात्रा से कैम्बे गोल्फ रोड पर हुई लूटपाट की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उनके पास से वारदात में प्रयुक्त एक देशी कट्टा, दो कारतूस एवं कार बरामद की है। वही पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर जांच करने में जुट गई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) राजीव पचार ने जानकारी देते हुए बताया कि कानोता थाना इलाके में आठ अक्टूबर को थाना इलाके में स्थित कैम्बे गोल्फ रोड पर गर्ल्स होस्टल में रहने वाली लडकी के साथ हुई लूटपाट की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने सन्नी उर्फ सन्नी शर्मा (35),राहुल जाट (24) और दाऊ (24) को गिरफ्तार किया गया है और तीनों ही कुम्हेर जिला भरतपुर के रहने वाले है। आरोपित हथियार दिखाकर डरा धमकाकर राह चलती महिला से पर्स आदि छीन ले जाते है।

जामड़ौली में हॉस्टल छात्रा से छेड़छाड़ और मारपीट करने वाले आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

मुल्जिमान शराब पीने एवं नशे करने के आदि है जो नशे एवं मौजमस्ती के लिये सुनसान जगहों पर राह चलती महिलाओं एवं व्यक्तियों को हथियार दिखाकर मारपीट व डरा धमकाकर लूटपाट जैसी वारदातों को अंजाम देते हैं। अभियुक्तगण कार रखते है जिससे उन शक नहीं किया जा सके। अभियुक्त सन्नी द्वारा कार को 10-15 दिन पूर्व ही घटनाओं को अंजाम देने हेतु खरीदा गया है। अभियुक्तगणों से जयपुर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्राधिकार में हुई लूट की अन्य वारदाते खुलने की संभावना है।

नरमा कपास की तुलाई में काट से रोष, मंडी पर लगाया ताला

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर में नरमे की तुलाई में काट से परेशान किसानों ने कस्बे की कृषि उपज मंडी समिति के गेट पर ताला लगा दिया। इससे बिक्री के लिए न तो ट्रैक्टर ट्रॉलियां मंडी के अंदर आ सकी और न ही मंडी के अंदर आई ट्रॉलियों को बाहर जाने का रास्ता मिला। इन किसानों का कहना था कि मंडी में आने वाले नरमे की तुलाई में व्यापारी प्रति क्विंटल पर काट लगाते हैं। यह गलत है। इससे किसान को नुकसान हो रहा है। किसानों ने सुबह करीब ग्यारह बजे मंडी के गेट पर ताला लगाया जिसे दोपहर बाद चार बजे वार्ता के बाद खोला गया।

रायसिंहनगर की कृषि उपज मंडी समिति में इन दिनों नरमे (कॉटन) की आवक शुरू हो गई है। यहां जो किसान नरमा लाते हैं, उसे व्यापारी तुलवाने के बाद इस पर प्रति क्विंटल आधा किलो की कमी करके भुगतान करते हैं। इसके पीछे व्यापारियों का तर्क है कि नरमा पड़ा रहने पर सूखता है, अभी इसमें नमी होती है और वजन ज्यादा होता है।

इसके साथ ही किसानों का कहना था कि उनका नरमा व्यापारियों के पास लाने के बाद भी कई बार ढेरी में पड़ा रहता है। इससे यह सूख जाता है और उन्हें नुकसान होता है। उन्होंने नरमे को तुलाई करवाकर सीधे फैक्ट्री भिजवाने की मांग की। इससे पहले किसानों के मंडी गेट पर ताला लगाने की सूचना मिलने पर तहसीलदार नवीन गर्ग और कार्यवाहक मंडी सचिव डीएल कालवा मौके पर पहुंचे। इन लोगों ने किसानों से वार्ता शुरू की लेकिन चार घंटे तक चली पहले दौर की वार्ता में कोई नतीजा नहीं निकला। दूसरे दौर की वार्ता में शाम करीब चार बजे आश्वासन के बाद किसान माने और मंडी का गेट खोला।

- **व्यापारी प्रति क्विंटल की तुलाई में करते हैं आधा किलो की कमी**
- **व्यपारियों का तर्क है कि नरमा कपास पड़ा रहने पर सूखता है**

बॉयफ्रेंड ने जयपुर की युवती को दिल्ली ले जाकर गैंगरेप किया

नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर शादी की, बेहोशी की हालत में दुष्कर्म कर वीडियो बनाया

- मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी लगवाने के बहाने दिल्ली लेकर गया था आरोपी, फिर परिवार को जान से मारने की धमकी देकर युवती को बंधक बनाया, जहां अलग-अलग लोगों ने उससे दुष्कर्म किया
- युवती के परिजन उसे तलाशते हुए दिल्ली पहुंचे तो डर के कारण पीड़िता कुछ न बोल सकी, किसी तरह पिता छुड़वाकर जयपुर लाए, अब इस्तगासे के जरिये आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

जयपुर (कासं)। नौकरी दिलाने के बहाने जयपुर की युवती को दिल्ली ले जाकर गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। बॉयफ्रेंड ने नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर उससे निकाह किया और बेहोशी की हालत में दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो भी बना लिया। ब्लैकमेल कर लगातार नशीली कोल्डड्रिंक पिलाई और बेहोशी की हालात में अलग-अलग लोग गैंगरेप करते रहे। बदमाशों के चंगुल से छूटकर जयपुर पहुंची पीड़िता ने झोटवाड़ा थाने में आरोपी नदीम, मोहसीन, दानिश, नजाकत, फुरकान और नसीम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि झोटवाड़ा निवासी 19 वर्षीय युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह कॉम्पिशिटन एग्जाम की तैयारी कर रही है। उसे प्यार में फांसने के लिए मोहम्मद नदीम खान (37) उसके घर के आसपास चक्कर लगता था। दोस्ती होने पर दोनों में बातचीत होने लगी। बातचीत के दौरान उसने उसे दिल्ली में मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब लगाने का झांसा दिया। रिपोर्ट में बताया कि 2 अगस्त को सुबह करीब 4 बजे आरोपी नदीम उसे बहला-फुसलाकर घर से अजमेर भगा ले गया। एक दिन अजमेर रुकने के बाद उसे दिल्ली ले गया। दिल्ली में रहने वाले परिवाजरनों के पास उसे ले गया। जहां नदीम के साथी देखते ही बोले "या खुदा हम कामयाब हुए।" वह कुछ समझ पाती इससे पहले ही उसके निकाह की तैयारी कर ली। उसे कोल्डड्रिंक में नशा मिलाकर पिलाया।

रात करीब 1 बजे काजी को फ्लैट पर बुलाकर नदीम से निकाह करा दिया। बेहोशी ही हालत में उसके साथ नदीम ने रेप किया। सुबह होश आने पर नदीम से पूछने पर उसने अपने मोबाइल में बनाया अश्लील वीडियो दिखाया। विरोध करने पर धमकाया कि हमारा निकाह हो चुका है। तेरी भलाई इसी में है कि तू सब कुछ भूल जा। जयपुर का नाम मत लेना। समझ ले तेरे मम्मी-पापा आज से मर गए। जॉब की सारी बातें अपने दिमाग से निकाल देना। वो तो सिर्फ तुझे यहां दिल्ली लाने का बहाना था। किसी को भी अहसास करवाया तो ये अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दूंगा। तेरे पिता और भाई को मरवा देंगे, हमारा बहुत बड़ा ग्रुप है।

वहीं दूसरी ओर बेटी के घर से लापता होने पर परिजनों ने उसकी तलाश की। नहीं मिलने पर पिता ने झोटवाड़ा थाने में लापता बेटी की गुमशुदगी दर्ज करवाई। पुलिस उसे ढूंढते हुए दिल्ली पहुंच गई। लेकिन आरोपियों के डर के मारे वह कुछ भी नहीं बोल पाई और उनके पक्ष में बयान दिए। पुलिस लौट आई, इसके बाद आरोपी नदीम लगातार कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे देने लगा। मना करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। बेहोशी की हालत में उससे अलग-अलग युवक रेप करते। ज्यादातर समय नशे की हालत में रखा जाता था। होश रहने पर विरोध करने पर भी जबरन धमकी देकर गैंगरेप किया गया। पीड़िता ने रिपोर्ट में बताया कि आरोपी नदीम, मोहसीन, दानिश, नजाकत, फुरकान और नसीम ने रेप किया है।

इसके बाद 29 अगस्त को उससे मिलने के लिए मामा और मम्मी दिल्ली आए। नशे की हालत में बेटी को देखकर उसके दर्द का एहसास हुआ। घर लौटकर पति को बेटी को लाने का कहा। गत 18 सितम्बर को दिल्ली जाकर जैसे-तैसे पिता अपने साथ बेटी को वापस जयपुर लाए। चार दिन तक उसे नशे का असर रहा। धीरे-धीरे उससे सब कुछ रिकॉल हुआ। जिसके बाद इस्तगासे के जरिए नदीम समेत 8 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई।

पुलिस ने बताया कि इस्तगासा के जरिए झोटवाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में तथ्यों के सामने आने पर कार्रवाई की जाएगी।

परिचित ने किया युवती से दुष्कर्म का प्रयास

जयपुर (कासं)। प्रताप नगर इलाके में युवती से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। मेला दिखाने के बहाने परिचित उसे घर से लेकर गया था, बाद में खाली पड़े मकान में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। प्रताप नगर थाने में पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि सेक्टर-17 प्रताप नगर निवासी 20 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि आरोपी अशोक सांगानेर कृषि अनुसंधान नगर का रहने वाला है। वह उसके पिता का परिचित है। पिता का परिचित होने के कारण आरोपी अशोक का घर पर आना-जाना है।

दशहरा की शाम आरोपी अशोक उनके घर आया था। कुछ देर बैठकर घर पर बातचीत की। जिसके बाद मेला दिखाने के बहाने उसे ले गया। प्रताप नगर में श्मशान के पास एक खाली मकान में ले गया।

कमरे में ले जाकर आरोपी ने उसके साथ रेप का प्रयास किया। जैसे-तैसे आरोपी के चुंगल से भागकर पीड़िता अपने घर पहुंची। गुमशुम रहने के दौरान परिजनों के दबाव बनाकर पूछने पर पीड़िता ने आपबीती सुनाई। गुस्साएं परिजन पीड़िता को लेकर थाने पहुंचे। आरोपी परिचित अशोक के खिलाफ पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई।

सार-समाचार

डॉ.बलविन्दर सिंह ठक्कर अध्यक्ष बने

जयपुर, (का.सं.)। हाल ही में इंडियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी के पूना में आयोजित वार्षिक सम्मेलन में जयपुर के डॉक्टर बलविंदर सिंह ठक्कर ने अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। राजस्थान के लिए यह काफी गर्व की बात है कि इस 12000 स्पेशलिस्ट दंत चिकित्सकों के संगठन को जयपुर के जाने माने दंत चिकित्सक मार्ग दर्शन देंगे। डॉक्टर बलविंदर सिंह की टीम में देश के अन्य शहरों के 30 डॉक्टर मिल के कार्यकारिणी समिति में चुने गए हैं। इस साल की थीम "फॉस्टरिंग स्माइल्स ग्लोबली" रखी गई है जिसके अनुरूप इस साल यह सोसायटी, विश्व भर में अन्य देशों के संगठन से रिश्ते मजबूत करेगी। डॉक्टर ठक्कर ने बताया कि अब से डिजिटल टेक्नोलॉजी इन डेंटल साइंस में नए रिसर्च प्रोजेक्ट्स शुरू किए जायेंगे।

गाय के दूध और घी के नमूने लिए

जयपुर, (का.सं.)। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत मंगलवार को तृतीय जांच दल द्वारा मैसर्स जयपुर गौ संवर्धन समिति रीको इंडस्ट्रियल एरिया मानसरोवर से गाय के दूध का एक नमूना लिया गया, जिन्हें जांच के लिये प्रयोगशाला भिजवाया जायेगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर संबंधित फर्म के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि इसी तरह जांच दल द्वारा दूसरा निरीक्षण मैसर्स राजस्थान गौ सेवा संघ दुर्गापुरा टोंक रोड का किया गया। जहां से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत जांच के लिये गाय के दूध का एक नमूना लिया गया। जिन्हें जांच के लिये प्रयोगशाला में भिजवाया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रथम एवं द्वितीय जांच दल द्वारा झंडेवाला फूड प्रोडक्ट लिमिटेड विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया का निरीक्षण कर नमूना लिया गया। जांच दल ने अग्रवाल एंड संस रोड नंबर 6 विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया के यहां जांच की, जहां से घी के 3 नमूने लिए गए।

हथियार समेत बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कानोता थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (पूर्व) ने अवैध हथियार लेकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से पुलिस ने दो पिस्टल, दो मैगजीन सहित पांच जिन्दा कारतूस जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) राजीव पचार ने बताया कि ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कानोता थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (पूर्व) ने मनोज शर्मा (32) निवासी गणेश विहार आगरा रोड थाना कानोता जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से दो पिस्टल,दो मैगजीन सहित पांच जिन्दा कारतूस बरामद किया गया है। फिलहाल आरोपित से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पूर्व आईएएस ए.आर.खान को अवॉर्ड

जयपुर, (का.सं.)। राष्ट्र स्तरीय ए.एम.पी.संगठन द्वारा पूर्व आई.ए.एस एवं प्रमुख समाज सेवी ए.आर.खान को समाज सेवा चैंज मेकर अवॉर्ड 2022 से सम्मानित किया गया। खान राजस्थान में गत 15 वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य व गरीब वर्ग के सशक्तिकरण के लिये नि.शुल्क सेवा प्रदान कर रहे है तथा राष्ट्र व राज्य स्तर पर विभिन्न पुरूस्कारों से सम्मानित किये जा चुके है। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय डॉ.अम्बेडकर सेवा अवॉर्ड 2021 प्रदान कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा सम्मानित किया गया। खान द्वारा कोरोना महामारी में पीडित हजारो गरीब परिवारों को नि:शुल्क खाद्य सामग्री, मॉस्क तथा परिधान वितरित कर सेवा की गयी। चैंज मेकर अवार्ड प्रदान करने हेतु ए.एम.पी. एसोसियेशन के दिल्ली क्षेत्र के समन्वयक फारूख सिद्दीकी जयपुर आये व राजस्थान के संयोजक चांद मोहम्मद भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

समाजवादा की प्रासंगिकता पर चर्चा

जयपुर । लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती व समाजवादी नेता डॉक्टर राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि की पूर्वसंध्या के अवसर पर 'जयप्रकाश नारायणण व डॉक्टर राममनोहर लोहिया के समाजवाद की वर्तमान में प्रासंगिकता विषय पर परिचर्चा का आयोजन राजस्थान समग्र सेवा संघ परिसर में हुआ। सहसचिव बसन्त हरियाणा ने बताया कि इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति व डॉक्टर लोहिया की सप्त क्रांति में कोई बुनियादी अंतर नहीं है वर्तमान समय में दोनो ही के विचार अत्यंत प्रसांगिक है। अगर दोनो के विचारों को सरकारें व नागरिक दोनो अपना ले तो एक बेहतर देश व दुनिया का निर्माण हो सकता है। इस अवसर पर गाँधीयन सवाईसिंह, अरविंद भारद्वाज, पूर्व न्यायाधीश राहुल टेकचंद, प्रोफेसर गोपाल मोदानी, आशा पटेल, श्याम बिस्सा, प्रो विशाल विक्रमसिंह, अनिल गोस्वामी, एडवोकेट उमेश शर्मा, डॉ.अनिल जैन, सपना राणावत, अनिल यादव, भूरे सिंह जाटव, सममाजवादी हेमेंद्र गर्ग, उपेंद्र शंकर ने विचार रखे।

सोसायटी के चुनाव की तिथि बढ़ी

जयपुर, (का.सं.)। डा.अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान, जयपुर के अध्यक्ष एवं अन्य तीन पदों पर चुनाव की तिथि 30 अक्टूबर से बढ़ाकर 13 नवम्बर अपर जिला न्यायाधीश क्रम-1 जयपुर महानगर प्रथम द्वारा अधीनस्थ न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट पूर्व जयपुर महानगर प्रथम जयपुर द्वारा जारी अंतरिम स्थगन आदेश को अपास्त करने के आदेश के मध्यनजर की गई है। डा.बी.एल आर्य (सेवानिवृत भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी) अध्यक्ष चुनाव समिति डा.अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान द्वारा चुनाव का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है जिसमें सदस्यता सूची/मतदाता सूची पर आपत्तियों की सुनवायी 12 अक्टूबर तक की जायेगी तथा मतदान तिथि 13 नवम्बर निर्धारित की गयी है। प्रकरण की पैरवी वकील जी.पी.शर्मा, मनोज चिरानिया व हेमेन्द्र कुमार वर्मा ने की।

स्वेता,आइशा और के.एस.ने जीता ताज

जयपुर, (का.सं.)। जगमगाती रौशनी और बॉलीवुड नग्मों की धुनों पर प्रतिभागियों ने मंच पर अपना टैलेंट दिखाया, कुछ ऐसा ही नजारा था सुपरमॉडल इंटरनेशनल 2022 के 8वें सीजन के आयोजन का। ड्रीम प्रोडक्शन हाउस की ओर से आयोजित वैशाली नगर स्थित केसरी बाग़ में इस शानदार शाम में सितारों का तांता लगा रहा। जिसमें तीन कैटेगरी में हुए इस टैलेंट और ब्यूटी स्पर्धा को बिग बॉस और रोडीज़ फेम प्रिंस नरूला और मिस्टर इंडिया 2015, मिस्टर वर्ल्ड 2016 बने पहले एशियन मॉडल रोहित खंडेलवाल ने जज किया। मिस्टर, मिस और मिसेज़ केटेगरी के अंतर्गत पूरे देश में इंदौर, भोपाल, जम्मू, श्रीनगर, दिल्ली, गुड़गांव, पानीपथ, करनाल, जयपुर, बैंगलोर, हैदराबाद सहित 19 शहरों में ऑडिशन आयोजित किए गए। जहां 28 ऑडिशंस के बाद इन तीनों कैटेगरीज में 15 कंटेस्टेंट्स फाइनलिस्ट्स राउंड में रहे। जहां कार्यक्रम के अंत में मिस सुपरमॉडल इंटरनेशनल 2022 जयपुर की स्वेता राजे परमा, जम्मू और कश्मीर से मिसेज़ आइशा चौधरी और देहरादून से मिस्टर एस.मोहम्मद रिज़वान ने विनर बन ताज अपने नाम किया।

जेडीए ने दो बीघा सरकारी भूमि से हटाया काश्तकारों का कब्जा

जेडीए प्रशासन ने कालवाड़ रोड पर हाथोज़ में 2 बीघा चारागाह भूमि से काश्तकारों का कब्जा हटाया।

जयपुर (कासं)। जेडीए प्रशासन ने कालवाड़ रोड पर हाथोज़ में करीब 2 बीघा सरकारी जमीन पर कब्जा जमाए बैठे काश्तकारों पर शिकंजा कसा।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन-12 स्थित हाथोज में जेडीए की की करीब 2 बीघा सरकारी चारागाह भूमि खसरा नं. 384/1 पर कास्तकारों ने पिछले 20-25 वर्षों से कब्जा-अतिक्रमण कर रखा था। इन लोगों ने अवैध रूप से टीनशेड, तिरपाल, तारबंदी कर पशुओं का बाडा बना रखा था। शिकायत मिलने पर मंगलवार को जेडीए टीम बुलडोजर लेकर पहुंची और अवैध कब्जा हटाकर जमीन पर जेडीए संपत्ति के बोर्ड लगाए।

इसी प्रकार भांकरोटा में ग्राम मुकुंदपुरा में भी 2 बीघा कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने के लिए बनाई गई ग्रेवल रोड को खुर्द-बुर्द किया।

ट्रांसजेंडर्स के लिए 20 नवंबर से शिविर

जयपुर, (का.सं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय भवन स्थित सभागार में राजस्थान ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की बैठक आयोजित की गई।

जूली ने 20 नवंबर को ट्रांसजेंडर दिवस के अवसर पर प्रत्येक जिलों में शिविर लगाकर चिन्हित ट्रांसजेंडर समुदाय के व्यक्तियों के पहचान पत्र बनाने तथा उनके लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिये। उन्होंने सरलीकृत प्रक्रिया अपनाकर पहचान पत्र बनाने को कहा। यदि कोई ट्रांसजेंडर लिंग चेंज सर्जरी करवाना चाहता है तो उसे राज्य सरकार ढ़ाई लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। साथ ही मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की सुविधा भी उपलब्ध है। जूली ने जिला स्तर पर गठित समितियों की बैठक नियमित रूप से करवाने के लिए जिला स्तरीय अधिकारी को निर्देश देने की पाबंद किया। जूली ने बताया कि ट्रांसजेंडर समुदाय की समस्याओं का निराकरण करने, नीति निर्धारित करने, नवीन योजनाओं के निर्माण व संचालन के लिये राजकीय विभागों को समुचित परामर्श प्रदान कर समाज की मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से राजस्थान ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड का गठन किया है।

सरकार और रेजिडेंट डॉक्टरों के बीच गतिरोध यथावत

- चिकित्सा निदेशालय में रविवार को हुई बैठक बेनतीजा रही। रेजिडेंट्स की हड़ताल से एसएमएस सहित अन्य अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्थाएं चरमराने लगी
- सरकार के आदेश के बाद एससएसएम अस्पताल में एपीओ 47 डॉक्टरों ने काम संभाला।

जयपुर, (कासं)। नई बॉन्ड नीति में संशोधन सहित अन्य मांगों को लेकर रेजिडेंट डॉक्टरों के बीच लगातार गतिरोध बना हुआ है। मंगलवार को एक बार फिर चिकित्सा निदेशालय में हुई सरकार और रेजिडेंट प्रतिनिधियों के बीच वार्ता बेनतीजा रही। उधर रेजिडेंट डॉक्टरों के हड़ताल पर होने से एसएमएस सहित अन्य अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्थाएं चरमराने से मरीज परेशान हो रहे हैं।

जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (जार्ड) के अध्यक्ष नीरज डमोर ने बताया कि मांगों को लेकर रेजिडेंट डॉक्टरों का आंदोलन लगातार जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मांगों का निराकरण करने के बजाय आंदोलन को कमजोर करने और रेजिडेंट यूनिटी को तोड़ने के लिए अलग अलग स्तर पर कूटनीतियां अपनाई रही है। यह किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। सभी रेजिडेंट्स अपनी मांगों को लेकर एक साथ है। उन्होंने बताया कि रविवार को चिकित्सा शिक्षा निदेशालय में मांगो को लेकर वार्ता हुई। हालांकि मांगों पर सहमति नहीं बनने से वार्ता विफल रही। डॉ. नीरज ने बताया कि कार्य बहिष्कार जारी रखते हुए आगे की रणनीति के लिए अभी रेजिडेंट डॉक्टर्स हॉस्टल में जीबीएम की बैठक की जा रही है। इसमें विभिन्न पहलुओं पर विचार किया जाएगा। उधर रेजिडेंट की हड़ताल के कारण एसएमएस सहित अन्य अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्थाएं बेपटी होती जा रही है। एसएमएस अस्पताल में रोजाना हजारों की संख्या में इलाज कराने आ रहे मरीजों का भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि एसएमएस में हड़ताल के कारण सीनियर डॉक्टर और फैकल्टी पर अतिरिक्त भार बना हुआ है। अस्पताल में रविवार को 9 हजार मरीजों की ओपीडी रही। गंभीर मरीजों समेत 300 ऑपरेशन रोज हो रहे है। चिकित्सा विभाग के आदेश के बाद 47 डॉक्टरों ने आज ज्वॉइन कर लिया।

हाथ से मैला ढोने वाले कार्मिकों का तीन माह में सर्वे करवाएं

जयपुर (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने आज यहां शासन सचिवालय के मुख्य भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत गठित राज्य स्तरीय स्टीयरिंग समिति, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत गठित राज्य स्तरीय सलाहकार समिति तथा हाथ से मैला ढोने वाले कार्मिकों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 के तहत गठित राज्य स्तरीय सतर्कता समिति की बैठकों की अध्यक्षता की।

जूली ने बैठक में हाथ से मैला ढोने वाले कार्मिकों का सर्वे करने की कार्य को 3 माह में सर्वोच्च प्राथमिकता से करवाए जाने तथा चिन्हिकरण एवं पंजीकरण कर उनका परिचय पत्र जारी करने व कार्मिकों का सर्वे करवा कर उनका पुनर्वास किए जाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा अत्याचार निवारण सम्बन्धी दर्ज प्रकरणों में समय पर कार्यवाही नहीं होने की वजह से अधिकांश प्रकरणों में दबाव में राजीनामा हो जाता है परिणामस्वरूप् केस झूठे निकलते हैं जबकि एट्रोसिटी में 90 प्रतिशत केस सही होते हैं। उन्होंने गृह विभाग को एट्रोसिटी प्रकरणों में नियत समय पर जांच कराने के साथ सीधी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किये। उन्होंने सभी विभागों से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कोष के तहत कृषि, रोजगार, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, आधारभूत संरचना एवं जनभागिता के तहत प्रस्ताव विभाग को अग्रेषित करने के निर्देश प्रदान किए। मंत्री ने प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन संचालन हेतु गठित राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में तहत की समीक्षा की। उन्होंने चयनित ग्रामों में से 70 या अधिक विलेज स्कोर वाले ग्रामों को शीघ्र आदर्श घोषित किये जाने के निर्देश दिये।

सिगरेट खरीदने की बात पर झगड़ा हुआ तो बदमाशों ने युवक पर फायरिंग की

थड़ी के पीछे छिपकर युवक ने जान बचाई, पुलिस ने कुछ संदिग्ध दबोचे

- रामनगरिया थाना इलाके में पैनोरमा चौराहे पर रविवार देर रात हुई वारदात

जयपुर (कासं)। रामनगरिया इलाके में रविवार देर रात मामूली सी बात पर कार सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर सनसनी फैला गई। पैनोरमा चौराहे स्थित थड़ी पर सिगरेट खरीदने की बात पर कार सवार बदमाशों ने युवक पर तीन राउंड फायर किये और फरार हो गए। गनीमत रही पीड़ित युवक थड़ी के पीछे जाकर छिप गया, नहीं तो उसकी जान जा सकती थी। सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर बदमाशों की धरपकड़ शुरू की। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ के बाद जल्द गिरफ्तारी की बात पुलिस कर रही हैं।

पुलिस ने बताया कि झुंझुनूं निवासी 23 वर्षीय मोहित शर्मा वीआईटी कॉलेज के पास स्थित अपार्टमेंट में किराए से फ़्लैट लेकर रहता है। वह एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। मोहित अपने दो अन्य दोस्तों के साथ बाइक से रविवार रात करीब 11 बजे पैनोरमा चौराहे स्थित एक थड़ी पर पहुंचा था। यहां उसने सिगरेट खरीदी। इसी दौरान कार सवार दो बदमाश आए, जिनसे मोहित की सिगरेट की बात पर आपसी कहासुनी हो गई। इस पर कार सवार दोनों बदमाश वहां से चले गए। करीब 5 मिनट बाद दोनों बदमाश अपने 5-6 अन्य साथियों सहित दो कार से मौके पर आए और आते ही फायरिंग कर दी। बदमाशों ने एक राउंड हवाई फायर किया तो अगले दो राउंड मोहित पर निशाना लगाया, लेकिन मोहित थड़ी के पीछे जाकर छिप गया। इससे वह बच गया। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। फायरिंग की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पीड़ित से घटनाक्रम की जानकारी लेकर बदमाशों की तलाश शुरू की। पुलिस घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल बदमाशों के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को पकड़ा है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। मोहित की ओर से रामनगरिया थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ फायरिंग करने का मामला दर्ज किया।

एसीबी अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के जयपुर मुख्यालय में मंगलवार को उल्लेखनीय और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। महानिदेशक बी.एल.सोनी ने पांच अलग-अलग श्रेणियों में ये पुरस्कार दिए।

उन्होंने बताया कि दो उत्कृष्ट सेवा पदक, एक प्रशस्ति पत्र, 29 सर्वोत्तम सेवा चिन्ह, 24 अति उत्तम सेवा चिन्ह तथा 22 उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान किए गए हैं। बी.एल. सोनी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए सम्मानित होने वाले सभी एसीबी अधिकारी-कर्मचारियों की जमकर सराहना की।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में आज एसीबी अपने आप में एक ब्रांड बन चुकी है तो आप सभी की वजह से। आम जनता के काम करने के बदले अगर कोई घूस मांगता है तो पीड़ित उम्मीद के साथ एसीबी के पास आता है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ और मजबूत प्रहार करें। सोनी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कुछ जिले अच्छा काम कर रहे है तो वहीं कुछ जिलों में कार्रवाई कमजोर है। जहां और काम करने की जरूरत है ।

95 पुलिस अफसरों का सम्मान आज

जयपुर । प्रदेश के 39 आईपीएस अफसरों के साथ-साथ विभिन्न जिलों में तैनात पुलिस अफसरों, मंत्रालयिक वर्ग एवं राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला के निदेशक समेत 95 पुलिसकर्मियों को बुधवार को सम्मानित किया जायेगा।

महानिरीक्षक पुलिस कार्मिक एस परिमाला ने बताया कि डीजीपी एम.एल.लाठर इन 95 अफसरों को डीजीपी डिस्क प्रशस्ति रोल, पुलिस पदक, उत्कृष्ट एवं अति उत्कृष्ट सेवा पदक तथा अन्वेषण में उत्कृष्टता हेतु केंद्रीय गृहमंत्री पदक प्रदान करेंगे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन, पुलिस महानिरीक्षक जोस मोहन और कांन्स्टेबल मन मदन नायर को पुलिस पदक मिलेगा। जोधपुर पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़, अति. पुलिस अधीक्षक राम सिंह, सेवानिवृत सरजीत सिंह व महावीर प्रसाद को अति उत्कृष्ट सेवा पदक मिलेगा।

'प्रत्येक 200 में से एक व्यक्ति कमर के गठिया रोग से पीड़ित'

जयपुर । बिगड़ी लाइफ स्टाइल के कारण आज आर्थराइटिस तेजी से बढ़ रहा है। बुढ़ापे में होने वाली यह बीमारी युवाओं को भी तेजी से घेर रही है। देश में हर 100 में से एक व्यक्ति को रूमेटॉयड आर्थराइटिस है और हर 200 में से एक व्यक्ति को कमर का गठिया है। हालांकि जागरुकता बढ़ने से अब शुरूआती लक्षण दिखते ही इसका उपचार शुरू हो जाता है जिससे मरीज को अधिक नुकसान नहीं होता। सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. एसएस सोनी ने बताया कि महिलाओं में आर्थराइटिस का खतरा ज्यादा होता है। एक समय तक पुरुषों और महिलाओं में यह खतरा समान होता है लेकिन उम्र बढ़ने के साथ जब महिला को मीनोपॉज होता है तो आर्थराइटिस के खतरे को कम करने वाले फीमेल हॉर्मोन कम हो जाते हैं। सीनियर हैंड एंड माइक्रो सर्जन डॉ. विनीत अरोड़ा ने बताया कि घुटने और कूल्हे के जोड़ों के अलावा अंगूठे की आर्थराइटिस भी होती है, जो मरीज के सामान्य कार्यों को करने में भी अक्षम कर देती है। शुरूआती चरण में दवाइयों द्वारा इसका उपचार किया जाता है।

सीनियर पेन एक्सपर्ट डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि नई तकनीक से नर्व ब्लॉक ट्रीटमेंट के कई फायदे हैं। अधिक उम्र, दिल की बीमारियां, अत्यधिक वजन, कमर की बीमारियाँ, हाई रिस्क सर्जरी के कारण जो मरीज जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी नहीं करा सकते या नहीं कराना चाहते, उनके लिए यह तकनीक कारगर है। डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि ऑस्टियो आर्थराइटिस आमतौर पर घुटनों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है।

ARBiT
it happens here...

World Arthritis Day

Throughout the world millions of people are affected by arthritis, their lives being changed by the sometimes constant pain of inflamed joints. World Arthritis Day is a day to remember and raise awareness of this condition, and how it affects the lives of those that suffer with it. World Arthritis day was brought about by the Arthritis Foundation to do just that, and to encourage policymakers to help lower the burden of those suffering from Arthritis all over the world.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
12 October 2022
A-B

#SLEEP-WELL

The 4-7-8 Method

Falling asleep or coming down from anxiety might never be as easy as 1-2-3, but some experts believe a different set of numbers – 4-7-8 – comes much closer to doing the trick.

The 4-7-8 technique is a relaxation exercise that involves breathing in for four counts, holding that breath for seven counts and exhaling for eight counts, said Dr. Raj Dasgupta, a clinical associate professor of medicine at the University of Southern California's Keck School of Medicine.

Also known as the "relaxing breath," 4-7-8 has ancient roots in pranayama, which is the yogic practice of breath regulation, but was popularized by integrative medicine specialist Dr. Andrew Weil in 2015.

"What a lot of sleep difficulties are all about is people who struggle to fall asleep because their mind is buzzing," said Rebecca Robbins, an instructor in medicine at Harvard Medical School and associate scientist in the division of sleep and circadian disorders

at Brigham and Women's Hospital in Boston. "But exercises like the 4-7-8 technique give you the opportunity to practice being at peace. And that's exactly what we need to do before we go to bed."

How 4-7-8 Works

The 4-7-8 method doesn't require any equipment or specific setting, but when you're initially learning the exercise, you should sit with your back straight, according to Weil. Practicing in a calm, quiet place could help, said Robbins. Once you get the hang of it, you can use the technique while lying in bed.

During the entire practice, place the tip of your tongue against the ridge of tissue behind your upper front teeth, as you'll be exhaling through your mouth around your tongue. Then follow these steps, according to Weil:

- Completely exhale through your mouth, making a whoosh sound.
- Close your mouth and quietly inhale through your nose to a mental count of four.
- Hold your breath for a count of seven.
- Exhale through your mouth, making a whoosh sound for a count of eight.
- Repeat the process three more times for a total of four breath cycles.

Keeping to the ratio of four, then seven and then eight counts is more important than the time you spend on each phase, according to Weil.

A lack of sleep can cause us to become selfish, a new study has found."If you have trouble holding your breath, speed the exercise up but keep the ratio (consistent) for the three phases. With practice you can slow it all down and get used to inhaling and exhaling more and more deeply," his website advised.

When you're stressed out, your sympathetic nervous system – responsible for your fight-or-flight response – is overly active, which makes you feel overstimulated and not ready to relax and transition into sleep, Dasgupta said. "An active sympathetic nervous system can cause a fast heart rate as well as rapid and shallow breathing."

What Research Shows

The 4-7-8 breathing practice can help activate your parasympathetic nervous system – responsible for resting and digesting - which reduces sympathetic activity, he added, putting the body in a state more conducive to restful sleep. Activating the parasympathetic system also gives an anxious brain something to focus on besides "why am I not sleeping?" Tal said.

While proponents may swear by the method, more research is needed to establish clearer links between 4-7-8 and sleep and other health benefits, he added.

"There is some evidence that 4-7-8 breathing helps reduce anxious, depressive and insomniac symptoms when comparing pre- and post-intervention, however, there are no large randomized control trials specifically on 4-7-8 breathing to my knowledge," Tal said. "The research on (the effect of) diaphragmatic breathing on these symptoms in general is spotty, with no clear connection due to the poor quality of the studies."

A team of researchers based in Thailand studied the immediate effects of 4-7-8 breathing on heart rate and blood pressure among 43 healthy young adults. After participants had these health factors and their fasting blood glucose measured, they performed 4-7-8 breathing for six cycles per set for three sets, interspersed with one minute of normal breathing between each set. Researchers found the technique improved participants' heart rate and blood pressure.

When researchers have observed the effects of breathing techniques like 4-7-8 breathing, they have seen an increase in theta and delta brain waves, which indicate someone is in the parasympathetic state, Robbins said. "Slow breathing like the 4-7-8 technique reduces the risk of cardiovascular disease and type 2 diabetes and improves pulmonary function."

My unit had a mascot, a very large sized goat called Moti. He had been brought up in the unit since birth and as Moti was in the care of the personnel of the pipe band, they trained him to march in step to the beat of military tunes. From there to becoming the mascot was but a matter of time. Moti was duly given the uniform and other accoutrements worn by the band and became an inseparable part of unit life. He even got his lance corporal stripes when he was due for promotion. However, Moti could get temperamental and on one ceremonial occasion, he not only marched to the wrong beat but stepped out of line. The Commanding Officer (CO) was not pleased with this show of indiscipline and had his stripe removed. The pipe band was heartbroken as was the rest of the battalion, though Moti didn't seem too overly upset by the punishment. Anyway, when the mascot did a good job next time around, the CO restored his rank, much to the relief of all concerned.

The Tomb

Maj Gen Dhruv C Katoch, SM, VSM

Imoved to the Kashmir Valley for the first time in the winter of 1979 to re-join my battalion, located at that time next to a charming, rustic village nestling in the mountains, about twenty kilometres from Srinagar. Terrorism had not yet raised its ugly head in those days and the valley was thronged with tourists from all over the country as also from most parts of the world. My wife and I often travelled on our scooter to explore the countryside with its gurgling brooks and majestic Chinar trees. During our frequent sojourns we invariably came across a host of small tombs called 'Mazars' dotting the roadside, each having a multitude of green flags flying proudly in the breeze. There was no shortage of visitors to these Mazars, believed to be the resting place of ancient sages and reverentially called 'PirBabas".

#BABA TALES

An occasional visitor would often put up a green flag while seeking the blessings of the 'Pir' and thus the flags became an integral part of each tomb.

Moti- the Mascot

My unit had a mascot, a very large sized goat called Moti. He had been brought up in the unit since birth and as Moti was in the care of the personnel of the pipe band, they trained him to march in step to the beat of military tunes. From there to becoming the mascot was but a matter of time. Moti was duly given the uniform and other accoutrements worn by the band and became an inseparable part of unit life. He even got his lance corporal stripes when he was due for promotion. However, Moti could get temperamental and on one ceremonial occasion, he not only marched to the wrong beat but stepped out of line. The Commanding Officer (CO) was not pleased with this show of indiscipline and had his stripe removed. The pipe band was heartbroken as was the rest of the battalion, though Moti didn't seem too overly upset by the punishment. Anyway, when the mascot did a good job next time around, the CO restored his rank, much to the relief of all concerned.

Unfortunately, age was catching up with Moti, who at sixteen years was approaching the last stage of his life. He was a Sergeant now, having been promoted by previous COs, and still did duties as a mascot, but all of us knew that time was running out for him. When he finally died at the ripe old age of just under seventeen years, he was given a befitting burial near the entrance to the unit area and a small tombstone was erected in his honour with the single word 'MOTI' emblazoned in large letters.

Moti's Tombstone

More than two decades later, while on an official visit to Srinagar, I fitted in a quick trip to my old unit location, more to go down memory lane than any other purpose. At the entrance to the unit, I observed a well maintained 'Mazar' and faint stirrings of the events of yesteryears made me halt at the spot.

The young Captain accompanying me explained that it was perhaps the tomb of an ancient sage and his unit personnel always paid their respects at the site before moving out for operations. The tombstone was covered in green cloth. I raised the cloth and was not surprised to find the outline of the word 'Moti' still discernible. In typical military fashion, each successive battalion coming to the area had added on to the structure, which now had a gate, a boundary wall as also a roof to cover the tombstone. Time had lent credence to the legends that had spread about the miraculous powers of the revered 'Pir', his efficacy in granting boons and bestowing success. A motley collection of green coloured flags in assorted array sprinkled the area giving it a festive look.

> The flag was fluttering merrily in the breeze, perhaps to the rhythm of silent drumbeats of ancient songs. I had a feeling Moti was pleased. I certainly was.

I wondered if I should reveal the truth about the shrine, but decided against it. Who was I to question faith? And if the act of planting a flag gave succour to some, then so be it. In life, Moti marched to the tune of martial music. In death, perhaps, his spirit played out long forgotten melodies to the many soldiers who visited his tomb, and gave them solace and strength to fight the cancer of terrorism afflicting the Valley. I took the flag which the Captain had brought for the purpose and firmly placed it in the shrine. When I left, the flag was fluttering merrily in the breeze, perhaps to the rhythm of silent drumbeats of ancient songs. I had a feeling Moti was pleased. I certainly was.

writetoarbit@rashtradoot.com

The big day came. The function went through flawlessly. Under a large shamiana, a couple of hundred scruffy, tired-looking, weathered women sat patiently, while the party leaders on the dais, dwarfed by the huge portrait of Madam behind them, mouthed the customary sycophantic clichés of best wishes and praise to the "Great Leader" on her birthday.

And Everyone Smiled

N.N. Sachitanand
Senior journalist

#LIITLE LIVES

The CM was a worried man. His mole in the High Command had sent a cryptic warning. It said: "For some reason, Madam is unhappy with you. You had better do something fast. Your rival's emissaries are already sniffing around in Delhi."

The CM pondered his next step. Best to consult PC, he decided. Prakash Chandra or PC, as everyone called him, was the CM's confidant, trouble-shooter and private eye, all rolled into one.

Decked in a safari suit with the top button open, revealing the thick gold chain around his beefy neck, PC paced up and down the CM's chamber in deep thought. Five minutes passed. Suddenly he stopped in mid-stride and a crafty smile lit up his face.

"I've got it, sir!" he cried out. "Madam's birthday is next month. We will arrange a sari distribution function for destitute women that day. We will arrange photo ops for journalists with you handing over a sari to a poor woman below the backdrop of a giant portrait of Madam. When it comes in the news the next day, I am sure Madam will be pleased."

The CM chewed over the idea and then admitted, "It might just work. But PC, the whole thing is going to cost a packet."

Smiling indulgently, PC said, "I already have a donor in mind. Do you remember that builder, Reddy, who has been pestering you for the last few months to enable him to get that large tract of agricultural land towards the north of the city converted to urban land? I think we can arrange a fair exchange with him."

Reddy, the realtor, was more than willing to part with the twenty lakhs needed for the function. After all, if the land conversion came through, he would make a few crores. He also did not demur when PC demanded two lakhs as his personal commission. Rules of the game.

The big day came. The function went through flawlessly Under a large shamiana, a couple of hundred scruffy, tired-looking , weathered women sat patiently , while the party leaders on the dais , dwarfed by the huge portrait of Madam behind them, mouthed the customary sycophantic clichés of best wishes and praise to the "Great Leader" on her birthday.

> Muthiah, the hooch vendor, handed over the new sari with a smile to his wife who smiled in return. And, in a corner of the pavement, Gowramma had passed on to eternal sleep. The methanol Muthiah had mixed in the hooch to enhance his margin, had done its work. Gowramma's lips were stretched in a rictus that could be construed as a smile.

Among the few women chosen to be personally given a sari by the CM, in the glare of TV strobe lights and camera flashes, was Gowramma, a stout, short-statured woman of indeterminate age, swathed in a tattered grimy sari and dust-stained scruffy full-arm sweater.

She was a bag-woman, one of those creatures who shuffle from one garbage pile to another, pulling out discarded plastic bags to be sold to the neighbourhood waste wholesaler. The few rupees she got from that sale were usually exchanged for food and a tot of cheap, mind-numbing grog at an illegal hooch outlet.

After the function, Gowramma was fed some snacks and dropped off in a truck. It was already evening and she had not had time to collect her daily quota of waste plastic. Shuffling along the ill-lit lane to her regular hooch joint, she wondered whether Muthiah, the vendor, would give her a tot as a loan.

Muthiah laughed derisively, "Old woman," he said with a sneer, "if I start giving tots to the likes of you on loan, I will be out of business in a week."

Gowramma pondered gloomily for a while. Suddenly she remembered the sari bundle under her arm. Holding it out to Muthiah, she said, "Here, you rascal. This is a new sari. Keep this for your wife and give me my measure."

Muthiah took a close look at the sari and thought, "Must be at least worth one hundred. A good exchange for a glass to this old hag."

Aloud he said, "All right, I will take it. But mind you, only one glass."

After her drink, Gowramma retired to her corner on the pavement and was soon snoring away.

Next day the papers prominently carried news of the birthday function. Mid-morning a ring came from Delhi for the CM. It was the mole. The Sphinx had smiled, he informed. The threat from the CM's rival had been warded off.

The CM smiled.

At his bank, PC deposited the two lakhs from the builder in his locker and smiled.

Reddy, the builder, read the conversion notice he received from the Revenue Department and smiled.

Muthiah, the hooch vendor, handed over the new sari with a smile to his wife who smiled in return.

And, in a corner of the pavement, Gowramma had passed on to eternal sleep. The methanol Muthiah had mixed in the hooch to enhance his margin, had done its work.

Gowramma's lips were stretched in a rictus that could be construed as a smile.

writetoarbit@rashtradoot.com

#FOOD-TALK

Are Sprouts The Ultimate Superfood?

Yes, it is rich in nutrients, but as the body has a tough time breaking it down, it often leads to bloating.

Sprouts, known to be extremely nutritious and a powerhouse of proteins, are widely consumed for breakfast and even as a snack. They are also a rich source of fibre, calcium, vitamins A and C, potassium, and phosphorus. However, while sprouts are "rich in nutrients", the body has a "tough time" breaking them down. So, does this make sprouts unhealthy or unsuitable for some people? Let's find out.

Yes, it is rich in nutrients, but as the body has a tough time breaking it down, it often leads to bloating, acidity, constipation, and hemorrhoids (piles), in the long run. As per modern science sprouts are rich in protein, fats, fibre, and vitamins but in Ayurveda, sprouts are known to increase vata because when you assess sprouts they are halfway between being a seed and baby plant."

Anything that is halfway through transformation is tough to digest just like half-formed curd. It leads to bloating and formation of ama (toxins) leading to inflammation or pro-inflammatory molecules, which is why most of us feel bloated, gassy, acidic, and constipated.

Raw or uncooked sprouts, in particular, can cause food poisoning in those with autoimmune conditions and low immunity including children and the elderly.

Who Should Avoid It?

While most people can have sprouts, those with poor digestion or hampered agni, or vata or pitta prakruti should avoid it. However, people with kaphaprakruti are able to digest sprouts and can consume it more often - "but only once or twice a week; never more than that."

To make it more digestible, even for people with kaphaprakruti, first cook it with a small amount of oil, preferably coconut oil, or ghee, or butter, and spices like cumin, ajwain (carom seed), and dry ginger powder.

Regular Consumption

For people who can't consume sprouts, you can also consume overnight-soaked pulses and legumes. It should be cooked with oil, salt, cumin, and garlic to make it easy to digest.

A few ways to make them more digestible and safe to consume are:

1. Steam over a water bath and add to a salad.
2. Blend and add to your dosa batter or pancake mix.
3. Add sprouts to your khichdi – pressure cooking will soften and cook them, decreasing pressure on your system.

THE WALL

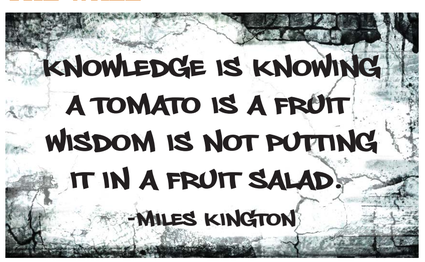

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

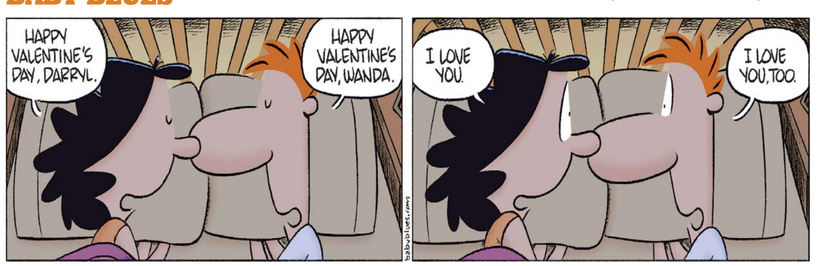

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

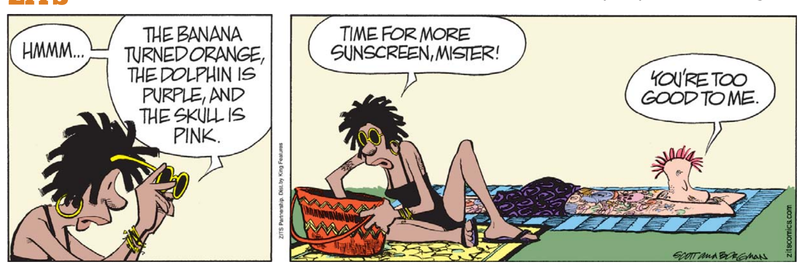

हनिट्रैप के जरिये राशि ऐंठने वाली महिला गिरफ्तार

सभी सात आरोपितों को पुलिस ने अदालत में पेश किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस की गिरफ्त में आए हरियाणा के एक बुजुर्ग को अगवा कर हनिट्रैप के जरिये राशि ऐंठने के मामले में आरोपियों की एक और साथी महिला को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस बीच, सभी सात आरोपितों को पुलिस ने अदालत में पेश किया, जहां से महिला सहित चार को जेल, जबकि तीन को रिमांड पर लिया गया है।

प्रताप नगर थाना प्रभारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि, हरियाणा के झज्जर जिला निवासी बुजुर्ग सतीश कुमार चौधरी अभी चित्तौडगढ़ जिले में रह रहा है। चौधरी काम से 8 अक्टूबर को दोपहर में अपनी थार जीप से भीलवाड़ा के चित्रगुप्त सर्किल क्षेत्र में आये थे। सतीश को एक औरत लाड देवी कुमावत व उसके साथियों ने मिलकर उसकी थार सहित अगवा कर लिया। चौधरी पर महिला ने गलत आरोप लगाकर साथियों सहित नाजायज रुपयों की मांग की।

यह जानकारी पीड़ित बुजुर्ग ने अपने पार्टनगर जवासिया में रहने वाले मुकेश कुमार पुत्र शंकर लाल जाट को फोन से दी। इसके बाद परिचित राजू से एक लाख रुपये आरोपितों को फोन पे कराये, लेकिन ये लोग नहीं माने और दो लाख रुपये की मांग और करने लगे। सतीश कुमार चौधरी के साथ कोई अनहोनी घटना न हो जाये, इसे लेकरमुकेश जाट ने 57 हजार 500 रुपये परिचित ललित सिंह भाटी से और फोन पे करवाये। इसके बावजूद भी सतीश कुमार को अपहरणकर्ताओं ने आजाद नहीं किया। इसके चलते मुकेश ने प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दी।

पुलिस ने भीलवाड़ा बाइपास पर कार में बंधक बनाकर रखे गये चौधरी को मुक्त करवाते हुये आरोपितों को हिरासत में लिया था। मामले में मंगलवार को पप्पु लाल पुत्र जमना लाल माली निवासी मालीखेडा, पुर, अर्जुन पुत्र सोहन लाल जाट निवासी जाटों का खेडा, पुर, महावीर पुत्र रतनलाल जाट निवासी अडसीपुरा थाना बागोर, बद्री लाल उर्फ पप्पु जाट पुत्र शंकर जाट निवासी नोगावा चारभुजा मंन्दिर के पास थाना कारोई , राजेश पुत्र सुखदेव जाट निवासी बालाजी मंन्दिर के पास देवली थाना पुर व देवीलाल पुत्र रामेश्वर लाल जाट निवासी जाटो का खेडा थाना पुर को गिरफ्तार कर लिया था।

भीलवाड़ा की प्रतापनगर थाना पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

■ **पुलिस ऐंठी गई राशि बरामद करने का प्रयास कर रही है**

इस मामले में आज पुलिस ने पुर थाना सर्किल के सांकलिया में रहने वाली लाड देवी पत्नी लेहरूलाल कुमावत को गिरफ्तार कर लिया। सभी सात गिरफ्तार आरोपितों को पुलिस ने अदालत में पेश किया। इनमें से पप्पु लाल माली, अर्जुन जाट व बद्री लाल उर्फ पप्पु जाट को कोर्ट ने 13 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया, जबकि शेष चार आरोपितों महावीर जाट, राजेश जाट, देवीलाल जाट व श्रीमती लाड देवी को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया गया। पुलिस अब पीड़ित की रिहाई के बदले ऐंठी गई राशि बरामद करने का प्रयास कर रही है।

पंडित ने केरोसिन डाल आत्मदाह का प्रयास किया

पंडिताई से हटाने को लेकर हुआ था विवाद, अस्पताल में भर्ती

जेएलएन अस्पताल में उपचाररत आत्मदाह का प्रयास करने वाले पंडित गोविंद नारायण शर्मा।

अजमेर, (कास)। अजमेर के गंज थाना क्षेत्र के ऋषि घाटी स्थित जगदीशपुरी मंदिर विवाद को लेकर पूर्व पुजारी पंडित गोविंद नारायण शर्मा ने मंगलवार को स्वयं पर केरोसिन डालकर आग के हवाले कर आत्मदाह का प्रयास किया।

■ **गंज थाना क्षेत्र के जगदीशपुरी मंदिर में पूजा को लेकर विवाद**

पंडित का पोता वहां पहुंचा तो जिसने दादा को आग में घिरा देख आग पर बूझाने का प्रयास किया और दादा को झुलसी अवस्था में जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां चिकित्सकों द्वारा उपचार दिया।

उल्लेखनीय है कि पंडित गोविंद नारायण शर्मा पिछले लगभग 60 वर्षों से मंदिर में पंडिताई का कार्य करते आ रहे थे, लेकिन नवगठित मंदिर कमेटी द्वारा उन्हें पंडिताई के कार्य से हटाया जा रहा था। पुलिस ने पीडित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आत्मदाह से पहले पंडित शर्मा ने सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें मंदिर कमेटी पदाधिकारियों के नाम भी लिखे हैं और उन पर प्रताडित करने और जिला प्रशासन पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है।

ग्राम विकास अधिकारी भेरूलाल 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

ऊदयपुर, (कासं)। (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर की स्पेशल युनिट ने परिवादी से चालीस हजार रूपय रिश्वत लेते ग्राम विकस अधिकारी को गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के महानिदेशक भगवानलाल सोनी ने बताया कि एसीबी की स्पेशल यूनिट उदयपुर ईकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी पत्नी द्वारा ग्राम पंचायत गोरण पं.सं.

■ **आपूर्ति की गई सामग्री के बिलों को ऑनलाइन दर्ज करने की एवज में मांगी रिश्वत**

झाडोल उदयपुर में आपूर्ति की गई सामग्री के बिलों को ऑनलाईन दर्ज करने की एवज में भेरूलाल मेघवाल पुत्र वजेराम मेघवाल ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत गोरण पं. सं. झाडोल उदयपुर द्वारा 60 हजार रूपयें की रिश्वत राशि की मांग कर परेशान करने की जानकारी दी गई। जिस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में एसीबी की स्पेशल यूनिट उदयपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधिकरी उमेश ओझा के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। आज पुंजानगर झाड़ोल फलासिया निवासी हाल ग्राम विकास अधिकारी भेरूलाल पुत्र वजेराम मेघवाल को परिवादी से 40 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

एसीबी उदयपुर की स्पेशल यूनिट ने ग्राम विकास अधिकारी भेरूलाल को गिरफ्तार किया।

पूर्व सरपंच चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित

बीकानेर, (कासं)। संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन ने चूरू जिले की सरदारशहर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत बुकनसर बडा की पूर्व सरपंच सोना देवी व सुजानगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत आबसर की पूर्व सरपंच जड़ाव देवी के विरुद्ध राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 38 (3) के तहत कार्रवाई करते हुए दोनों को अगले 5 वर्ष तक पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया है। जांच रिपोर्ट के अनुसार सोना देवी के विरुद्ध विभिन्न अनियमितता बरतने तथा अनियमित भुगतान करने तथा जड़ाव देवी के विरुद्ध विभिन्न अनियमितता एवं भ्रष्टाचार में दोषी मानते हुए यह कार्यवाही की। दोनों प्रकरणों की विस्तृत जांच चूरू के जिला कलेक्टर द्वारा की गई थी। जांच के बाद दोनों को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया गया। दोनों ही उपस्थित नहीं हुई। जांच अधिकारी की रिपोर्ट से सहमत होते हुए संभागीय आयुक्त ने यह आदेश जारी किए।

'सतरह साल बाद भी ''सूचना का अधिकार'' की नहीं हो रही पालना'

ब्यावर, (निसं)। 12 अक्टूबर 2005 को देश में पहला ऐसा कानून जो आम आदमी को मालिक होने का अहसास करता है अस्तित्व में आया उसका नाम था ''सूचना का अधिकार अधिनियम 2005''। सबसे बड़ी सौभाग्य की बात यह है कि ब्यावर शहर इस कानून का जन्म दाता है क्योंकि इस कानून को लागू करवाने बाबत 40 दिन का धरना चांग गेट पर चलाया गया था। जिसके बाद मजबूर होकर तत्कालीन केन्द्र सरकार को संसद में इस कानून को पास करना पड़ा। आज इस कानून को लागू हुए 15 वर्ष पूर्ण हो चुके है इस कानून की वजह से बड़े बड़े भ्रष्टाचारों का भण्डाफोड हुआ है और कई सरकारों का तख्ता पलट तक हो गया है। लेकिन इस कानून को सरकारी नुमाइंदे ही पलीता लगाने में कोई कमी कसर नहीं छोड़ रहे हैं। जिसके अनेको नमूने आये दिन हमें देखने को मिलते है।

आरटीआई कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता निलेश बुरड़ ने बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 4(1)(बी) के तहत सरकारी विभागों को कुछ सूचनायें स्वप्रेरणा से जनता तक पहुंचानी होती है। इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा भी स्वत: संज्ञान लेते हुए भी आदेश देने के बावजूद अधिकतर सरकारी विभाग न केवल इस कानून की धज्जियां उडा रहे हैं। वरन माननीय न्यायालय के आदेशों को भी नहीं मान रहे है। धारा 4(1)(बी) की अनुपालना करना तो बहुत दूर की बात है कई विभागों में तो सूचना के अधिकार कानून का जानकारी देने वाले बोर्ड/सूचना पट्ट ही नहीं लगा रखा है।

■ **आरटीआई कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता निलेश बुरड़ ने दी जानकारी**

बुरड़ ने बताया कि ज्यादातर सरकारी विभाग नियत अवधि 30 दिवस के भीतर सूचना उपलब्ध नहीं करवाते है जिससे आवेदक एवं सरकारी मशीनरी का धन एवं समय व्यर्थ में खराब होता है। ब्यावर नगर परिषद पर इसी कारण राजस्थान सूचना आयोग ने समय समय पर लोक सूचना अधिकारी पर भारी शास्ति भी अधिरोपित की गई है। जो कि लोक सूचना अधिकारी के वेतन से कटौती के निर्देश के बावजूद निर्दोष कर्मचारियों से वसूल का राजस्थान सूचना आयोग में जमा करवाये जा रहे है। जिसकी जानकारी भी सूचना के अधिकार कानून से प्राप्त हुई है।

अत: जब तक ऐसी शास्ति इन अधिकारियों के वेतन से नहीं काटी जायेगी जैसा की कानून भी कहता है। तब तक इस कानून का मंशा पूरी नहीं हो सकती है। जिस दिन से ऐसी शास्तियों की वसूली इन अधिकारियों के वेतन से वसूल होना शुरू हो जायेगी तब इस कानून को लेकर भ्रष्ट अधिकारियों में स्वत: ही खौफ पैदा हो जायेगा और गलत विधि विरूद्ध एवं भ्रष्ट तरीको से कार्य करने से पहले हजार बार सोचने को मजबूर होंगे।

बंदरों ने एक दर्जन से अधिक लोगों को चोटिल किया

खिरोड़, (निसं)। कस्बे में हाल ही में करीब 20 दिनों पूर्व आए बंदरों ने लोगों को परेशान कर रखा है। कस्बे के एक दर्जन भर लोगों से भी अधिक लोगों को काट डाला है। इन तीन चार बंदरों में से एक बंदरिया काफी बदमाश है। जो स्कूल आते-जाते बच्चों को एवं घरों में भी घुसकर बच्चों को काट लेती है।

मंगलवार सुबह दो लड़कियां रास्ते से जा रही थी। उनके हाथ से बैग छीन कर भाग गई। सुबह खिरोड़ कस्बे में स्थित भारूका राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में बच्चों को पढ़ाने आने वाली एक मैडम का चश्मा भी उतार कर ले गई। ये बंदर आए दिन बाजार में व्यापारियों को भी परेशान करते रहते हैं। व्यापारियों का सामान उठाकर ले जाने से व्यापारी बंदरों से काफी परेशान है। ग्रामीणों ने मंगलवार को ठाम पंचायत सरपंच महावीर प्रसाद भामू को प्रार्थना पत्र देकर इन बदमाश बंदरों से निजात दिलवाने की मांग की। जिस पर सरपंच महावीर प्रसाद भामू ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए बताया कि शीघ्र ही प्रशासन को सूचना देकर समस्या का समाधान शीघ्र ही करवा दिया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि ऐसा ही वाकया करीब 10 वर्ष पहले भी खिरोड़ कस्बे में हुआ था। जिसमें बंदरों ने काफी लोगों को काटकर घायल कर दिया था। उसके बाद ग्रामीणों द्वारा प्रशासन को अवगत करवाए जाने के बाद बंदरों की को पकड़ने के लिए टीम आकर बंदरों को पकड़ कर ले गई थी।

नहीं मिल पा रहा डीएपी खाद

पाटन, (निसं)। सहकारी समितियों में डीएपी की अनुपलब्धता के चलते किसानों को बाजार से ब्लेक में डीएपी खाद खरीदना पड रहा है। जिससे पहले ही मौसम की मार से टूट चुके किसानों पर कर्ज का बोझ निरंतर बढता ही जा रहा है। मंगलवार को सहकारी समितियों पर डीएपी उपलब्ध करवाने की मांग को लेकर किसान नेता महिपाल गुर्जर बोपिया ने छाजा की नांगल सहकारी समिति व्यवस्थापक को ज्ञापन सौंपते हुए सहकारी विभाग के उच्चाधिकारियों से फोन पर बात कर डीएपी की व्यवस्था करने की मांग की। साथ ही चेतावनी भी दी कि यदि जल्दी ही सहकारी समितियों पर डीएपी खाद और अन्य कृषि आदानो की व्यवस्था नहीं की गई तो किसान उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होंगें।

'मेरी यात्रा को कौन किस दृष्टि से देखता है, यह देखने वाले का काम'

नवलगढ़, (निसं)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह झुंझुनूं के दौरे पर है। झुंझुनूं जिले में प्रवेश पर नवलगढ़ में उनका भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस मौके पर सांसद नरेंद्र कुमार, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी व भाजपा जिला महामंत्री योगेंद्र मिश्रा समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मेरे दौरे को लेकर कौन किस दृष्टि से देखता है। यह उनकी सोच है। लेकिन मेरा मानना है कि भाजपा का हर एक कार्यकर्ता आने वाले चुनावों की तैयारी में लग गया है।

उन्होंने इस मौके पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और कहा कि वर्तमान सरकार के मंत्रियों और विधायकों ने अपने इस्तीफे सौंप रखे है। ऐसे में यह कल्पना करना मुश्किल है कि अगला बजट सरकार पेश करेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार की फोकस सिर्फ कुर्सी बचाना रह गया है। यही कारण है कि प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ गया है। मंत्री तक बलात्कार की घटनाओं पर विधानसभा में इसे हलके में लेकर टिप्पणी करते है कि यह मर्दों का प्रदेश है। इससे ज्यादा राजस्थान के चेहरे पर कांग्रेस क्या कालिख

नवलगढ़ में मंत्री शेखावत भाजपा कार्यकर्ताओं से गर्मजोशी से मिले।

■ **नवलगढ़ में हुआ मंत्री गजेंद्र सिंह का स्वागत**

■ **जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, सांसद नरेंद्र व पूर्व विधायक शुभकरण भी रहे मौजूद**

पोतेगी। लेकिन जनता तैयार है।

इस बार इनकी गिनती इतनी होगी कि एक गाड़ी में ही आने-जाने लायक बचेंगे। इस मौके पर पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजोर का भी अभिनंदन किया गया। स्वागत कार्यक्रम में राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनियां, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओमेंद्र चारण, पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड, महामंत्री सरजीत चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सुनील लांबा, भाजपा नेता कुबेर सिंह, जिला मंत्री रामस्वरूप सैनी, जिला परिषद सदस्य बीरबल गोदारा, पंचायत समिति सदस्य मेजर जयराम सहित सैंकडों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्यारदा बांध को बचाने के लिए ग्रामीणों का भूमाफिया के खिलाफ प्रदर्शन

हिण्डौन सिटी, (निसं)। महवा मार्ग स्थित क्यारदा खुर्द पंचायत में अंग्रेजों के जमाने के क्यारदा बांध को भूमाफिया द्वारा ट्रैक्टर ट्रॉली व चांटी चलाकर 3 दिन से खुर्द बुर्द कर रहे हैं। इसके विरोध में ग्रामीणों ने तहसील परिसर में भू माफियाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए उपखंड अधिकारी अनूप सिंह

■ **भूमाफिया पाल को तोड़कर खुर्द बुर्द कर अतिक्रमण किया**

को ज्ञापन दिया। सैकड़ों ग्रामीणों ने तहसील परिसर में प्रदर्शन करते हुए बताया कि अंठोजों के जमाने के ऐतिहासिक क्यारदा बांध को भूमाफिया ने पाल को तोड़कर खुर्द बुर्द कर अतिक्रमण कर लिया। ग्रामीणों ने मंगलवार को मौके पर पहुंचकर भू माफियाओं के ट्रैक्टर ट्रॉलियों को बंद करवा कर भगा दिया। ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को बताया कि भू माफियाओं की नजर क्यारदा बांध पर टिकी हुई है।

भूमाफिया द्वारा बांध की पाल को ट्रैक्टर, जेसीबी और चांटी लगाकर समतल कर कब्जा किया जा रहा है। भूमाफिया द्वारा बांध के अंदर चारदीवारी का निर्माण कराया जा रहा है। इस बांध से 80 से अधिक गांवों की जलापूर्तिहोती थी और वर्तमान में पानी लाने के लिए ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा चंबल का पानी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। काम नहीं रोका गया तो सैकड़ों ग्रामीणों द्वारा जन आंदोलन, धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

ग्रामीणों ने बांध की भूमि खुर्द-बुर्द करने के विरोध में ज्ञापन दिया।

पंचायत 20 एलएम में सिंचाई प्रभावित, किसानों में आक्रोश

अनूपगढ, (निसं)। ग्राम पंचायत 20 एलएम में एलएम माइनर के डब्लयू माइनर को देर रात शरारती तत्वों के द्वारा तोड़ दिया गया है। जिससे टेल के किसानों की सिंचाई पानी की बारी पिट गई है। आज सुबह जब किसानों को इस घटना का पता चला तो मौके पर काफी किसान इकट्ठे हो गए। किसान अमृत पाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सिंचाई विभाग के द्वारा कुछ समय पूर्व एल एम माइनर के मोघों का दुरुस्तीकरण किया गया था। सिंचाई विभाग के द्वारा अब माइनर में सिंचाई पानी छोड़ा गया था, मगर देर रात शरारती तत्वों के द्वारा डब्लयू माइनर के मोघो को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। जिससे टेलो के किसानों की सिंचाई पानी की बारी प्रभावित हो चुकी है। किसानों ने बताया कि इस समय किसानों को सिंचाई पानी की अत्यंत आवश्यकता है, अगर उन्हें सिंचाई पानी समय पर नहीं मिलता तो उनकी फसलें खराब हो जाएंगी। किसानों ने इसकी सूचना विभाग के अधिकारियों को दे दी है।

घरेलू पर्यटकों में बंगाल से राजस्थान आते हैं सर्वाधिक पर्यटक

सेतु का कार्य कर रहा है आरटीडीसी-रतनू

बीकानेर, (कासं) राजस्थान पर्यटन विकास निगम आरटीडीसी.के कोलकाता व नॉर्थ ईस्ट प्रभारी अधिकारी हिंगलाज दान रतनू ने मंगलवार को बीकानेर में कहा कि राजस्थान विश्व मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। आरटीडीसी व पर्यटन विभाग के ऊर्जावान अधिकारियों की टीम इस हेतू सदैव तत्पर एवं प्रयत्नशील रही है। इसके लिए आरटीडीसी पश्चिम बंगाल एवं राजस्थान को जोडने का भरसक प्रयास कर रही है । उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल और राजस्थान के बीच आरटीडीसी एक सेतु की तरह कार्य कर रहा है।

कोलकाता में राजस्थान सूचना केंद्र में बतौर सहायक निदेशक का कार्यभार भी देखने वाले बीकानेर आए रतनू आज वाया दिल्ली फ्लाइट से होते हुए कोलकाता रवाना हुए। इससे पहले नाल स्थित सिविल एयरपोर्ट पर बातचीत करते हुए रतनू ने कहा कि देशभर में घरेलू पर्यटकों (डोमेस्टिक) में सबसे अधिक बंगाल से ही राजस्थान भ्रमण पर आते हैं। उन्होंने कहा कि बंगाली एवं नॉर्थ इस्ट पर्यटकों की खासियत यह है कि वे राजस्थान के प्रत्येक दर्शनीय स्थल (मॉन्यूमेंट्स) को कैमरे में छवि के रुप में तो देखते ही है इसके साथ-साथ कलमबद्ध भी करते हैं एवं आने वाली पीढ़ी तक राजस्थान के इतिहास एवं संस्कृति, कला, साहित्य, पुरा वैभव को हस्तांतरित करते हैं।

उन्होंने बताया कि बंगाल से दुर्गा पूजा वेकेशन पर राजस्थान आने वाले पर्यटक अतिथियों की संख्या वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बढ़ी है। दीपावली, नववर्ष पर भी अच्छी खासी बुकिंग आरटीडीसी द्वारा की गयी है। इसके पीछे राजस्थान पर्यटन विकास निगम के उच्चाधिकारियों की कार्यशैली, आरटीडीसी प्रबंधन की सकारात्मक सोच प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की पुरा वैभव, हैरिटेज, हॉस्पिटेलिटी, परम्पराएं, वेशभूषा, तीज-त्यौंहार पर्यटक अतिथियों को सदैव आकर्षित करते हैं।

रतनू ने यह भी कहा कि आरटीडीसी अतिथि पर्यटकों की आवभगत, संरक्षा, सुरक्षा तथा अतिथि देवो भव: की भावना को प्रतिष्ठित करने में देश में सदैव अग्रणी रहा है। रतनू ने बताया कि आरटीडीसी, राजस्थान सूचना केंद्र और राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता में राजस्थान व बंगाल को जोड़ते हुए मिलकर कार्य कर रहे हैं। चाहे वो पर्यटन, सामाजिक, सांस्कृतिक, औद्योगिक क्षेत्र हो सभी स्तर पर कार्य बेहतर रुप में किया जा रहा है। रतनू ने 7 और 8 अक्टूबर को जयपुर में हुए राजस्थान विकास में ओर तेजी आए उसके लिए आयोजित हुए अतिभव्य 'इन्वेस्ट राजस्थान' कार्यक्रम में भी भाग लिया। उन्होंने बताया कि राजस्थान धीरे-धीरे निवेशकों की पसंद बन गया है क्योंकि यहां व्यापार करने में आसानी और निवेशकों के अनुकूल नीतिगत ढ ांचा प्रदान किया जाता है। नाल स्थित सिविल एयरपोर्ट के टर्मिनल मैनेजर विवेक यादव, एयरपोर्ट के सुरक्षा अधिकारी इंस्पेक्टर वसीम उस्ता, उप सुरक्षा अधिकारी सुंदरलाल, नाल पंचायत के पूर्व वार्डपंच ओमप्रकाश सोनी ने हिंगलाज दान रतनू से शिष्टाचार मुलाकात भी की।

संक्षिप्त

लूट का खुलासा नहीं होने पर ज्ञापन

पावटा, (निसं)। सत्ताईसा राजपूत समाज हरीसिंह खेलना संरक्षक, रानी रत्ना कुमारी, दशरथ सिंह शेखावत अध्यक्ष सत्ताईसा के नेतृत्व मे राजेंद्र यादव गृह राज्य मंत्री राजस्थान सरकार को ज्ञापन सौपते हुए बताया कि टसकोला गांव में नरेन्द्र सिंह के साथ लूटपाट एवं गोलीबारी हुये एक माह से अधिक समय व्यतीत हो गया। अभी तक कैश, मोबाइल एवं अन्य लूटे गये दस्तावेज बरामद नहीं हुये हैं। इससे समाज में रोष बढ रहा हैं। वही राजेंद्र यादव गृह राज्य मंत्री राजस्थान सरकार ने अभी तक पकडे गये दो अभियुक्तों तथा फरार अभियुक्तों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए अवगत कराया कि पुलिस पूरी मुस्तैदी से कार्यवाही कर रही है। लुटेरे शीघ्र ही पकडे जायेंगे। राजेंद्र यादव गृह राज्य मंत्री राजस्थान सरकार ने पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण मनीष अग्रवाल को और मुस्तैदी से प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करने के लिए कहा।

9वीं क्लास की छात्रा से गैंगरेप

जयपुर, (निसं)। 9वीं क्लास की छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। पडोस में रहने वाले तीन युवकों ने उसका किडनैप किया था। होटल में ले जाकर तीनों आरोपियों ने उसके साथ रेप किया। दौलतपुरा थाने में नाबालिग पीडिता ने सोमवार देर शाम रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एसीपी (चौमूं) राजेन्द्र सिंह ने बताया कि दौलतपुरा निवासी 14 साल की लड़की से गैंगरेप हुआ। वह एक प्राइवेट स्कूल में 9वीं क्लास में पढाई करती है। करीब 3 महीने पहले तीन पडोसी युवकों पर किडनैप कर गैंगरेप करने की दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया है कि शाम करीब 7 बजे वह घर से किसी काम से जा रही थी। कॉलोनी में ही रहने वाले तीनों आरोपियों ने उसे कार में बैठा लिया। तीनों उसे एक होटल में ले गए। होटल के रुम में बारी-बारी से उसके साथ रेप किया। जिसके बाद किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डरी-सहमी रहने पर परिजनों के दबाव बनाकर पूछने पर बेटी ने आपबीती सुनाई। सोमवार शाम पीडिता को लेकर परिजन थाने पहुंचे। तीनों आरोपी पडोसियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पीडिता के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी आज

टोंक (निसं)। जयपुर विद्युत वितरण निगम लि. टोंक द्वारा विद्युत के अतिआवश्यक रखरखाव कार्य करने के कारण 12 अक्टूबर को बग्गीखाना व हाऊसिंग बोर्ड केवी जीएसएस टोंक निकलने वाले 11 केवी फीडर कम्पू व सुभाष बाजार पर 9 से दोपहर 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। सहायक अभियंता अ प्रथम ने बताया कि बिजली कार्य के चलते कम्पू, जेल रोड, डाईट रोड, नैनसुख की बगिया, शंकरपुरा चौराहा, बैरवाओं का मौहल्ला, पांचबत्ती से घंटाघर, संघपुरा, अम्बिका कॉलोनी, नगर परिषद कॉलोनी, दौलत गेस्ट हाऊस, बस स्टेंड न्यू, छावनी आदि क्षेत्रो की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी।

बाप ने ही किया था बेटी का मर्डर, दो साल बाद खुलासा

अलवर, (निसं)। अलवर के मालाखेडा थाना क्षेत्र के कलसाडा गांव में दो साल पहले 19 साल की बेटी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने युवती के पिता को ही गिरफ्तार किया है। जो घटना के 10 दिन बाद से फरार था। पुलिस ने 10 अगस्त 2020 को हुई हत्या के बाद अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। उस समय किसी को पता नहीं था कि पिता ने ही बेटी की हत्या की है। अब मामले का खुलासा हुआ है।

मालाखेडा थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि 10 अगस्त 2020 को बाबूलाल मीना ने अपनी ही बेटी हीना की खेत में गोली मार कर हत्या

■ हत्या के पीछे कारण आरोपी पिता की बेटी व बेटे के साले के बीच अफेयर होना पाया गया

कर दी थी लेकिन उस समय यह किसी को पता नहीं लग पाया था कि हत्या किसने की। पुलिस इस मामले में बराबर जांच में लगी थी। कई सबूत हाथ लगने के बाद पुलिस ने अब उसी के पिता बाबूलाल मीना को गिरफ्तार किया है। जो अपने बेटे के साले की हत्या करना भी चाह रहा था। असल में हत्या के पीछे आरोपी पिता की बेटी व बेटे के साले के बीच अफेयर होना पाया गया है। जो पिता को रास नहीं आया। इसके बाद बेटी को खेत में बुलाकर उसे गोली मार दी थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के बारे में बताने पर 5 हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया था। हालांकि पुलिस ने 10 अगस्त 2020 की हत्या के मामले का दो साल करीब दो महीने बाद खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी को कई दिन रिमांड पर लिया। इसके बाद यह पूरी कहानी पता लगी है। अभी पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ जारी है। कुछ अलग तथ्य भी मिल सकते हैं। इस मामले में थाना प्रभारी के अलावा महावीर प्रसाद, सत्यवीर सिंह व जगदीश सहित कई पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही है।

अलवर की मालाखेड़ा पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार किया।

गौ रक्षा कमांडो फोर्स गोवंश की जीवन रक्षा का विकल्प बन सामने आया

लालसोट, (निसं)। क्षेत्र में लंपी स्किन डिजीज वायरस से जूझ रहे गोवंश को गौ रक्षा कमांडो फोर्स की युवा टीम जीवन रक्षा का एकमात्र विकल्प बनकर सामने आ रहा है। भूतेश्वर गौ रक्षा कमांडो फोर्स के अध्यक्ष रमेश जालवाला ने बताया कि पिछले कई सालों से गौ संरक्षण के लिए कार्य कर रही यह गौ रक्षा कमांडो फोर्स गौ रक्षा दल गंभीर अवस्था से पीडित गोवंश को जीवनदान देने का कार्य कर रहे हैं।

गौ रक्षा कमांडो फोर्स के युवा इस तरह के गोवंश का इलाज हाथों से कर रहे हैं जिसे देखने मात्र से ही दिल दहल जाता है। मौजूदा समय में लंपी वायरस से ग्रसित गोवंश को खुद के स्तर पर संसाधन एकत्र कर मौत के कगार पर खडे गोवंश को बचाकर धार्मिक भावनाओं को आहत होने से बचाने का कार्य भी कर रहे हैं। इस लंपी वायरस संक्रमण काल के दौरान कोई ऐसी जगह नहीं है जहां पर इस वायरस से संक्रमित गोवंश तडपता नहीं दिखाई दे रहा हो।

दूरभाष या अन्य संचार माध्यम से मिली सूचना के आधार पर गौ रक्षा दल मौके पर पहुंचता है एवं चाहे गोवंश संक्रमित हो कर पीडित हो या फिर किसी दुर्घटना का शिकार होकर मौत के कगार पर खडा हो, यह गौ रक्षा कमांडो फोर्स की युवा टीम उसे बचाने की जद्दोजहद में जुट जाती ह।. वही आखरी प्रयास तक उस गोवंश की सेवा कर उसे बचाने का प्रयास करती रहती है। डीडवाना ग्राम स्थित भूतेश्वर गौशाला में संक्रमण से ग्रसित गोवंश का गौ रक्षा कमांडो फोर्स द्वारा खुद के स्तर पर फंड इकट्ठा कर इलाज किया जाता है। गोवंश को संक्रमण से बचाने के लिए इस युवा फोर्स द्वारा गोवंश को आयुर्वेदिक दवाई के रूप में लड्डू बनाकर खिलाने का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। वही सरकारी स्तर पर गोवंश के लिए किए जा रहे संरक्षण के प्रबंध नाकाफी होने के चलते लोगों में रोष भी व्याप्त है। वही लोगों द्वारा सरकार से गो संरक्षण के लिए ज्यादा तेजी से कार्य कर बजट आवंटन सहित अन्य सुविधाएं देने की मांग की गई है।

■ युवा कर रहे गंभीर अवस्था के गोवंश की देखरेख

बीमा एजेंटों ने किया प्रदर्शन

टोंक, (निसं)। भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा टोंक में लियाफी अध्यक्ष रामलाल गुर्जर संडीला के नेतृत्व में बीमा अभिकर्ताओं ने हडताल पर रहकर विभिन्न मांगों को लेकर भारत सरकार एलआईसी मैनेजमेंट के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया गया।

लियाफी अध्यक्ष रामलाल गुर्जर ने बताया कि लियाफी की मुख्य मांग पॉलिसी धारकों के बोनस में वर्दी की जाए, बीमा पॉलिसी में जीएसटी हटाया जाए, अभिकर्ता के ग्रेच्युटी में वर्दी की जाए, अभिकर्ताओं के कमीशन बढ ाया जाए, पेंशन योजना लागू की जाए, अनक्लेम राशि का उपयोग पॉलिसी धारकों के बोनस में वर्दी एवंम अभिकर्ताओं के हित में किया जाए, इस मौके पर भंवर लाल शर्मा, शिव प्रकाश विजय, रमेश गढ वाल, राजेंद्र शर्मा, महेंद्र प्रकाश खंगार, सचिन राजौरा, बंटी नामा, राजकुमार सैनी, हनुमान वर्मा, महावीर अजमेरा, रामावतार शर्मा, अक्षय गिरी, कमल सागरवाल, मोहन लाल मीणा विनय जोशी लेखराज प्रजापत दीपक सैनी पंकज सैनी, दीपक महावर आदि बंधुओं ने धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगों के लिए विरोध प्रदर्शन कर धरना दिया गया। अभिकर्ता ने 11 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक हडताल रखी है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर हौसलों की उड़ान के लिए किया प्रेरित

मंडावरी, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर विभिन्न राजकीय विद्यालयों में बालिकाओं को हौसले की उडान के लिए प्रेरित किया गया। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर विद्यालयों में होली परिचर्चा के दौरान विभिन्न बालिका कल्याण से जुडे विषयों पर आपसी संवाद का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। महारिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को बडे धूमधाम से मनाया गया एवं बालिकाओं के हौसलों को मजबूत करने के लिए प्रेरणादाई विषयों पर संवाद किया गया।

■ बालिका कल्याण से जुड़े विषयों पर संवाद कार्यक्रम

व्याख्याता कमलेश गौतम द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर कार्यक्रम में बालिकाओं के शारीरिक बौद्धिक एवं मानसिक विकास के साथ चारित्रिक पक्ष से संबंधित अनेक बिंदुओं पर चर्चा कर बालिकाओं की शंका का समाधान किया गया। कार्यक्रम के दौरान रुचिका अग्रवाल द्वारा महिला सशक्तिकरण से संबंधित विषय पर प्रस्तुति देते हुए बिगडते लैंगिक अनुपात के संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। स्थानीय विद्यालय की छात्रा गोरा गांव लक्ष्मी सैनी कोमल शर्मा कोमल मीणा वैशाली शबाना बानो एवं डोली मीणा ने बालिकाओं के समक्ष आने वाली अनेक पारिवारिक शैक्षिक और सामाजिक समस्याओं पर अपने बेबाक विचार रखकर आने वाली समस्याओं के बीच खुद के स्तर पर ही समाधान ढ ूंढ ने पर प्रकाश डाला गया। बालिका दिवस के कार्यक्रम की अध्यक्षता छात्र रेखा मीणा द्वारा की गई एवं कार्यक्रम के अंत में सकारात्मक परिचर्चा के सफल संचालन एवं सहभागिता के लिए प्रभारी सह प्रभारी एवं बालिकाओं का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल स्टाफ सहित कई छात्राएं मौजूद रही।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर महारिया उच्च माध्यमिक विद्यालय में संवाद कार्यक्रम में छात्राओं ने भाग लिया।

चाकसू। माध्यमिक बालिका आदर्श विद्या मन्दिर में मंगलवार को हमारी लाडो नींव फाउंडेशन के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय बलिका दिवस मनाया गया। विद्यालय की कक्षा 6 और 7 की 28 छात्राओं ने लडकियां भागे; सबसे आगे का नारा लगाते हुए 5 किलोमीटर की दौड की। दौड की शुरुआत विद्यालय प्रांगण से बालिका प्रधानाचार्य सीमा शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर दौड के मध्य में बालिकाओं के लिए समाजसेवी मनोहर करनानी द्वारा अल्पाहार की व्यवस्था की। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को मेडल, प्रमाण से सम्मानित कर पढ ाई संबंधित सामग्री उपहार में दी गई।

श्रीमाधोपुर। महात्मा गाँधी पी.जी कॉलेज, श्रीमाधोपुर में मंगलवार को अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। प्राचार्य डॉ वी.के. सैनी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर चित्रकला की असिस्टेंट प्रोफेसर मनीषा चौधरी के सानिध्य में महाविद्यालय प्रांगण में विधार्थियों द्वारा रंगोली बनाकर बेटी बचाओ, बालिकाओं को आगे बढने एवं जागरूक रहने का संदेश दिया। चित्रकला विभाग के विधार्थी निखिल सैनी, करण सैनी, कुलदीप कुमावत, विक्रम, अमित, मनीष, शिम्भु द्वारा रंगोली सजाई गई। इस अवसर पर व्याख्याता विजेंद्र कुमार, वीरेन्द्र यादव, करीना कुमावत, राकेश शर्मा, कैलाश बिजारणिया, शिल्पी मामोडिया, आशा सैनी, सुमित्रा सिंह, मनीष अठावाल, रामसिंह, दिनेश डोडवाडिया सहित संपूर्ण महाविद्यालय स्टॉफ मौजूद था।

जिला सीनियर शतरंज प्रतियोगिता 17 से

श्रीमाधोपुर, (निसं)। सीकर जिला शतरंज संघ के सचिव एडवोकेट गिरिराज शर्मा ने बताया कि पंडित जयनारायण शर्मा स्मृति जिला सीनियर शतरंज प्रतियोगिता 17 से 19 अक्टूबर तक स्टेशन रोड पर स्थित खंडेलवाल वैश्य पटवारी धर्मशाला श्रीमाधोपुर में होगी। संघ के सचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में प्रथम चार स्थानों तक पंडित जयनारायण शर्मा स्मृति कप व 5100, 3100, 2100, 1100 के नगद पुरस्कार दिए जाएंगे व जूनियर बेस्ट, बालिका श्रेष्ठ, वरिष्ठ खिलाडी को भी विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के चयनित चार प्रतियोगी 28 अक्टूबर से उदयपुर में आयोजित हो ने वाली राजस्थान राज्य सीनियर शतरंज प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगी प्रविष्टि फार्म कोषाध्यक्ष दीपक राव से प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यालय नगर पालिका लालसोट जिला दौसा (राज.)

क्रमांक न.पा.ला.2022/361 दिनांकः-11/10/2022

आपत्ति विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका लालसोट द्वारा श्री हुसैन खां पुत्र श्री रहमान खां निवासी ईदगाह कॉलोनी, लालसोट को सखरा नं. 127,128,129 में पट्टा संख्या 1189 दिनांक 24.06.2005 के द्वारा 150 वर्गगज आवासीय पट्टा जारी किया गया था। इसके पश्चात् पट्टाधारक की मृत्यु दिनांक 01.05.2014 को हो जाने के कारण उक्त पट्टे का नाम हस्तान्तरण सजरा सहमति शपथ पत्र के आधार पर वारिसान श्रीमती रहिसा बेगम पत्नी श्री हुसैन खां निवासी ईदगाह कॉलोनी के नाम करवाने हेतु पत्रावली प्राप्त हुई है।

इसलिये किसी भी संस्था/व्यक्ति के द्वारा कोई आपित्त हो तो सात दिवस में मय सबूत के साथ अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करे। सूचित रहे।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, लालसोट

OFFICE THE GRAM PANCHAYAT SIMRALA JAGEER PS-SRIMADHOPUR (SIKAR)

No.Eproc/2022-23/198 Date: 11/10/2022

E-Tender Notice No. 01/2022-23

Bids for open tender of procurement Of Construction Material for Work in MGNREGA And Other Scheme in Gram Panchayat at SIMRALA JAGEER Panchayat Samiti Srimadhopur (Sikar) are invited from Firms/ Suppliers Registered Under the GS1 act 2017,6.00 PM of 19-10-2022. Other particulars of the bid may be visited on the procurement Portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and at Gram Panchayat SIMRALA JAGEER Office in all working days.

UBN No.: SMD2223GLRC00320

SARPANCH, GRAM PANCHAYAT, SIMRALA JAGEER, PANCHAYAT SAMITI SRIMADHOPUR
VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER, GRAM PANCHAYAT, SIMRALA JAGEER, PANCHAYAT SAMITI SRIMADHOPUR

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/4172-73 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-10.10.2022

श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री चोथमल निवासी वार्ड नम्बर 28 अम्बेडकर पार्क के पास हरिजन बस्ती कस्बा श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगरपालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये हैं।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.28 अम्बेडकर पार्क श्रीमाधोपुर	चर्तुसीमाएँ निम्न प्रकार से है पूर्व दिशा में मंगलचन्द का मकान, पश्चिम दिशा में सीताराम का मकान, उत्तर दिशा में आम रास्ता व दक्षिण दिशा में सीताराम का मकान अवस्थित है।	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम 10 फुट, उत्तर से दक्षिणी 23 फुट कुल क्षैत्रफल 25.55 वर्गगज या 21.36 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 10.10.2022 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

सांभर लवणीय झील का किया निरीक्षण, नहीं मिला मृत पक्षी व मवेशी

सांभरझील, (निसं)। लवणीय झील में आने वाले अनेक प्रजातियों के पक्षियों की सुरक्षा की लिहाज से वन विभाग, पशुपालन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की ओर से करीब 30 किलोमीटर तक सर्वे किया गया। उक्त विभागों के अधिकारियों की ओर से संयुक्त भ्रमण के दौरान झील क्षेत्र में मृत मवेशियों के डाले जाने व प्रवासी पक्षियों पर मंडरा रहे खतरे की खबर भी झूठी निकली।

अधिकारियों की ओर से भ्रमण के पश्चात जब कहीं पर भी कोई मृत पक्षी व मवेशी नहीं पाया गया तो अधिकारियों ने राहत की सांस ली। पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक क्षेत्र डॉ उम्मेद सिंह, तहसीलदार सांभर हरि सिंह राव, पशुपालन विभाग के उपनिदेशक

■ वन, पशुपालन व राजस्व विभाग के अधिकारियों ने किया सर्वे

डॉक्टर पदमचंद कानखेडिया व डॉक्टर विकास शर्मा, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी फुलेरा राज सिंह शेखावत, भूअभिलेख निरीक्षक धन्नाराम मीणा व वनपाल जोबनेर श्याम श्री शर्मा की ओर से निरीक्षण के दौरान झील का हर्क्षेत्र खंगाला गया।

जांच पडताल में पाया कि वर्तमान में प्रवासी पक्षियों को किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। इसके अलावा सर्वे टीम में शामिल उपरोक्त सभी अधिकारियों की ओर से सांभर झील क्षेत्र के नलियासर, रतन तालाब, झपोक बांध, शाकंभरी माता मंदिर, नगर पालिका सांभर के डंपिंग यार्ड, काचरोदा नर्सरी का भी गहराई से निरीक्षण कर आगामी कार्रवाई के लिए उचित निर्णय लिए। बताया गया कि झील क्षेत्र में कोई मृत पक्षी व मवेशी नहीं मिला है और न हीं कोई बीमार पक्षी पाया गया है।

यह भी बताया गया कि इस संबंध में कचरोदा नर्सरी में पशुपालन विभाग द्वारा लगाए गए अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा किसी बीमार प्रवासी व मृत पक्षी की सूचना नहीं दी गई है। नर्सरी में स्थाई रूप से रेस्क्यू सेंटर पहले से ही संचालित किया हुआ है। एहतियात के तौर पर झील क्षेत्र में पर्यवेक्षक एवं निरीक्षण करने हेतु एक टीम का गठन किए जाने का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों के पास भिजवाया जा रहा है। इसके तहत राज्य स्तरीय निगरानी दल में उपनिदेशक पशु रोग नियंत्रण, उपनिदेशक पशुपालन विभाग, उपनिदेशक पॉलीक्लिनिक कुचामन सिटी, उपनिदेशक पोल्ट्री लेब इसी प्रकार नोडल क्षेत्र फुलेरा हेतु गठित दल में विभिन्न विभागों की टीम में 10 अधिकारियों को शामिल किए जाने का भी प्रस्ताव मंजूरी के लिए उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा। फिलहाल सर्वे टीम में शामिल अधिकारियों की ओर निर्देश प्रदान किए गए की पशु चिकित्सा अधिकारी के सुपर विजन में आसपास मृत पाये जाने वाले पशुओं का वैज्ञानिक विधि से निस्तारण किया जाए तथा स्थानीय प्रशासन, नगर पालिका वन विभाग निकटतम स्थानीय ग्राम पंचायत का सहयोग व समन्वय के साथ कार्य को भली भांति से अंजाम दिया जाए।

वन विभाग, पशुपालन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की ओर से करीब 30 किलोमीटर तक सर्वे किया गया।

जयपुर विकास प्राधिकरण

इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर- 302004

क्रमांक: जविप्रा/जनसम्पर्क/2022/डी-वी-122 दिनांक: 11.10.2022

आम सूचना

निम्न योजनाओं के आवेदकों द्वारा अपनी सम्पत्ति के पट्टे/अन्य कार्य हेतु आवेदन प्रस्तुत किए गए है जिनका विस्तृत विवरण जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.urban.rajasthan.gov.in एवं जोन कार्यालय में देखा जा सकता है। इस संबंध में आपत्ति/सुझाव यदि हो तो 7 (सात) दिवस मय दस्तावेज संबंधित उपायुक्त जोन कार्यालय में प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	जोन	भूखण्ड सं.	सोसायटी/योजना का नाम	आवेदक का नाम
1.	9	98	शिव शंकर गृ.नि.स.स. की योजना शिव शंकर नगर उपविभाजन हेतु	श्री बद्री पुत्र स्व. श्री लादूराम मीणा
2.	10	खसरा नं. 69 से 75, 76/1, 77/1	ग्राम टोडीरमजानीुरा तहसील सांगानेर जिला जयपुर की निजी खातेदारी योजना में मोटल प्रयोजनार्थ से रिसोर्ट हाऊसिंग भू-उपयोग परिवर्तन हेतु आपति/सुझाव (15 दिवस)	श्रीमती राजकुमारी महेन्द्र कुमारी पुत्री सुदर्शन देवी
3.	9	9/CO/41	रिंग रोड परियोजना, लीजडीड जारी करने हेतु	अरविन्द गुप्ता पुत्र डॉ. एन.एच. गुप्ता
4.	9	350	कुसुम विहार योजना, लीजडीड जारी करने हेतु	अलक झा पुत्र श्री अम्बुजाकस ओझा
5.	12	127	जविप्रा की योजना भांकरोटा नाम हस्तान्तरण/फ्री होल्ड लीजडीड हेतु	श्रीमती बच्ची देवी पत्नि श्री रामू सिंह
6.	12	149	जविप्रा की योजना भांकरोटा नाम हस्तान्तरण/फ्री होल्ड लीजडीड हेतु	श्री सत्येन्द्र सिंह पुत्र श्री जयराम सिंह
7.	6	51	सुभाष सिंधी गृ.नि.स.स. की योजना नारायण नगर लीजडीड जारी करने हेतु	श्रीमती सम्पति देवी, राकेश, किशन पुत्र/पत्नी स्व. श्री मुकेश
8.	6	91	सुभाष सिंधी गृ.नि.स.स. की योजना नारायण नगर लीजडीड जारी करने हेतु	श्री राजेन्द्र पुत्र श्री कन्हैया लाल
9.	6	72	सुभाष सिंधी गृ.नि.स.स. की योजना नारायण नगर लीजडीड जारी करने हेतु	श्रीमती सुमित्रा पत्नी श्री मुन्ना लाल
10.	6	105	सुभाष सिंधी गृ.नि.स.स. की योजना नारायण नगर लीजडीड जारी करने हेतु	श्रीमती बीना पत्नी श्री मुन्ना लाल
11.	6	58	सुभाष सिंधी गृ.नि.स.स. की योजना नारायण नगर लीजडीड जारी करने हेतु	श्रीमती राधा देवी पत्नी श्री गोकुल हरिजन
12.	6	173	शिल्पाचार्य विश्वकर्मा गृ.नि.स.स. की योजना कल्याण कुंज लीजडीड जारी करने हेतु	श्री राकेश कुमार चौधरी पुत्र श्री महावीर कुमार
13.	6	21	श्री गणपति गृ.नि.स.स. की योजना गोविन्द नगर लीजडीड जारी करने हेतु	श्रीमती पप्पी देवी उर्फ पप्पू देवी पत्नी श्री रामलाल सैनी
14.	2	19	मित्र गृ.नि.स.स. की योजना जगदम्बा कॉलोनी (स्कीम नं. 7) फ्री होल्ड से लीजडीड हेतु	श्री चांद कौर पत्नी श्री हरजेन्द्र सिंह
15.	पृथ्वीराज नगर (दक्षिण-प्रथम)	120 एच (ख.नं. 40 का भाग)	विजय गृ.नि.स.स.लि. की योजना ग्रीन एवेन्यू लीजडीड जारी करने हेतु	श्री महेश चन्द पुत्र श्री छोटू
16.	7	91	अपोलो गृ.नि.स.स.लि. की योजना हीरा नगर-ए लीजडीड जारी करने हेतु	प्रकाश यादव
17.	7	40	अपोलो गृ.नि.स.स.लि. की योजना हीरा नगर-ए लीजडीड जारी करने हेतु	राजेन्द्र चौधरी
18.	7	55	अपोलो गृ.नि.स.स.लि. की योजना हीरा नगर-ए लीजडीड जारी करने हेतु	दीलीप श्रीवास्तव
19.	7	44	भैरव गृ.नि.स.स.लि. की योजना कुबेर नगर लीजडीड जारी करने हेतु	अनुपमा शेखावत
20.	7	बी-169	नेहरू गृ.नि.स.स.लि. की योजना आम्रपाली नगर लीजडीड जारी करने हेतु	माया देवी
21.	7	ए-33	नेहरू गृ.नि.स.स.लि. की योजना आम्रपाली नगर लीजडीड जारी करने हेतु	रामस्वरूप
22.	7	डी-186 डी-187	नेहरू गृ.नि.स.स.लि. की योजना आम्रपाली नगर लीजडीड जारी करने हेतु	नैनिहाल सिंह बुगालिया
23.	7	डी-184 डी-185	नेहरू गृ.नि.स.स.लि. की योजना आम्रपाली नगर लीजडीड जारी करने हेतु	धीरेश कुमार सैनी
24.	7	49	अपोलो गृ.नि.स.स.लि. की योजना हीरा नगर-ए लीजडीड जारी करने हेतु	भारती मिश्रा
25.	7	29	अपोलो गृ.नि.स.स.लि. की योजना हीरा नगर-ए लीजडीड जारी करने हेतु	अतुल सक्सैना
26.	7	11-ए	मणिक्यपुरी गृ.नि.स.स.लि. की योजना 10-ए स्कीम लीजडीड जारी करने हेतु	श्री भंवर सिंह
27.	7	31	अरविन्द नगर गृ.नि.स.स.लि. की योजना इन्द्रप्रस्थ लीजडीड जारी करने हेतु	रवि प्रकाश गुप्ता
28.	7	4	अरविन्द नगर गृ.नि.स.स.लि. की योजना इन्द्रप्रस्थ लीजडीड जारी करने हेतु	ज्योति जैन
29.	7	39	अपोलो गृ.नि.स.स.लि. की योजना हीरा नगर-ए लीजडीड जारी करने हेतु	विमल चौधरी व शीला चौधरी
30.	7	100, 101	अपोलो गृ.नि.स.स.लि. की योजना हीरा नगर-ए लीजडीड जारी करने हेतु	अखिल चौधरी व मंजूलता चौधरी
31.	7	29-ए	अपोलो गृ.नि.स.स.लि. की योजना हीरा नगर-ए लीजडीड जारी करने हेतु	मधू शर्मा
32.	7	15-ए	अपोलो गृ.नि.स.स.लि. की योजना हीरा नगर-ए लीजडीड जारी करने हेतु	भगवान सहाह जाटवा
33.	पीआरएन उत्तर-II	ए-6ए	मित्र गृ.नि.स.स.लि. की योजना समता नगर लीजडीड जारी करने हेतु	श्री जगदीश प्रसाद पुत्र श्री राधेश्याम
34.	12	184ए	बाबा आर.एन. गौड गृ.नि.स.स.लि. की योजना फ्रेण्डस कॉलोनी फ्री होल्ड पट्टा जारी करने हेतु	श्री दिलिप सिंह पुत्र श्री सम्पत सिंह
35.	पीआरएन (दक्षिण-द्वितीय)	A-14	संयुक्त गृ.नि.स.स.लि. की योजना विधानसभा नगर-ए लीजडीड जारी करने हेतु	राधादेवी अग्रवाल

लोक सूचना

क्र.सं.	जोन	खसरा नं.	सोसायटी/योजना का नाम	आवेदक का नाम
36.	14	खसरा नं. 551, 552, 771/594 (नवीन ख.नं. 806/771), 773/595 (नवीन ख.नं. 808/773) 777/628 (नवीन ख.नं. 810/777), 592 (नवीन ख.नं. 802/592) 593 (नवीन ख.नं. 804/593)	ग्राम मनोरियावाला तहसील सांगानेर जिला जयपुर की भूमि का आवासीय से व्यवसायिक प्रयोजनार्थ किये जाने हेतु	मैसर्स रियासत इन्फ्रा डवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड
37.	7	खसरा नं. 152	ग्राम मीनावाला, जयपुर में मित्र गृ.नि.स.स.लि. की योजना कृष्णा विहार बी की भूमि पर्यावसित कर राज्य सरकार के पक्ष में पुर्नग्रहित करने हेतु	छीतरमल पुत्र चौथ्या, जगदीश पुत्र रामनारायण, पारो पत्नि स्व. रामनारायण, महादेव पुत्र भोरिया, रेवड पुत्र भोरिया, रामकँवर पुत्र भोरिया

राज.संवाद/सी/8900/2022-2023 सचिव

संक्षिप्त

खराब फसल का मुआवजा दिलाने की मांग

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिले में अतिवृष्टि के कारण खराब हुई खरीफ की फसल के मुआवजा दिलाने को लेकर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में सवाई माधोपुर भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष कान जी मीणा के नेतृत्व में एक ज्ञापन राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया। ज्ञापन में अंकित किया गया कि सवाई माधोपुर जिले में अतिवृष्टि के कारण खरीफ फसल करीब-करीब पूरी खराब हो चुकी है। इस कारण फसल खराबे का सर्वे कराकर मुआवजा किसानों को दिलाया जावे एवं खरीफ की फसल बाजरा, तिल, उडद, मूंग, आदि की फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी है इस कारण हल्का पटवारी व गिरदवरों को आदेशित कर सर्वे रिपोर्ट तैयार कराकर किसानों को राहत दिलाई जाए एवं रबी की फसल के लिए हाइब्रिड बीज उपलब्ध कराया जाए। ज्ञापन देते समय सवाई माधोपुर के किसान सभा के तहसील सवाई माधोपुर के अध्यक्ष विजय राम मीणा, बद्री सरपंच, नारोली चोर सहित अनेकों किसान मौजूद थे।

फसलों में हुए नुकसान का जायजा लिया

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत जामडोली व रहड में किसानों की फसलों में हुए नुकसान का प्रधान रामअवतार लांगडी ने जायजा लिया। प्रधान लांगडी ने मोके पर ही अधिकारियों को गिरदावरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य सरकार से किसानों को मुआवजा दिलवाने की मांग की। इसी प्रकार रहड में सडक बनवाने की मांग को लेकर प्रधान रामअवतार लांगडी को ग्रामीण नेमीचंद गुर्जर के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान डीआर नरेश नायक, सत्यनारायण खटीक, बाबूलाल मीणा, सरपंच प्रतिनिधि मोहनलाल बैरवा, बाबूलाल मण्डालिया व भरतलाल मीणा सहित किसान मौजूद थे।

तीन घण्टे बिजली बंद रहेगी

निवाई, (निसं)। फीडर के मरम्मत कार्य को लेकर बुधवार को शहर में तीन घण्टे बिजली बंद रहेगी। कनिष्ठ अभियंता लक्की गोठवाल ने बताया कि विद्युत फीडर की मरम्मत के चलते सुबह 8 बजे से 11 बजे तक हाडा वाली ढाणी, कालू पटेल की ढाणी, जमात वनस्थली मोड, कोयला फीडर, महाराजपुरा, बस स्टेण्ड, पटेल रोड, लक्ष्मीनाथ मंदिर, कृष्णा कॉलोनी, मालियो का मोहल्ला, अस्सी फीट रोड, काली बाग रोड, बापू नगर, श्यामाप्रसाद मुखर्जी नगर, हरिओम नगर, आशाराम गौशाला के आसपास के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

पुत्री के जन्म पर दिया 5 किलो सरस घी

बोराज, (निसं)। जयपुर सरस डेयरी द्वारा संचालित ममता योजना के तहत मंगलवार को कस्बे में बोराज दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति की ओर से समिति अध्यक्ष कन्हैया लाल चौधरी व सचिव नोरतमल सैनी द्वारा दुग्ध उत्पादक सुमन कुमावत पत्नी नितेश राहोरिया के पुत्री जन्म पर सुमन कुमावत को सह सम्मान 5 किलो सरस देसी घी निशुल्क दिया गया। इस अवसर पर दुग्ध उत्पादक रामनाथ यादव, हीरा लाल कुमावत, लालचंद निमिवाल, ग्यारसी लाल बेहरा, कान्हा मंडोलिया आदि उपस्थित रहे।

मुलायमसिंह के निधन पर शोक

टोंक, (निसं)। समाजवादी पार्टी के मुखिया मुलायम सिंह यादव की आकस्मिक निधन पर जिले के समाजवादी कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सपा के जिलाध्यक्ष अक्कन खां, फतेह लाल, ऐजाज खां, अब्दुल मुनीम, रशीद खां, मुजाहिद मियां, अनीस खां, वाहिद मियां, अजीमुद्दीन, वसी अहमद एडवोकेट, रशीद अहमद अंसारी आदि ने समाजवादी पार्टी के मुखिया मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

साधारण सभा की बैठक 14 को

टोंक, (निसं)। पंचायत समिति टोंक की साधारण सभा की बैठक का आयोजन प्रधान सुनिता गुर्जर की अध्यक्षता में 14 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे पंचायत समिति टोंक के नवीन सभा भवन में आयोजित की जाएगी। विकास अधिकारी रामावतार यादव ने बताया कि बैठक में मनरेगा व मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना वार्षिक योजना कार्य योजना की पालना के संबंध एवं अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

दो सड़क हादसों में चार महिलाओं सहित दस लोग गंभीर घायल

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को हुए दो अलग-अलग सडक हादसों में चार महिलाओं सहित दस लोग गंभीर घायल हो गये। हादसों के बाद दिल्ली-जयपुर हाईवे पर कुछ समय के लिए जाम के हालात बन गये। हालांकि सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को यहां के राजकीय बीडीएम अस्पताल पहुंचाकर राजमार्ग सुचारू करवा दिया।

बीडीएम पुलिस चौकी प्रभारी भवानी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि राजमार्ग स्थित रॉयल होटल कट पर मंगलवार तडके एक निजी बस व टाटा कैंटर में भिड़ंत हो गई। जिसमें दोनों वाहनों में बैठी सात सवारियां गंभीर घायल हो गई। दुर्घटना में कैंटर चालक शिव कुमार (46) पुत्र बनेसिंह राजपूत निवासी सिंघाना चौक, नारनौल (महेन्द्रगढ) हरियाणा, छोटू (22) पुत्र चुन्हा खटीक, मंशा (23) पुत्र साधुराम खटीक दोनों निवासी गिलोल, बेहराज (यूपी), राम कैलाश (35) पुत्र बुद्दू जाति सरोज निवासी रैणी, बहरिया जिला इलाहाबाद समेत बस में बैठी रसुलन देवी (55) पत्नी गफ्फार मुसलमान निवासी फतेहगंज, फरीदपुर जिला बरेली (यूपी) हाल निवासी ग्राम बर्डोद, बहरोड (अलवर) राज., शशि प्रभा (38) पत्नी धर्मपाल जाट निवासी संगम विहार नई दिल्ली व सूरज (17) पुत्र महेन्द्र वाल्मिकी निवासी ग्राम नयाबास, बानसूर (अलवर) राज. घायल हो गये। इसी तरह राजमार्ग स्थित निकटवर्ती ग्राम पूतली के पास मारूति सुजुकी वर्कशॉप के सामने एक स्कूटी व बाईक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। जिसमें स्कूटी चालक मनोज कंवर (40) पत्नी विपिन सिंह राजपूत व कंवर देवी (60) पत्नी राधेश्याम सिंह शेखावत दोनों निवासी दौलत सिंह की ढाणी, बानसूर व बाईक चालक महेन्द्र (25) पुत्र पूरणमल मीणा निवासी ग्राम भालोजी कोटपूतली घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिए राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां सभी घायलों का उपचार जारी है।

सभी घायलों का बीडीएम अस्पताल में उपचार कराया गया तथा पुलिस ने जानकारी जुटाई।

- हादसों के बाद दिल्ली-जयपुर हाईवे पर कुछ समय के लिए जाम के हालात बने

अवैध निर्माण कार्य पर रोष

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे के बानसूर सडक मार्ग पर प्रशासन की अनदेखी के चलते नदी में हो रहे अवैध निर्माण कार्य को लेकर लोगों में रोष बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से प्रशासन की मिलीभगत से भू-माफियाओं द्वारा नदी क्षेत्र में करोडों रूपये की जमीन पर अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसको लेकर ग्रामीणों द्वारा प्रशासन को कई बार शिकायत की गई लेकिन प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

मंगलवार को ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री डॉ.रोहिताश शर्मा को शिकायत की तो उन्होंने मौके पर जाकर किये जा रहे निर्माण कार्य को देखा और तहसीलदार को फोन पर बात कर कार्रवाई के लिए कहा। इस दौरान पूर्व मंत्री ने प्रशासन द्वारा कार्रवाई के नाम पर डुलमुल रवैये को देखते हुए पुरुषोत्तमदास आश्रम में भू-माफियाओं द्वारा नदी में किये जा रहे निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों के साथ आगे की रणनीति बनाई और उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा जल्दी कार्रवाई नहीं की गई तो धरना प्रदर्शन किया जायेंगा। इधर एसडीएम सुनीता मीणा ने बताया कि लोगों द्वारा कार्यालय में आज शिकायत मिली है। तहसीलदार को जाँच के लिए कह दिया गया है। जल्दी ही जाँच कर नियमानुसार कार्रवाई की जायेंगी।

डीएलपी ने कांग्रेस की आशा नामा को दिया 60 दिन का कार्यादेश

मालपुरा, (निसं)। स्वायत शासन विभाग निदेशक हृदेश कुमार द्वारा मंगलवार को एक आदेश जारी कर कांग्रेस की पार्षद आशा नामा को आगामी 60 दिवस अथवा राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त अन्य आदेश के जारी होने तक मालपुरा नगरपालिका अध्यक्ष के पद का कार्यभार ग्रहण करने के लिए अधिकृत किया है। मालपुरा नगरपालिका में पालिका अध्यक्ष की कुर्सी को लेकर भाजपा व कांग्रेस में चल रही लडाई के चलते मालपुरा नगरपालिका राजनीति का अखाडा बन चुकी है।

कभी पालिका ईओ तो कभी पालिका अध्यक्ष के निलम्बन एवं स्थानान्तरण के चल रहे खेल के कारण मालपुरा शहर का विकास पूर्णरूप से अवरूद्ध पडा है। पानी-बिजली व सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भी शहरवासियों को मोहताज होना पड रहा है। निकाय चुनाव के दो साल की समयावधि मं मालपुरा नगरपालिका में डेढ दर्जन से अधिक अधिशाषी अधिकारी बदले गये तो पालिका के जेईएन अथवा एसडीएम को ईओ का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया। बीते 5 माह पूर्व नगरपालिका में हुई एसीबी की कार्यवाही के बाद तो मालपुरा पालिका को मानो विवादों का ग्रहण लग गया। इन 5 माह के दौरान लोकसेवक पालिका ईओ सुरेन्द्र मीणा को विभागीय जांच के चलते निलम्बित किया गया। जिस पर ईओ ने न्यायालय की शरण ले मंगलवार को निलम्बन आदेश पर न्यायालय का स्टे ले लिया। वही पालिका कार्यो में पति के हस्तक्षेप हवाला दे स्वायत शासन विभाग निदेशक ने भाजपा की पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी को निलम्बित कर कांग्रेस की आशा नामा को अध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया। 113 दिन की न्यायिक लडाई के बाद सोनिया सोनी के निलम्बन आदेश को न्यायालय ने बहाल तो किया लेकिन डीएलपी द्वारा 1 महीने तक विभागीय आदेश जारी नहीं किया। इसी समयावधि मे ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामदेव बैरवा की शिकायत पर डीएलपी निदेशक ने पुन: सोनिया सोनी को दूसरी बार निलम्बित कर मंगलवार को कांग्रेस की आशा नामा को दूसरी बार 60 दिन के लिए अध्यक्ष पद का कार्यभार सौंप दिया।

- पालिका ईओ तो कभी अध्यक्ष के निलंबन के चलते मालपुरा शहर का विकास अवरूद्ध

दो दिवसीय गणित विज्ञान कार्यशाला का शुभारंभ

टोंक, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिटी नंबर 12 में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के निर्देशानुसार दो दिवसीय गणित विज्ञान कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन एडीपीसी टोंक रमेश सिंह ने किया। इस अवसर पर रमेश सिंह ने सम्पूर्ण जिले से आए गणित विज्ञान की श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने वाले 50 वरिष्ठ अध्यापकों, व्याख्याताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गणित व विज्ञान विषय को रोचक बना व्यवहारिक जीवन से जोड अध्यापन करवाएं जिससे छात्रों में इन विषयों में रुचि उत्पन्न हो।

कार्यक्रम में रमेश चंद महावर, उपनिदेशक, कृषि प्रबंध प्रशिक्षण संस्थान, हनुमान प्रसाद बैरवा, यूपी निदेशक सआदत अस्पताल टोंक व उपनिदेशक कृषि उद्यानिकी टोंक राजेश सावत ने अपनी वार्ता रखी व प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन, अल्पाहार व भोजन की व्यवस्था में प्रधानाचार्य अशोक कुमार गुप्ता के साथ रवि चौहान, मोहनलाल व स्काउट के छात्रों ने सहयोग किया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला की व विद्यालय की सम्पूर्ण शानदार व्यवस्था पर खुशी जाहिर की। इस पर प्रधानाचार्य ने कहा कि कोई भी कार्य जब अपना स्वय का समझ कर किया जाए तो कार्य अच्छा अपने आप ही हो जाता है। गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को अपने अपने विद्यालय में इसी भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। व कहा कि जब विद्यालय के छात्रों को अपना बालक मान कर कार्य करेंगे तो आपका परिणाम भी अच्छा रहेगा साथ ही आपके बालकों को भी कहीं और कोई अपना बालक मान कर पढाएगा।

रेलवे पेंशनर सोसायटी की बैठक

फुलेरा, (निसं)। कस्बे की न्यू कॉलोनी स्थित वरिष्ठ नागरिक परिषद भवन परिसर में रेलवे पेन्शनर सोसायटी शाखा फुलेरा की मासिक बैठक का आयोजन रमेश चन्द वर्मा अध्यक्षता में किया गया। बैठक के प्रारंभ सर्वप्रथम दिवंगत साथियों को श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। जिसमें रेलवे हॉस्पिटल व यूएमआईडी कार्ड में आने वाली परेशानियों के बारे में अवगत कराया। वहीं बैठक के दौरान सेवानिवृत्त होकर आये नये सदस्य जिनमें एस. के. माथुर, मोहम्मद खलील, मोरमुकुट, भीकम चन्द, कन्हैया लाल बैरवा, लक्ष्मीलाल कुमावत, सतीश चन्द आदि का स्वागत किया गया। साथ ही रेलवे रामलीला कमेटी के पदाधिकारी दिनेश सुरोलिया, शैलेंद्र शर्मा, राजेश शर्मा, जितेंद्र घोडेला, श्याम लाल सैनी, दामोदर कुमावत का माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामेश्वर दास कुमावत, भूराभाई कोविद, महेश सहाय, लाल चंद कुमावत, सीपी त्रिपाठी, सत्येंद्र कुमार माथुर, रमेश कुमावत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिला प्रमुख ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिकाओं के खाते खुलवाये

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत मूण्डिया को आदर्श ग्राम पंचायत बनाने के जिला प्रमुख सरोज बंसल के संकल्प के तहत मंगलवार को ग्राम पंचायत में संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला प्रमुख ने मूण्डिया में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं बालिका माध्यमिक विद्यालय का अवलोकन करके अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत आयोजित शिविर में डाकघर के माध्यम से बालिकाओं के खाते खुलवाकर ग्रामीणों को अधिक से अधिक बालिकाओं के खाता खुलवाने के लिए प्रेरित किया।

जिला प्रमुख बंसल ने कहा कि बच्चों में पढ ाई के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सब ने मूण्डिया को आदर्श पंचायत बनाने का बीडा उठाया है इसमे पंचायत का पूरा सहयोग होना आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि आदर्श पंचायत में तालाब, खेल मैदान, शमशान, आंगन बाडी केंद्र को विकसित किए जाएंगे। पंचायत के प्रवेश क्षेत्र में सडक के दोनों और पेड लगाए जाएंगे।

उन्होंने ग्राम पंचायत को नशा मुक्त करने के लिए लोगों को प्रेरित किया। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि जिला प्रमुख बंसल के संकल्प को जल्दी साकार करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने होंगे। कृषि विज्ञान केन्द के प्रतिनिधि ने कहा कि आंगन बाडी केन्द्रों, स्कूलों एवं घरों मे किचन गार्डन विकसित किए जाएंगे। जिससे शुद्ध सब्जियां प्राप्त हो। इसी प्रकार फलदार पौधे भी लगाए जाएंगे। इस दौरान जिला प्रमुख ने विद्यालय के बाहर पोधारोपण करके मूण्डिया तालाब का निरीक्षण किया। पीईईओ सारिका सिंह ने विद्यालय विकास हेतु की गई विभिन्न घोषणाओं के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। जिला प्रमुख बंसल के साथ अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुरारीलाल शर्मा, विकास अधिकारी रानू इंकिया, अधिशाषी अभियंता नरेगा प्रेमचंद बैरवा, स्वछ भारत मिशन के जिला परियोजना समन्वयक दामोदर बैरवा, एवं पंचायत समिति सदस्य मुरलीधर मीणा सहित पंचायत राज के अधीन पांच विभागों के अधिकारी, सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

बालिका दिवस पर जिला प्रमुख सरोज बंसल (दाये से दूसरी) ने खाते खुलवा ग्रामीणों को अधिकाधिक खाता खुलवाने के लिए प्रेरित किया।

- नशा मुक्त करने के लिए लोगों को किया प्रेरित
- बच्चों में पढ़ाई के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी होने चाहिए : बंसल

लंपी की रोकथाम को लेकर 10 हजार गौवंश को लगाया गोट पॉक्स का टीका

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र में गौवंश मे फैल रहै लम्पी संक्रमण की रोकथाम एवं अब तक संक्रमण की चपेट से मुक्त रहे पशुओं को सुरक्षित रखे जाने सहित कोरोना की तरह लम्पी की दूसरी लहर की संभावनाओं को क्षेत्र में निष्क्रिय रखने की योजना को लेकर एसडीएम ने जनप्रतिनिधियों के माध्यम से पशुपालकों को गोट पॉक्स वैक्सीन टीकाकरण अभियान में सहभागी बनने पर जोर दिया। मंगलवार को पंचायत समिति सभागार मे एसडीएम रामकुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं सरपंचों ने भाग लिया।

पंचायतवार जनसमस्याओं पर चर्चा कर सरपंचों द्वारा बताई गई जनसमस्याओं पर त्वरित निस्तारण के लिए सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी नोडल प्रभारी डॉ.अनिल परतानी ने बताया कि विभाग की गणना में मालपुरा ब्लॉक में 37 हजार पशुओं के आंकडे है जिनमे से 22 हजार पशुओं को गोट पॉक्स वैक्सीनेशन के लिए चिन्हित किया गया है। विभाग के पशुधन सहायकों की टीमे बना पंचायतवार कैम्प लगा वैक्सीनेशन किया जा रहा है। अभियान के तहत मंगलवार तक क्षेत्र में 10 हजार पशुओं के टीकाकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। डॉ.परतानी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में आज भी बार-बार समझाइश के बावजूद पशुपालक वैक्सीनेशन अभियान में सहयोग करने मे आना-कानी कर रहे है। यदि समय रहते विभाग द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत पशुओं को वैक्सीनेशन नहीं करवाया गया तो कोरोना संक्रमण की तरह गौवंश में भी दूसरी लहर से इंकार नहीं किया जा सकता। डॉ.परतानी ने सभी सरपंचों से अपील करते हुए गांवों में लगने वाले कैम्पों में पशुओं को टीकाकरण करवाये जाने के लिए पशुपालकों से समझाइश की अपील की है साथ ही बताया कि पहले चरण में 22 हजार का लक्ष्य रखा गया है। आवश्यकता होने पर शेष पशुओं को भी वैक्सीनेशन किया जायेगा। आवश्यकता के अनुपात में वैक्सीन विभाग के पास उपलब्ध है। बैठक में मौजूद प्रधान सकराम चौपडा व विकास अधिकारी सतपाल कुमावत ने भी सभी सरपंचों से वैकसीन के प्रति पशुपालकों को जागरूक करने की अपील की।

मालपुरा ब्लॉक में नोडल प्रभारी डॉ. अनिल परतानी व उनकी टीम ने 10 हजार गौवंशों को गोट पॉक्स का टीका लगाया।

- एसडीएम ने जनप्रतिनिधि व अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई
- मालपुरा में लंपी संक्रमण की रोकथाम को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर

सार-समाचार

राजतिलक के साथ रामलीला का समापन

पावटा, (निसं)। कस्बे के राम लीला मैदान में आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वाधान मे प्रस्तुत किये जा रहे रामलीला मंचन में दशहरे के बाद लक्ष्मण द्वारा विभीषण को लंका की गद्दी पर बैठा कर राजतिलक करना, प्रभु श्री रामचंद्र की अयोध्या वापसी, भरत द्वारा प्रभु श्री राम को राजपाठ सौंपना, राजाराम के राजतिलक के बाद बजरंगबली के साथ समस्त अयोध्यावासियों द्वारा खुशियां मनाने तक की लीला संपन्न कराकर एवं सभी कलाकारों को पुरस्कार वितरण कर इस वर्ष की लीला को विराम दे दिया गया। इससे पूर्व दशहरे पर रावन का पुतला दहन के लिए जाते समय मुख्य मार्ग में पहुंचा जहां पर अग्रवाल महासभा पावटा सहित गणमान्य नागरिकों द्वारा राम दल का जोरदार स्वागत किया गया। रामलीला मंचन का भगवान श्रीराम के राजतिलक के साथ समापन हुआ। रामलीला मंचन व भगवान राम का राजतिलक देखने के लिए जन सैलाब उमडा। वही इस मौके पर पूर्व विधायक डॉ. फूलचंद भिंडा, पूर्व विधायक सुभाष शर्मा, पावटा प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, पावटा प्रागपुरा नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, पावटा प्रागपुरा नगरपालिका वाइस चेयरमेन नरपत सिंह, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि गोपाल अग्रवाल, अग्रवाल महासभा पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल, तहसील ब्राहमण महासभा पावटा अध्यक्ष राजेश शर्मा, व्यापार मंडल संस्थापक किशन गोयल, पावटा ब्राह्मण महासभा नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, महामंत्री चंद्र प्रकाश गौड, भामाशाह बलदेव गोयल, रामवतार गोयल, अनूप गर्ग, पावटा पूर्व उप सरपंच गिरिराज बोहरा, एडवोकेट दीपक गोयल सहित जनप्रतिनिधि, व्यापारी व गणमान्य नागरिक सहित नगरवासी मौजूद रहे।

खाटू में नृसिंह लीला का आयोजन

खाटूश्यामजी, (निसं)। कस्बें के मुख्य बाजार में विशाल नृसिंह लीला समिति द्वारा नृसिंह लीला का आयोजन किया गया। नृसिंह लीला का शुभारंभ होटल सवामणी के प्रबंध निदेशक अंकित अग्रवाल डब्बू ने भगवान नृसिंह की पूजा अर्चना कर गाजे बाजे के साथ फीता काटकर किया। लीला के शुभारंभ के पश्चात भगवान विष्णु के 24 अवतारों की झांकी सजाई गई। जिसमें पंचवीर, गणेशजी, ब्रह्मा जी, कच्छ मच्छ, अंगद, नर नील, केसरी वीर, सूर्य, मकरध्वज, वराह अवतार सहित भगवान नृसिंह ने दक्षिण भारतीय शैली में नृत्य किया। इसके साथ ही दिल्ली से आए मेहमान कलाकारों ने विभिन्न धार्मिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में समां बांधा रखा। इसके अलावा अनेक मनोरंजक कार्यक्रम भी दर्शकों को सम्पूर्ण रात्री रोका रखा। वहीं नागौर के लोक कलाकारों द्वारा कालबेलिया नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों ने भी खूब वाहवाही बटोरी। इससे पूर्व कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष ममता मुण्डोतिया, पार्षद राजू माटोलिया, नवीन दशहरा समिति के अध्यक्ष पप्पू शर्मा, खाटूधाम व्यापार मंडल अध्यक्ष रमेश स्वामी,पवन शर्मा पुजारी श्याम कुंड,रवि मथुरा वाले, कैलाश चन्द्र शर्मा,गोपाल व्यास, राजेन्द्र सरोज नीतीश अग्रवाल, दीपेन्द्र शर्मा, छोटूराम शेरावत का समिति के सदस्य दिनेश स्वामी, दीपक शर्मा, वरुण धुत ने साफा पहनाकर व प्रतिक चिन्ह देकर अभिनन्दन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक राजेन्द्र सरोज वह विकास सोनी ने किया।

जरूरतमंद बच्चों को चप्पल, जूते व फल बांटे

निवाई, (निसं)। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को बजरंग दल के संयोजक राकेश खारोल के नेतृत्व में देवधाम जोधपुरिया में देवनारायण भगवान के दर्शन करके गायों को हरा चारा खिलाया व सरावडिया नाडी में स्थित तालाब में मछलियों को आटा खिलाया एवं गरीब बस्तियों में गरीब व अनाथ बच्चों को चप्पल जूते व फल वितरित किए। इस अवसर पर खारोल ने कहा कि सभी को पाश्चात्य कुर्तीयों को त्याग करके अपने जन्म दिवस पर भारतीय संस्कृति के तहत पुण्य धर्म करने के साथ मनाए। इस दौरान उन्होंने बजरंगी कार्यकर्ताओं को भी शपथ दिलवाई। इस अवसर पर सहसंयोजक मुकेश खटाना, सुरेश बैंसला, मुकेश डोई, मुकेश मोरण, अशोक लांगडी, महेंद्र पोसवाल, दुर्गा वाहिनी कार्यकर्ता सुनीता सोनी, अनुराग, गणेश, राजकुमार परमार, जीतू माली, विकास खटीक, झंडू मीणा एवं हनी शर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति के आवेदन 31 अक्टूबर तक

टोंक, (निसं)। अल्पसंख्यक समुदाय के मुस्लिम, जैन, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध एवं पारसी के छात्र-छात्राओं की पोस्ट मैट्रिक व मैरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2022 हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, नितेश जैन ने बताया कि जिन राजकीय एवं निजी संस्था के प्रधानों ने अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति पोर्टल पर केवाईसी नहीं करवाया है वह कार्यालय में व्यक्तिगत या कार्यालय के दूरभाष नम्बर 01432-294509 पर सम्पर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि संस्था के रजिस्ट्रेशन एवं केवाईसी के अभाव में यदि कोई भी विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रहता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी सम्बन्धित संस्था प्रधान की होगी।

सर्दी का अहसास होने लगा

टोंक, (निसं)। जिले में नवरात्रा के बाद बीते दिनों से हो रही बरसात से रात को गुलाबी सर्दी का अहसास होने लगा है। रात के तापमान में गिरावट आने से रात को सर्दी का अहसास होने लगा है, लेकिन दिन में तापमान स्थिर बने रहने से दिन में अभी भी गर्मी का सामना करना पडता है। ग्रामीण इलाकों में खेतों पर काम करने वाले लोगों को रात के समय में ठडक महसूस होने लगी है। वहीं तापमान स्थिर बने रहने से तथा नमी की कमी के चलते सरसों की बुआई नहीं हो सकी है। बरसात ने किसानों के मंसुबों पर पानी फेर दिया। खेतों में पानी भर गया और सरसों की कोपले खराब हो गई। किसान सरसों की पैदावार की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन बरसात ने बोई गई सरसो की फसल का खराब कर दिया। दुबारा से बुआई करने की आवश्यकता रहेगी। किसानों को दीमक नियंत्रण व गेहूं, जौ की फसलों के लिए बीजोपचार करने की सलाह दी गई है।

स्किल वर्कशॉप का आयोजन

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। वेदांता ममता हेल्प संस्था के तत्वधान में संस्था द्वारा स्किल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन व ममता संस्था के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे नंद घर परियोजना के तहत ग्राम पंचायत रामपुरा डाबडी में नंदघर डाबडी फर्स्ट लाभार्थियों के लिए संस्था से कालूराम, किशन के द्वारा वनडे स्किल वर्कशॉप की गई। जिसमें गंगोत्री संस्था की तरफ से महिलाओं को सिखाने के लिए स्टाफ उपलब्ध कराया गया जिसमें 55 महिलाओं को कपडे से जोडकर बेडशीट बनाने को लेकर स्किल ट्रेनिंग दी गई। इस दौरान महिलाओं व वार्ड पंच, क्लस्टर कोऑर्डिनेटर खुशबू कुमावत, मीना चोपडा, ममता चौधरी आदि उपस्थित रहे।

आज 5 घंटे रहेगी विद्युत कटोती

मालपुरा, (निसं)। दीपावली पर्व पर विधुत लाईनों के रखरखाव को लेकर चान्दसेन फिडर से जुडे ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार को 5 घंटे विधुत कटोती रहेगी। विधुत निगम के सहायक अभियंता कदम वशिष्ट ने बताया कि बुधवार को चान्दसेन फिडर पर प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक विधुत कटोती घोषित की गई है।

मैं अपने खिलाड़ियों पर गौरवान्वित महसूस करता हूं। इस टीम में सभी युवा खिलाड़ी थे। जब हम इस सीरीज में पिछड़ गए थे तो भी हमने दबाव नहीं लिया। हां यह बात जरूर है कि मैंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया - शिखर धवन

भारतीय बल्लेबाज, भारत की दक्षिण अफ्रीका पर जीत पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

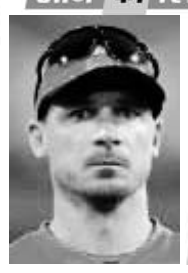

डेल स्टेन

दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी की जगह लेना किसी और गेंदबाज के लिए मुश्किल होगा और भारत को 16 अक्टूबर से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में उनकी कमी खलेगी। बुमराह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक हैं जो खेल के किसी भी स्तर पर समान रूप से प्रभावी हैं, खासकर डेथ ओवर में, जो कि पिछले कुछ समय से टीम इंडिया की सबसे बड़ी परेशानी है। भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल पावरप्ले की जिम्मेदारी बखूबी संभाल सकते हैं लेकिन वे स्लॉग ओवरों में उतने प्रभावी नहीं हैं।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टैस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टेस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

भारत ने द. अफ्रीका को सात विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला जीती

फिरकी में फंसी दक्षिण अफ्रीका, कुलदीप यादव ने लिये चार विकेट

नयी दिल्ली, 11 अक्टूबर। भारत ने स्पिन गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल की 49 रन की पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को तीसरे एकदिवसीय मैच में मंगलवार को सात विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली। दक्षिण अफ्रीका पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 99 रन पर सिमट गयी, जिसके बाद भारत ने 100 रन का लक्ष्य 19.1 ओवर में तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। भारत की ओर से स्पिनरों ने दर्शनीय प्रदर्शन करते हुए आठ विकेट झटके। कुलदीप यादव ने चार विकेट अपने नाम किये जबकि शाहबाज़ अहमद और वाशिंगटन सुंदर ने दो-दो विकेट लिये। इसके अलावा मोहम्मद सिराज ने भी दो विकेट चटकाये।

गिल ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 57 गेंदों पर आठ चौकों के साथ 49 रन बनाये, हालांकि वह एकदिवसीय क्रिकेट में अपने चौथे अर्द्धशतक से चूक गये और लक्ष्य से सिर्फ तीन रन की दूरी पर आउट हो गये। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने छक्का लगाकर भारत को जीत तक पहुंचाया।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और स्पिनर शुरू से ही दक्षिण अफ्रीका पर हावी रहे। सुंदर ने पारी के तीसरे ओवर में सलामी बल्लेबाजी क्विंटन डी कॉक को छह रन पर चलता किया। मोहम्मद सिराज ने यानेमन मलान (15) और रीज़ा हेंड्रिक्स (03) का विकेट निकाला, लेकिन इसके बाद की पारी पूरी तरह से फिरकी गेंदबाजों के नाम रही। शाहबाज़ ने एडेन मार्करम को नौ रन पर चलता किया, जबकि सुंदर ने कप्तान डेविड मिलर को सात रन पर बोल्ड किया। हेनरिक क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन वह भी 42 गेंदों पर चार चौकों के साथ 34 रन बनाकर शाहबाज़ का शिकार हो गये।

कुलदीप (18/4) ने 26वें ओवर में बिना रन दिये ब्योर्न फोर्टिन और आनरिक नॉर्खेया का विकेट निकाला। दक्षिण अफ्रीका के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके और मार्को जैनसेन (14) का विकेट गिरने के साथ प्रोटियाज की पारी को 27.1 ओवर में 99 रन पर समाप्त हुई। यह दक्षिण अफ्रीका का भारत के खिलाफ सबसे छोटा और एकदिवसीय क्रिकेट में उनका चौथा सबसे छोटा स्कोर है। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तेज़ शुरुआत की और गिल ने शिखर धवन के साथ पहले विकेट के लिये छह ओवर में 42 रन जोड़े। धवन हालांकि आठ रन के निजी स्कोर पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गये।

पहली बार महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में थाईलैंड

बंगलादेश और यूएई के बीच मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने पर मिला फायदा

सिलहेट, 11 अक्टूबर। थाईलैंड ने बंगलादेश और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद मंगलवार को पहली बार महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। बंगलादेश को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये मंगलवार को यूएई के खिलाफ टी20 मुकाबले में जीत दर्ज करनी थी। वह अंक तालिका में चौथे नंबर पर विराजमान थाईलैंड से दो अंक पीछे थे, हालांकि उनका नेट रन रेट ज्यादा था।

यदि बंगलादेश यह मुकाबला जीत जाती तो वह रन रेट के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बना लेती, लेकिन लगातार बारिश के कारण मैच को एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। गौरतलब है कि थाईलैंड ने महिला एशिया कप 2022 में अपने अभियान की शुरुआत बंगलादेश के खिलाफ हार के साथ की थी, जबकि अपने आखिरी मुकाबले में उन्हें भारत के हाथों परास्त मिली थी। इसके बावजूद थाईलैंड ने पाकिस्तान, यूएई और मलेशिया के खिलाफ जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

दीप्ति ने टी-20 में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की

दुबई, 11 अक्टूबर। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप 2022 में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी टी20 रैंकिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी रैंकिंग के अनुसार दीप्ति ने टी20 महिला गेंदबाजों की रैंकिंग में 724 पॉइंट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया है।

उन्होंने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ तीन जबकि बंगलादेश और थाईलैंड के खिलाफ दो-दो विकेट हासिल किये, जिससे वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार तीसरे पायदान पर आई हैं। इसके अलावा उन्होंने टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की ऐशले गार्डनर को पछाड़कर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह 35वें पायदान पर आ गयी हैं।

इसी बीच, दीप्ति की हमवतन रेणुका सिंह (तीन पायदान चढ़ कर आठवीं रैंकिंग पर), स्नेह राणा (30 पायदान चढ़ कर 15वीं रैंकिंग पर) और पूजा वस्त्राकर (सात पायदान चढ़ कर 28वीं रैंकिंग पर) ने टी20 गेंदबाजों की सूची में बढ़ त हासिल की है। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जेमिमाह रॉड्रिगेज़ दो पायदान चढ़ कर छठे स्थान पर आ गयी हैं। भारत के खिलाफ 37 गेंदों पर नाबाद 56 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली पाकिस्तान की ऑलराउंडर निदा डार पांच पायदान चढ़ कर 39वीं रैंक पर पहुंच गयी हैं। वह ऑलराउंडरों की सूची में भी एक पायदान ऊपर चढ़ कर सातवां स्थान हासिल कर चुकी हैं।

न्यूजीलैंड ने पाक को एकतरफा मुकाबले में 9 विकेट से हराया

क्राइस्टचर्च, 11 अक्टूबर। न्यूजीलैंड की टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में 9 विकेट से हरा दिया है। फिन एलेन की 62 रन की पारी और डेवोन कॉन्वे के नाबाद 49 रनों की मदद से न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के 131 रन के लक्ष्य को एक विकेट खोकर और 23 गेंद बाकी रहते हुए हासिल कर लिया। यह कीवियों की टी20 त्रिकोणीय सीरीज में पाकिस्तान के खिलाफ पहली जीत है। इससे पहले स्पिनरों की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मेजबान टीम ने पाकिस्तान को 130 के स्कोर पर ही रोक दिया था पाकिस्तान के लिए इफ्तिखार अहमद ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए जबकि न्यूजीलैंड के लिए सैंटनर-साउथी और ब्रेसवेल ने 2-2 विकेट लिए। न्यूजीलैंड इस जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गई। पाकिस्तान दूसरे नंबर पर है। दोनों के 4-4 अंक हैं। न्यूजीलैंड की इस जीत में उसके ओपनर्स फिन एलन और डेवोन कॉनवे और 31 साल के स्पिनर माइकल ब्रेसवेल ने अहम भूमिका निभाई। माइकल ब्रेसवेल ने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं, फिन एलन और डेवोन कॉनवे ने करीब 150 के स्ट्राइक रेट से रन ठोके।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड सवाई माधोपुर
राजकीय आयुर्वेद औषधालय के पास, सामान्य चिकित्सालय परिसर, सवाई माधोपुर
email-eemhswm@gmail.com फोन नं. 07462-233169
क्रमांकः 782 दिनांकः-01.10.2022

ई-टेन्डिरिंग निविदा सूचना 27/2022-23

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के जिला सवाई माधोपुर एवं बूंदी में विभिन्न स्थानों पर रू 1600.50 लाख के 41 निर्माण कार्य/विद्युत कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में विद्युत कार्य/निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड सवाई माधोपुर

MHS2223WSOB03813, MHS2223WSOB03814, MHS2223WSOB03815, MHS2223WSOB03816, MHS2223WSOB03817, MHS2223WSOB03818, MHS2223WSOB03819, MHS2223WSOB03820, MHS2223WSOB03821, MHS2223WSOB03822, MHS2223WSOB03823, MHS2223WSOB03824 MHS2223WSOB03825, MHS2223WSOB03827, MHS2223WSOB03828, MHS2223WSOB03829, MHS2223WSOB03830, MHS2223WSOB03831, MHS2223WSOB03832, MHS2223WSOB03833, MHS2223WSOB03834, MHS2223WSOB03835, MHS2223WSOB03836, MHS2223WSOB03837 MHS2223WSOB03838, MHS2223WSOB03839, MHS2223WSOB03840, MHS2223WSOB03841, MHS2223WSOB03842, MHS2223WSOB03843, MHS2223WSOB03844, MHS2223WSOB03845, MHS2223WSOB03846, MHS2223WSOB03847, MHS2223WSOB03848, MHS2223WSOB03849 MHS2223WSOB03850, MHS2223WSOB03851, MHS2223WSOB03852, MHS2223WSOB03853, MHS2223WSOB03854
DIPR/C/12967/2022

आईपीएल ने आत्मविश्वास दिया : कुलदीप

नयी दिल्ली, 11 अक्टूबर। भारत के स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव ने मंगलवार को कहा कि आईपीएल 2022 ने उन्हें आत्मविश्वास दिया है और उनके नियमित प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुलदीप ने यहां अरुण जेटली स्टेडियम पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में 18 रन देकर चार विकेट लिये, जबकि तीन मैचों की शृंखला में उन्होंने कुल छह विकेट हासिल किये। कुलदीप ने मैच के बाद कहा, मुझे आईपीएल से आत्मविश्वास मिला है। मैं उसके बाद कुछ समय के लिये दोबारा चोटठास्त हुआ था, लेकिन मैंने वेस्ट इंडीज़ दौरे पर, ज़िमबाब्वे दौरे पर और भारत-ए के मैचों में अच्छी गेंदबाजी की। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला।

टी-20 विश्व कप के लिये ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे शाहीन शाह

क्राइस्टचर्च, 11 अक्टूबर। पाक के शीर्ष तेज़ गेंदबाज़ शाहीन शाह अफ़रीदी अपने रिहैब कार्यक्रम से गुजरने के बाद शनिवार, 15 अक्टूबर को ब्रिस्बेन में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया 2022 के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल होंगे। पीसीबी ने घोषणा करते हुए बताया कि शाहीन 17 और 19 अक्टूबर को होने वाले अभ्यास मैचों में चयन के लिये उपलब्ध होंगे। इन मैचों के दौरान टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस का आंकलन करेगी। शाहीन लंदन के क्रिस्टल पैलेस फुटबॉल क्लब में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की निगरानी में रिहैब से गुजर रहे थे। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच जुलाई में खेली गयी टेस्ट सीरीज के दौरान उनकी दाहिने घुटने में चोट आई थी, जिसके कारण वह एशिया कप 2022 में भी नहीं खेल सके थे।

चंड़ीगढ़, नागालैंड सुब्रतो कप फाइनल में

नयी दिल्ली, 11 अक्टूबर। राजकीय मॉडल उच्च माध्यमिक विद्यालय (चंडीगढ़) ने लेमेट की हैट्रिक की बदौलत सुब्रतो कप अंडर-17 बालक सेमीफाइनल में 10-2 जिला स्कूल (झारखंड) को 5-1 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। चंडीगढ़ का सामना फाइनल में गुरुवार को पिलठिाम उच्च माध्यमिक विद्यालय (नागालैंड) से होगा, जो सेमीफाइनल में सीटी हायर सेकेंडरी स्कूल (मणिपुर) को 3-1 से हराकर आ रहा है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
P.H.E.D DISTT. DN. SOUTH BARMER
Phone No. 02982- 220482 E-mail: eesouthbmr@gmail.com
No:E.E./PHED/S/2022-23/3404-14 Date : 04/10/2022

NIT No.- 2022-23/34
(NIB Code -PHE2223A3790)

Online tenders are invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from contractors enlisted "AA "A" "B" and "C" Class contractors with the PHED Rajasthan and meeting eligibility criteria, Contractors enlisted with other Departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD/Postal, Telecom, Railway, MES, other state Govt. /Central Govt. undertaking/ organizations equivalent in Rajasthan meeting eligibility criteria may apply after giving prescribed Earnest Money. The tender documents can be downloaded from the web site eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in Details of this tender notification and pre-qualification criteria can also be seen In NIT exhibited on web site. www.dipronline.org.

S. N.	Unique Bid Number	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाखो मे)	धरोहर राशि	कार्य अवधि	निविदा की प्राप्ती तिथि (देय तिथि)
1	PHE2223WS0B 07674	Construction and commissioning of open well at Hukam Singh ki dhani village & GP Kelnor	16.50	33000	6 माह	27.10.2022
2	PHE2223WSOB 07675	Construction and commissioning of open well at Sutharo ki dhani Village Kalyanpur GP Kelnor	16.50	33000	6 माह	27.10.2022
3	PHE2223WSOB 07676	Construction and commissioning of open well at Nimbsingh ki dhani near Gadara road GP Kelnor	19.10	38200	6 माह	27.10.2022
4	PHE2223WSOB 07679	Construction and commissioning of open well at Balacho ki Basti Village & Gp Aarabi ki gafan	16.50	33000	6 माह	27.10.2022
5	PHE2223WSOB 07682	Construction and commissioning of open well at Musalamano ki Dhani (near Khanu ki dhani) Village and Gp Aarabi ki gafan	16.50	33000	6 माह	27.10.2022
6	PHE2223WSOB 07684	Construction and commissioning of open well at Laxman Meghwal ki dhani Village Majnani & Gp Aarabi ki gafan	16.50	33000	6 माह	27.10.2022
7	PHE2223WSOB 07685	Construction and commissioning of open well at Rajoni Bhilo ki dhani (Janak Singh ki dhani) Village and Gp Kelnor	16.50	33000	6 माह	27.10.2022
8	PHE2223WSOB 07687	Construction and commissioning of open well at Samejo ki dhani (Subhan ki dhani) Village and GP Jaisar	19.60	39200	6 माह	27.10.2022
9	PHE2223WSOB 07689	Repairing work of various pump room office etc Under south Dn. Barmer	12.00	24000	3 माह	27.10.2022
10	PHE2223WSOB 07695	Supply of lowering unlowering machine in various sources under Sub. Dn Dhanau	7.00	14000	2 माह	27.10.2022
11	PHE2223WSOB 07696	Supply of lowering unlowering machine in various sources under Sub. Dn Chohtan	7.00	14000	2 माह	27.10.2022
12	PHE2223WSOB 07697	Supply of lowering unlowering machine in various sources under Sub. Dn. Dhorimana	7.00	14000	2 माह	27.10.2022
13	PHE2223WSOB 07698	Supply of lowering unlowering machine in various sources under Sub. Dn. Gudamalani	7.00	14000	2 माह	27.10.2022

(Deeparam)
Executive Engineer
PHED Distt. Dn. South Barmer
DIPR/C/13015/2022

जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी
अक्टूबर-2022 (II)
91 भूखण्ड/ दुकान/ गोदाम

13 व्यावसायिक भूखण्ड

03	02	02	06
न्यू आतिश मार्केट विस्तार खसरा नं. 66, 73 व 74 ग्राम-सुखालपुरा, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2018/847	गिरधारीपुरा योजना, ब्लॉक-ए, जयपुर	एपीजे अब्दुल कलाम नगर, जयसिंहपुरा बास भांकरोटा, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2020/1293	निजी खातेदारी योजना, जयपुर (दी प्लेटिनम सिटी) RERA Regi. No. RAJ/P/2022/1905

51 आवासीय भूखण्ड

03	14	19	05
हीरा लाल शास्त्री नगर योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2020/1297	अनुपम विहार योजना, जयपुर	रोहिणी नगर फेज-I योजना, जयपुर	राजारामपुरा योजना, जयपुर

02	01	02	04	01
सिद्धार्थ नगर योजना, ई-ब्लॉक, जयपुर	रामनगरिया विस्तार योजना, जयपुर	आनंदलोक योजना, जयपुर	रजत विहार योजना, जयपुर	विद्याधर नगर, सेक्टर-4, जयपुर

14 दुकान भूखण्ड

06	03	02	02	01
ऑटो मोबाईल शॉप ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, (टाइप-बी), जयपुर	ऑटो मोबाईल शॉप ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, (टाइप-सी), जयपुर	विद्याधर नगर योजना सेक्टर-4, जयपुर	विद्याधर नगर योजना सेक्टर-6, ब्लॉक-1, जयपुर	न्यू आतिश मार्केट, गोपालपुरा बाइपास, जयपुर

03 निर्मित दुकान

02	01
अण्डरपास (एस.एम.एस. अस्पताल से ट्रोमा सेंटर), जयपुर	मुरलीपुरा योजना, जयपुर

02 मिश्रित भू-उपयोग भूखण्ड

02
रिंग रोड़ प्रोजेक्ट (कानडवास), जयपुर

02 सर्विस यार्ड

02
सर्विस यार्ड (टाईप-बी) ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़ जयपुर

06 गोदाम

06
ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, (टाइप-बी) जयपुर

राज. संवाद/सी/2022-23/8897

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: +91 9462 569 696
रेरा वेबसाईट: http://rera.rajasthan.gov.in
नीलामी की नियम व शर्तों के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर- 302004

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के टोंक आगमन पर रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता अकबर खान ने 51 किलो की माला पहनाकर पायलट का जोरदार स्वागत किया।

सचिन पायलट टोंक पहुंचे, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

सचिन पायलट ने टोंक के गांवों का दौरा किया और अतिवृष्टि से नष्ट फसलों का जायजा लिया

- सचिन पायलट ने किसानों से बात की और कहा कि, समय रहते और जल्द से जल्द किसानों को मुआवज़ा दिलाया जाएगा।
- जिला कलैक्टर और एस.पी. सहित सभी आला अधिकारी मौजूद थे।

टोंक, 11 अक्टूबर (निसं)। पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और टोंक विधायक सचिन पायलट देर रात्रि झालावाड़ से टोंक पहुँचे, पायलट ने टोंक सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम किया। सुबह सर्किट हाउस में ही जनसुनवाई की और अधिकरियों की बैठक भी ली। पायलट के टोंक आगमन पर रेल लाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष तथा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समाजिक न्याय संगठन राष्ट्रीय संयोजक अकबर खान ने उनका 51 किलो की माला पहनाकर अभिनन्दन किया।

इसके बाद पायलट ने अपनी टोंक विधानसभा क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों का दौरा कर अतिवृष्टि से नष्ट हुई फसलों का जायजा लिया और किसानों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन भी दिया। पायलट ने इस दौरान ग्राम ठीकरिया, अरनिया तिवाडी, अरनिया केदार, कारीरिया, बालापुरा, देवपुरा व सोरण सहित आधा दर्जन से अधिक ग्रामों का भ्रमण किया और किसानों से बात की। इस दौरान किसानों ने अपनी नष्ट हुई फसलों की जानकारी दी। पायलट ने जिला कलैक्टर चिन्मयी गोयल सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पायलट ने किसानों से कहा कि उन्हें अपनी फसलों का मुआवजा जल्द से जल्द और समय रहते मिलेगा।

मीडिया से बात करते हुए पायलट ने बताया कि किसानों की खड़ी फसलें ही नहीं, कटी फसलें भी खराब हो गई हैं। उनके पास चारे का भी साधन नहीं बचा है। सभी की जल्द गिरदावरी करा सभी तरह से किसानों को आर्थिक मदद मिले ये हमारी कोशिश रहेगी। उन्होंने कहा कि "टोंक जिलें में ही नहीं हाड़ौती के जिलों में भी अतिवृष्टि से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। इससे बुआई का समय भी निकल रहा है, खाद व डीएपी की भी किल्लत है। इसके लिए कृषि मंत्रालय में बात की है। खाद व डीएपी की मात्रा को भी बढ़ाएंगे।" उन्होंने कहा कि "इस मुश्किल घड़ी में मैं किसानों के साथ खड़ा हूँ। क्लेम के लिए किसान ऑफ लाइन भी लिखित में दे सकते हैं, 72 घंटे के भीतर उनकी शिकायत रजिस्टर्ड करवाई जाएगी। जिला कलैक्टर को इसके लिए निर्देशित किया है। पूरी ताकत के साथ हम किसानों के साथ खड़े है।"

इस मौके पर जिला कलैक्टर चिन्मयी गोपाल, टोंक एसपी मनीष त्रिपाठी, एसडीएम टोंक गिरधर, तहसीलदार रामधन गुर्जर, कृषि विभाग टोंक के उपनिदेशक राधेश्याम मीणा, मदरसा बोर्ड के सदस्य सऊद सईदी, निवर्तमान कांग्रेस जिलाध्यक्ष लक्ष्मण गाता, नगर परिषद टोंक के सभापति अली अहमद, उपसभापति बजरंगलाल वर्मा, सरपंच संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज फागणा, शिवजीराम मीणा, फौजूराम मीणा आदि मौजूद थे। पायलट का ग्राम शिवपुरी, ठिकरिया, अरनिया केदार, करीरिया के ग्रामीणों ने स्वागत किया तथा अपनी समस्या बताई। इस अवसर पर सचिन पायलट ने ग्राम अरनिया तिवाडी, बालापुरा में खेतों में जाकर फसल खराबे की जानकारी ली।

बार चुनाव का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रस्तावित चुनाव में सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय गाइडलाइन की कठोरता से पालना की जाए।

याचिका में अधिवक्ता अभिनव शर्मा ने बताया है कि, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने गत नौ सितंबर को वार्षिक चुनाव 18 नवम्बर को करवाने का आदेश दिया था। बी.सी.आई. सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय, "वन बार वन वोट" के प्रावधानों का उल्लंघन किए जाने की शंका मात्र के आधार पर चुनावों पर रोक लगा दी, जबकि अभी तक सिर्फ चुनाव की तिथि ही तय हुई है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि, बी.सी.आई. को बार एसोसिएशन के चुनावों पर रोक लगाने का अधिकार नहीं है और पूर्व में भी हाईकोर्ट ने बार काउन्सिल आफ राजस्थान के चुनाव पर रोक के बी.सी.आई. के फैसले को रद्द किया था।

गौरतलब है कि सुमेर सिंह ओला ने वन बार वन वोट की प्रभावी पालना के लिए बी.सी.आई. में याचिका पेश की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए बीसीआई ने बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर को नोटिस जारी किया और 9 जनवरी तक जवाब देने को कहा तथा 18 नवम्बर को होने वाले चुनावों पर रोक लगा दी।

प्रधानमंत्री ने 900 मीटर में बना भव्य महाकाल कॉरीडोर राष्ट्र को समर्पित किया

- उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में बने इस भव्य परिसर में 84 शिवलिंग, चार महावीर, छह विनायक, आठ भैरव, अष्ट मातृका, नवग्रह, 10 विष्णु, 11 रूद्र, 12 आदित्य, 24 देवियां और 88 तीर्थ हैं, जिनके केंद्र में राजाधिराज स्वयं महाकाल विराजमान हैं।
- प्रधानमंत्री मोदी ने महाकालेश्वर के गर्भगृह में बैठकर करीब आधे घंटे पूजा-साधना की।

उज्जैन, 11 अक्टूबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मध्यप्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर में बनाए गए आध्यात्म और तकनीकी के अद्भुत संगम महाकाल लोक परियोजना के पहले चरण का लोकार्पण करते हुए इसे राष्ट्र को समर्पित किया।

मोदी ने लगभग 900 मीटर लंबे भव्य महाकाल लोक के प्रवेश द्वार नंदी द्वार पर रक्षा सूत्र से बनाए गए शिवलिंग का रिमोट दबा कर लोकार्पण किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मोदी परिसर में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ कुछ देर टहले। इस दौरान मुख्यमंत्री चौहान उन्हें लगातार महाकाल लोक के बारे में जानकारी देते हुए दिखाई दिए।

पैदल चलते हुए मोदी महाकाल लोक परिसर में बनाए गए त्रिपुरासर संहार के दृश्य, सप्तर्षि मंडल परिसर, नवग्रह परिसर और रूद्रसागर के समीप भी गए। हर स्थान पर प्रधानमंत्री विशेष रुचि लेकर यहां के विहंगम और नयनाभिराम दृश्यों का अवलोकन करते दिखाई दिए।

इसके बाद मोदी परिसर की सैर के लिए इलेक्ट्रिक वाहन में सवार हुए। इसी वाहन के माध्यम से उन्होंने पूरे महाकाल लोक की सैर की। महाकाल लोक में शिवपुराण से जुड़ी बहुत सी कथाएं प्रदर्शित की गई हैं, जिनके बारे में वहां लगे बार कोड के माध्यम से जानकारी ली जा सकती है। यहां 108 स्तंभ बनाए गए हैं, जिनमें शिव तांडव से जुड़ी जानकारी नक्काशी और भित्ति चित्रों के माध्यम से दी गई है। महाकाल लोक बुधवार से श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकाल को बारंबार प्रणाम करते हुए कहा कि, सिंहस्थ के समय में उनके मन में जो विचार आए थे, आज उन्हें मूर्त रूप मिल गया है।

मोदी ने महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद एक आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, पिछले सिंहस्थ के समय में उन्हें महाकालेश्वर भगवान का बुलावा आया। उन्होंने बेहद विनम्र लहजे में कहा कि, महाकाल का बुलावा आए तो बेटा आए बिना कैसे रह सकता था। उन्होंने कहा कि, उस दौरान उनके मन में लगातार मंथन का दौर चल रहा था। उसी मंथन में एक विचार इस कल्पना का भी आया था। उस समय का भाव आज चरितार्थ हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने महाकालेश्वर और उज्जयिनी नगरी की महिमा बताते हुए कहा कि यहां 84 शिवलिंग, चार महावीर, छह विनायक, आठ भैरव, अष्ट मातृका, नवग्रह, 10 विष्णु, 11 रूद्र, 12 आदित्य, 24 देवियां और 88 तीर्थ हैं, जिनके केंद्र में राजाधिराज महाकाल विराजमान हैं। उन्होंने कहा कि यहां सब कुछ अलौकिक, अविश्वसनीय और असाधारण है।

इसी क्रम में उन्होंने कहा कि वे मध्यप्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने लगातार समर्पण के साथ इस सेवा कार्य को पूरा किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उज्जैन ज्योतिषीय गणना का भी केंद्र रहा है। यहां श्रीकृष्ण ने भी शिक्षा प्राप्त की। उज्जैन के कण-कण में ईश्वरीय ऊर्जा और इतिहास सिमटा है।

भारत ने यू.एन. में रूस को दिया बड़ा झटका

रूस के निंदा प्रस्ताव पर रूस की गुप्त मतदान की मांग को भारत ने स्वीकार नहीं किया

- दरअसल यू.एन. जनरल असैम्बली में रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया गया है, जिस पर रूस ने गुप्त मतदान किये जाने की मांग रखी थी। लेकिन भारत ने इस मामले में सार्वजनिक मतदान किये जाने का समर्थन करके रूस को बड़ा झटका दिया है।
- अब रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पर खुली वोटिंग होगी।

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। रूस ने संयुक्त राष्ट्र संघ में यूक्रेन के चार क्षेत्रों के अवैध कब्जे की निंदा करने के लिए लाए गए मसौदा प्रस्ताव पर गुप्त मतदान की मांग की है। लेकिन भारत ने रूस को झटका देते हुए उसकी इस मांग को खारिज करने के लिए मतदान किया है। भारत सहित 100 से अधिक देशों ने सार्वजनिक वोटिंग का समर्थन किया है। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा में सोमवार को अल्बानिया के द्वारा प्रस्ताव पेश किया गया था, जिसको लेकर वोटिंग हुई। अल्बानिया का यह मसौदा डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहान्स्क और जापोरिज्जिया क्षेत्रों पर रूस के तथाकथित अवैध कब्जे और जनमत संग्रह की निंदा करेगा।

रूस ने मांग की थी कि प्रस्ताव पर गुप्त मतदान द्वारा मतदान किया जाए। भारत सहित संयुक्त राष्ट्र के 107 सदस्य देशों ने रिकॉर्ड वोट के पक्ष में मतदान करने के बाद गुप्त मतदान के लिए रूस की मांग को खारिज कर दिया। केवल 13 देशों ने गुप्त मतदान के लिए रूस के आव्हान के पक्ष में मतदान किया। वहीं, 39 देशों ने इस वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया।

एक रिकॉर्ड वोट रखने के प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने के बाद रूस ने महासभा के अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ अपील की। रूस की अपील पर एक रिकॉर्ड वोट हुआ और भारत उन 100 देशों में शामिल था जिन्होंने मास्को द्वारा की गई चुनौती के खिलाफ मतदान किया। रूस ने तब अल्बानिया द्वारा रिकॉर्ड किए गए वोट के लिए प्रस्तुत प्रस्ताव को अपनाने के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की। महासभा ने भारत सहित 104 देशों द्वारा इस तरह के पुनर्विचार के खिलाफ मतदान करने के बाद प्रस्ताव पर पुनर्विचार नहीं करने का फैसला किया। भारत ने पिछले महीने रूस-यूक्रेन के बीच जारी तनाव के बीच हुई वोटिंग भाग नहीं लिया था, जबकि रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया था जिसे अमेरिका और अल्बानिया ने मॉस्को के "अवैध जनमत संग्रह" की निंदा करने के लिए पेश किया था।

मुलायम के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानी जाती थीं। इस साल आजमगढ़, जो सपा का गढ़ माना जाता है, सीट के लिये उपचुनाव में, भाजपा के दिनेश लाल यादव ने यह सीट सपा से छीन ली थी। कन्नौज, जो सपा का एक अन्य गढ़ मानी जाती थी तथा जिसका प्रतिनिधित्व मुलायम, अखिलेश एवं डिम्पल यादव ने भी किया था, 2019 से भाजपा के पास है। 2019 में, यहाँ से भाजपा प्रत्याशी सुब्रत ठाकुर ने डिम्पल यादव को हराया था। सम्भल भी परम्परागत रूप से सपा का गढ़ रहा था, लेकिन यहाँ भी सपा की पकड़ कमजोर हो गई तथा 2009 में शफीकुर रहमान बर्क, जो उस समय बसपा प्रत्याशी थे, ने यह सीट सपा से छीन ली थी इस बीच, सपा रामपुर लोकसभा सीट भी हार गई है, जिस पर आज़म खान 2019 में जीते थे। ऐसी पाँच सीटों, जिन पर 2019 में सपा जीती थी, में से वह दो सीटें- आज़मगढ़ और रामपुर हार चुकी है। मुलायम की मृत्यु के साथ ही लोकसभा में सपा सांसदों की संख्या 5 से घटकर 2 रह गई है।

कर्नाटक में 16 दलितों को घर में बंद करके बेरहमी से पीटा

इनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है जिसने मारपीट के कारण अपना बच्चा खो दिया है

बैंगलुरु, 11 अक्टूबर। कर्नाटक से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां 16 दलितों को कई दिनों तक जेल में बंद कर प्रताड़ित किया गया। मामला कर्नाटक के चिक्कमंगलुरु जिले का है। आरोप है कि प्रताड़ित किए गए लोगों में एक गर्भवती महिला भी थी। पिटाई के चलते महिला का गर्भपात हो गया। पुलिस ने कहा कि गर्भवती महिला ने उसके साथ मारपीट करने के बाद अपना बच्चा खो दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और महिला का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एन.डी.टी.वी. की रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के कट्टर समर्थक जगदीश गौड़ा पर अपने कॉफी बागान में 16 दलित लोगों को कई दिनों तक बंद रखने का आरोप लगाया गया है। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें कई दिनों तक प्रताड़ित किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि जगदीश गौड़ा और उसके बेटे तिलक गौड़ा पर दलितों पर अत्याचार के खिलाफ कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि दोनों फरार हैं और तलाश की जा रही है।

वहीं मामला सामने आने के बाद भाजपा ने इस शख्स से दूरी बना ली है। पार्टी के जिला प्रवक्ता ने इन दावों को खारिज कर दिया कि वह पार्टी का नेता है। वरसिद्धि वेणुगोपाल ने कहा, "न तो जगदीश पार्टी कार्यकर्ता है और न ही सदस्य। वह सिर्फ भाजपा समर्थक हैं। वह किसी भी अन्य मतदाता की तरह हैं।" रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ित जेनुगड्डे गांव में कॉफी बागान में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि उन्होंने मालिक से 9 लाख रुपये की राशि उधार ली थी।

कर्ज नहीं चुकाने पर उन्हें बंद कर दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "आठ अक्टूबर को कुछ लोग बालेहोन्नूर पुलिस थाने आए और आरोप लगाया कि जगदीश गौड़ा उनके रिश्तेदारों को प्रताड़ित कर रहा है। लेकिन बाद में उसी दिन उन्होंने शिकायत वापस ले ली।"

पंकज मित्तल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह मूलत: इलाहाबाद हाई कोर्ट से है, जहां वह जज बने थे। शुरु से उनकी नियुक्ति अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में हुई थी और जुलाई 2006 में वह वहां के स्थायी न्यायाधीश बने। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम के गत 30 सितम्बर को इनके नामों की सिफारिश की थी और अब इनकी नियुक्तियां की गई हैं।

जस्टिस वराले बॉम्बे हाई कोर्ट के सीनियर मोस्ट जज हैं। यहां वह वर्ष 2008 में सेवा में आए थे। मराठवाड़ा विश्वविद्यालय से कला और विधि में स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद उन्होंने वर्ष 1990 से 1992 तक औरंगाबाद के अम्बेडकर लॉ कॉलेज में विधि के व्याख्याता के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

जस्टिस अली मोहम्मद माग्रे कश्मीर युनिवर्सिटी से एल.एल.बी. हैं। वह मार्च 2013 में जे. एण्ड के. हाई कोर्ट के स्थायी न्यायाधीश बने थे। अब उन्हें चीफ जस्टिस के रूप में पदोन्नत किया गया है।

4.2 करोड़ लोगों ने आर.टी.आई. का इस्तेमाल किया

- ट्रांसपरैंसी इंटरनैशनल की रिपोर्ट के अनुसार आर. टी. आई. के जरिये सबसे ज्यादा सूचनायें केन्द्र सरकार से मांगी गई हैं।

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (वार्ता)। सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) दिवस 2022 की पूर्व संध्या पर जारी एक रिपोर्ट के अनुसार 2005 से अब तक कुल 4.2 करोड़ लोगों ने सरकार की विभिन्न एजेंसियों से सूचनाएं प्राप्त करने के लिए आर.टी.आई. अधिनियम का इस्तेमाल किया है। देश में सूचना का अधिकार दिवस 12 अक्टूबर को मनाया जाता है। ट्रांसपैरेंसी इंटरनैशनल इंडिया की इस छठी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान देश के सूचना आयोगों के समक्ष अब तक करीब 26 लाख द्वितीय अपील एवं शिकायत दर्ज की गयी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय और राज्य स्तरीय सूचना आयोगों में कुल 165 पदों में दो मुख्य सूचना आयुक्त सहित 42 पद रिक्त हैं।

टी.आई.आई. द्वारा मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट के अनुसार राज्यवार सूचना के अधिकार के प्रयोग में सबसे ज्यादा सूचनाएं केंद्र सरकार और उसके संगठनों से मांगी गयी हैं। इसके बाद महाराष्ट्र, तमिलनाडु एवं केरल का स्थान है।रिपोर्ट के अनुसार आर.टी.आई. के तहत केन्द्र के बाद जिन सरकारों से सबसे ज्यादा जानकारियां मांगी गयीं।

प्रदेश प्रभारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां,भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, भाजपा प्रदेश सह प्रभारा विजया रहाटकर ने प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक में आगामी कार्ययोजना व विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। इसके अलावा अरुण सिंह, डॉ. सतीश पूनियां, चंद्रशेखर, विजया रहाटकर, केंद्रीय मंत्रीअर्जुनराम मेघवाल ने पार्टी के विभिन्न अभियानों के संयोजक और विभागों के संयोजक व सह संयोजकों के साथ भी बैठक कर आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की।

हिन्दी की खिलाफत दक्षिण भारत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाना भारत की एकता के विरूद्ध है। भाजपा सरकार को अतीत में हुये हिन्दी-विरोधी आंदोलनों से सबक लेना चाहिये।" उन्होंने 1960 के दशक में हुये हिन्दी विरोधी आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि इन आंदोलनों के फलस्वरूप, कांग्रेस राज्य की सत्ता से बेदखल हो गई तथा उसके बाद से, कांग्रेस को राज्य कुछ सीटें पाने के लिये भी इस पर उस द्रविड़ पार्टी पर निर्भर रहना पड़ा है। इस समय, कांग्रेस डी.एम.के. (द्रमुक) पर निर्भर है तथा विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में उसकी गठबंधन पार्टनर है।

उल्लेखनीय है कि द्रमुक के नेतृत्व वाले मोर्चे ने तमिलनाडू में इकतरफा जीत हासिल की थी तथा 2019 के लोकसभा चुनावों में 39 लोकसभा सीटों में से एक के अलावा सभी सीटें जीत ली थीं। और अगर, इस भावनात्मक मुद्दे को एक बार फिर उसे उपलब्ध करा दिया जाता है, तो इश बात की पूरी-पूरी संभावना है कि डी.एम.के. अपने पूर्ववर्ती प्रदर्शन को 2024 के आम चुनावों में फिर से दोहरा सकती है।

स्टालिन ने ट्वीट किया, "भारत की विविधता को नकारते हुए, हिन्दी थोपने का भाजपा की केन्द्रीय सरकार का कड़ा दबाव एक खतरे की सूचना के रूप में आता दिखाई दे रहा है। "पार्लियामेंट्री कमेटी ऑन ऑफिशियल लैंग्वेज" के ग्यारहवें खंड में मौजूद प्रस्ताव भारत की आत्म पर सीधा एवं खुला हमला है।"

स्टालिन ने कहा कि एक राष्ट्र, एक भाषा, एक धर्म, एक खाद्य पदार्थ तथा एक संस्कृति को जबरदस्ती लादने की केन्द्र सरकार की मुद्रा भारत की एकता को प्रभावित करेगी। उन्होंने आगे कहा, "केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली "पार्लियामैंन्ट्री कमेटी ऑन ऑफिशियल लैंग्वेज" द्वारा राष्ट्रपति को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में ऐसी सिफारिशें की गई हैं जो भारतीय संघ की एकता-अखंडता के लिये खतरा हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कमेटी ने सिफारिश की है कि आई.आई.टी., आई.आई.एम., ए.आई.आई. एम.एस. (एम्स) केन्द्रीय विश्वविद्यालयों और केन्द्रीय विद्यालयों जैसे सभी संस्थानों में निर्देश के माध्यम की भाषा के रूप में अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी प्रयुक्त की जाए।

स्टालिन ने इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए ध्यान दिलाया कि संविधान की आठवीं अनुसूची में तमिल सहित 22 भाषाएं हैं, जिन्हें समान अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन पैनल ने भारत में समान भाषा के रूप में हिन्दी की सिफारिश की है। मुख्यमंत्री ने प्रश्न किया कि "ऐसे परिदृश्य में केन्द्रीय मंत्री के नेतृत्व वाली कमेटी को यह सिफारिश करने की क्या जरूरत पड़ गई कि हिन्दी को भारत की सामान्य भाषा बना दिया जाए।

इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कि केन्द्र सरकार की नौकरियों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं में अंग्रेजी भाषा के प्रश्न पत्र में हिन्दी को प्राथमिकता क्यों देनी चाहिए, उन्होंने दावा किया कि हिन्दी को अनुचित व पक्षतापूर्ण एडवांटेज देना संविधान की भावना के खिलाफ है और यह अन्य भारतीय भाषाओं के साथ भेदभाव है। केन्द्र की भाजपा सरकार पर संविधान की नितांत उपेक्षा कर हिन्दी को लगातार थोपने का आरोप लगाते हुए स्टालिन ने कहा कि देश के लिए एक "कॉमन लैंग्वेज" का आदेश देना व्यवहारिक रूप से असंभव है तथा वह यह कहने के समान है कि सिर्फ हिन्दी भाषी ही भारत के संवैधानिक नागरिक हैं और अन्य भाषाएं बोलने वाले लोग देश के दोयम दर्जे के नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्वाभाविक रूप से विभाजनकारी है।" उन्होंने कहा कि देश का वास्तविक चरित्र- "अनेकता में एकता" है। भारत का चरित्र अनेकता में एकता है, अत: सभी भाषाओं को समान आदर मिलना चाहिए और सभी को अधिकारिक भाषाएं बनाना चाहिए।

स्टालिन ऐसा कहने वाले एक मात्र व्यक्ति हैं, लेकिन इस संदर्भ में वह अंतिम व्यक्ति नहीं होंगे क्योंकि भाषा मुद्दे पर केन्द्र सरकार के प्रकट रूख का दक्षिण भारतीय राज्यों और पश्चिम बंगाल के सामाजिक कार्यकर्ताओं का विरोध सामने आने वाला है। ये तो कुछ नाम भर हैं।

गहलोत की विदाई क्यों अटकी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- कांग्रेस हाई कमान (गांधी परिवार) से संबंध टूट चुके हैं, इसका नवीन प्रमाण यह था कि, कांग्रेस हाई कमान ने उन्हें पार्टी की ओर से मुलायम सिंह के दाह संस्कार में भेजना उचित नहीं समझा।
- छत्तीसगढ़ के मु.मंत्री बघेल व मध्य प्रदेश के पूर्व मु.मंत्री कमलनाथ को पार्टी के "ऑफिशियल प्रतिनिधि" के रूप में भेजा गया।
- पर, गहलोत स्वयं सैफ़ई पहुंचे तथा यह मैसेज देने का प्रयास किया कि, अभी भी उनके संबंध हाई कमान से ठीक हैं।

जय शाह के नाम का आमंत्रण गांधी परिवार के लिए यह सबसे बड़ा संकेत था कि वह अब अमित शाह के संरक्षण में हैं और यदि सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री के रूप में थोपने की कोई कोशिश की गई तो वह सरकार गिरा देंगे। सोनिया गांधी अपनी पुत्री प्रियंका के साथ शिमला गई हैं, गांधी परिवार कांग्रेस अध्यक्ष की चुनाव तिथि 17 अक्टूबर की प्रतीक्षा कर रहा है।

सूत्र कहते हैं कि जब प्रियंका गांधी ने अध्यक्ष के चुनाव के बीच में उत्तर प्रदेश कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त किया तब पार्टी में इसकी भारी प्रतिक्रिया हुई थी। कई नेताओं ने सोनिया गांधी को लिखा था कि उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी क्योंकि नया अध्यक्ष ही इन मुद्दों पर अपना निर्णय लेगा।

एक सीनियर नेता ने बताया कि यही कारण रहा होगा जिसकी वजह से अशोक गहलोत का मसला नए अध्यक्ष के चुनाव के बाद हाथ में लिया जा सकता है। जब गहलोत का विद्रोह हुआ तब खड़गे राजस्थान में पार्टी के पर्यवेक्षक थे और अब वे पार्टी नए अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। जयपुर से रवाना होने से पूर्व खड़गे ने कहा था कि उन्होंने पिछले 40 वर्षों में कांग्रेस अध्यक्ष का ऐसा अपमान कभी नहीं देखा। खड़गे गहलोत पर निर्णय लेंगे और अजय माकन के साथ एक नया पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा।

जैसी कि इस अखबार द्वारा पहले खबर दी जा चुकी है, अजय माकन एक-एक विधायक से सम्पर्क करने में व्यस्त हैं और राजस्थान में नेतृत्व के मुद्दे पर उनके विचार जान रहे हैं। साथ ही यह भी पता लगा रहे हैं कि वे किसका समर्थन कर रहे हैं।

एक सीनियर नेता ने टिप्पणी की कि "कोई भी नेतृत्व इतनी अनुशासनहीनता और अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। यह एक उदाहरण बन जाएगा, जिससे स्थापित नेता प्रेरित होकर अपने धन-बल और कद के आधार पर विद्रोह करेंगे और कोई भी नेतृत्व ऐसा बर्दाश्त नहीं कर सकता।" इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि गहलोत कितने समय तक अपनी कुर्सी बचाने के जतन कर सकते हैं, लेकिन मुख्य बात यह है कि अशोक गहलोत की राजनीति अब समाप्त हो चुकी है और कम से कम कांग्रेस पार्टी में तो हो ही चुकी है।

नया चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को सूची से हटा दिया गया था।

चुनाव आयोग ने इसे एक स्वतंत्र चुनाव चिन्ह घोषित करते हुए वर्तमान उप चुनाव में उपयोग के लिए शिंदे गुट को आवंटित किया है, लेकिन यह तब ही है, जब तक कि शिव सेना और उसके पूर्व चुनाव चिन्ह के हक के विवाद में कोई अंतिम आदेश पारित नहीं हो जाता। हालांकि शिंदे गुट ने सूर्य बतौर चुनाव चिन्ह मांगा था, पर चुनाव आयोग ने यह मांग नहीं स्वीकार की।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908